

राजा

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 15.00 संख्या 35

नागा राज और कांजा

इस विशेषांक के साथ
नागराज का पोस्टर मुफ्त



नागाराज और कांजा

लेखक: मणिकुमार वासु

संपादक: मनीष गुप्ता

कैमालिंदेशन: प्रताप मुकीक

चित्र: मिलिंद किमाळ

चित्रकला: विठ्ठल कांबळे

रात! जिसके आमंत्रण पर कुछ लोगों की मुहल होती है!



स्नातक! सूट-बूट और टाई लगाकर रात में घूमता है और जब में रमती है सिर्फ पांच रुपये बारह आते।

अब "नक्की" हो ले। रमा पांच ही दुकड़े कर दूंगा तेरे। चल फूट।

शहर की कुछ कालियों, कलकों और मुलसाज संसूरी लटों पर होती है चहल-पहल -

और इस चहल-पहल से काफी नागरिकों को कोई लेना नहीं होता! -

अलबत्ता "द" वो जरूर जाते हैं!



घर में घरवाली पैल नहीं लेते देती, बाहर ये मुटेरे। बहहहह।



आज स्नातक दिन ही खराब है।

रात बोल रात! और हां, दो रुपये साढ़े सत्तासी पैसे शरापल से मेरे हठले कर दे। बड़ी कड़की है। क्या?

इसी पल उनकी आंखों को चकातींछ करती सफ़रपाई वह चमक —



वह अद्भुत दृश्य देखकर आश्चर्य से फैल
ठाड़ दोनों की आंखें —



कुत्तों के समान दोनों बार टपकाने लगे —



बाज की तरह झपट पड़े दोनों
उस आश्चर्य पर —



नागराज और कांवा

स'आश्चर्य'से इस हस्तकला
की अपेक्षा तो हमें जहाँ नहीं
तो जहाँ को—

तुम्हारे गले से
पीतों की आवाजें निकलेंगी
या नहीं, यह अब तुम दोनों
की सहजशक्ति पर
निर्भर है।



आज तो पल अचानक पोशाक से
क्या खींचा उसने?



'रुट' से खुल गया जहाँ का बारहडंटी,
और—



चुड़ैल! तेरी
अंतर्द्वियों की दावत दूंगा
अब मैं इस समुद्र
के जीवों को।

सुन्दरी के सामने खोखली धमकी ही साबित हुई तो—

राजब की फुर्ती भरी थी सुन्दरी के
लचीले बदन में और आँखों में था
कोह—



दोनों में से कोई भी, कुछ भी
न समझ सका, और सुन्दरी ने चेहरे
पर प्रत्यक्षकारी भाव लिए हुए वह छोड़ी
छुआ दी जहाँ और जहाँ से—



हा हा हा हा!
तुम्हारी बदकिस्मती
कि तुम्हारा सामना आज
मुझसे हो गया। हा हा
हा हा हा।

उफ! कायब हो गए देखों हो-

फिर वहाँ से आगे बढ़ी वो रहस्यमय सुन्दरी-



पृथ्वी पर पहुँचते ही मेरा सामना दो डौलानों से हो गया। पृथ्वी सचमुच बुरे लोगों से भरी लगती है। ठीक अगले पर पहुँची हूँ मैं।

इधर राजधानी में गरमचा हुआ था चुनाव का माहौल-

--- वहीं नेशनल पार्टी के भूतपूर्व रक्षामंत्री मिस्टर रिचर्ड ऑर्थर एक आम को सम्बोधित करते जा रहे थे -

सर! इस बार आपकी पार्टी की जीत को कोई ताकत नहीं रोक सकती।

"पाकिस्तान के ऊपर तो कोई भरोसा नहीं मिस्टर थॉमस।"



रक्षामंत्री के आगमन पर गरमा उठा माहौल-



कई राजनीतिक पार्टियाँ जहाँ चुनाव प्रचार में व्यस्त थीं...

भावी विजय की चमक ही ऑर्थर की आँखों में-

नागराज और कांवा

सामंती आर्थर का स्वागत किया उन्हें बच्चों के बीच ले—

और फिर सभा को सम्बोधित करने मंच की ओर बड़े मिस्टर आर्थर के कदम—



जो कि अक्षरपूर्व शोर धमाकी न था कि तात्परण बूझ का मोटरसाइकिलों के इंजनों के तीव्र शोर से—



सबसली मचा दी उन मोटरसाइकिल सवारों ने—

हिंडी दल के समान चारों ओर छितराते चले गए आमतुक मोटरसाइकिल सवार—



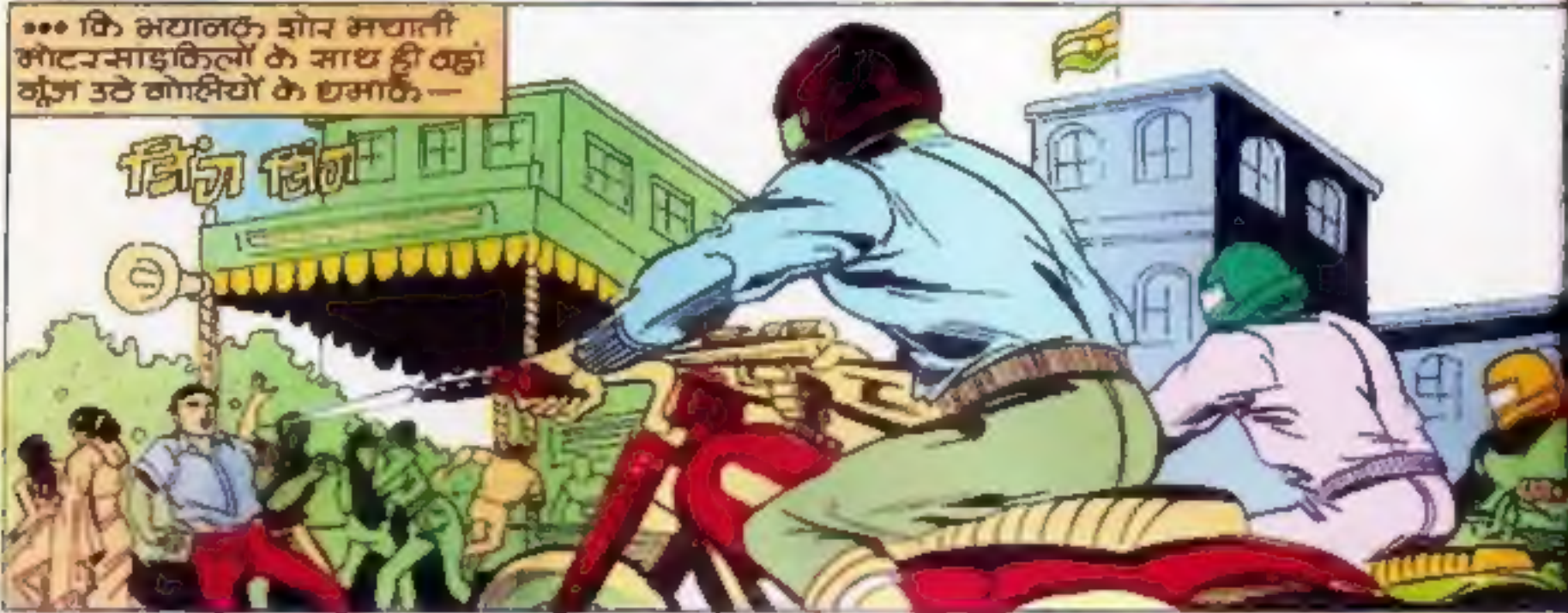
हकबतरया सा जड़ा प्रत्येक व्यक्ति अभी कुछ समझ भी न पाया था—



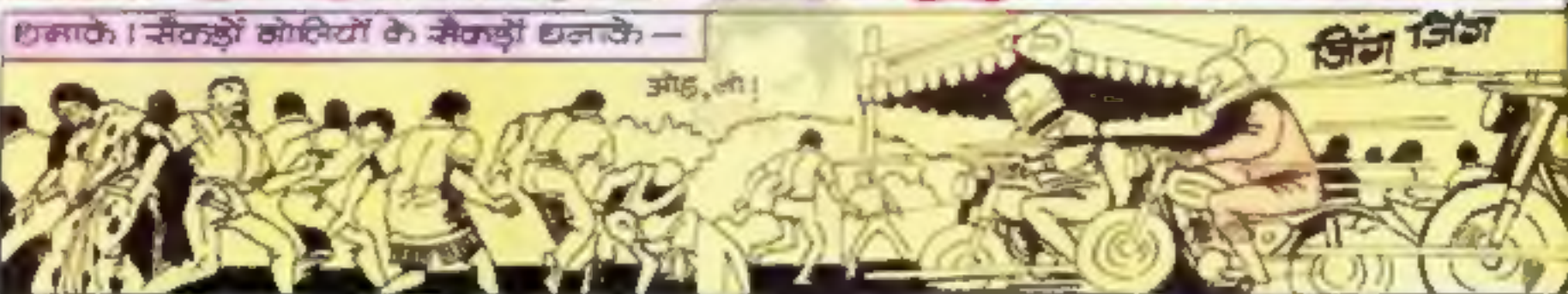
— कार्ड्स की गलत उस आकाशिक खतरे से निबटने की उठ ही न पाई थीं —



... कि भयांकर शोर मचाती मोटरसाइकिलों के साथ ही वहां गुंजा उठे गोलियों के हमले —



हमले! सैकड़ों गोलियों के सैकड़ों हमले —



जल्द कासूम बरछों के "बेच" में मौत की खलबली मचाती गुजर गई गोलीयाँ --- सैकड़ों गोलीयों से खलबली हुई राप न जाने कितने कासूम —

आह सांस

जिंदा जिंदा जिंदा

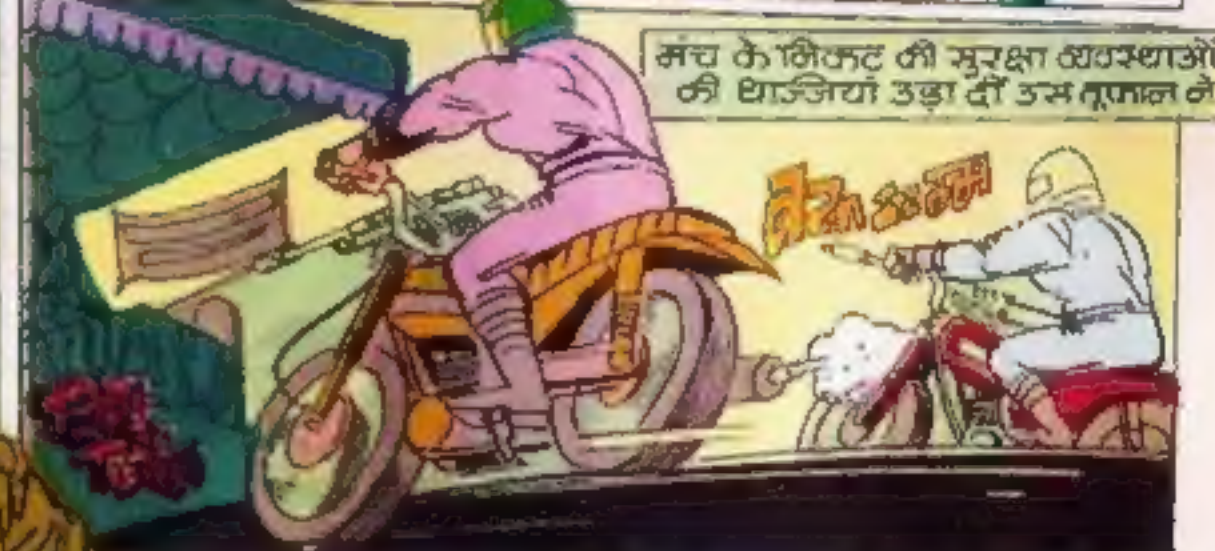
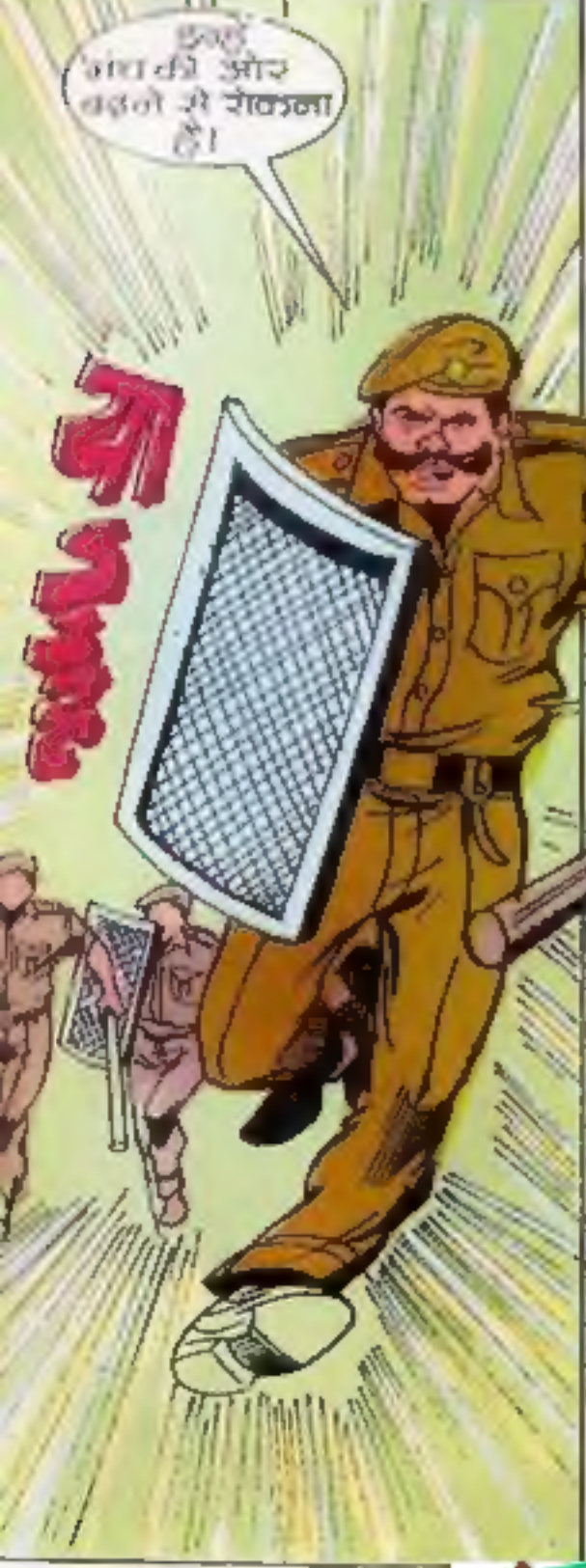
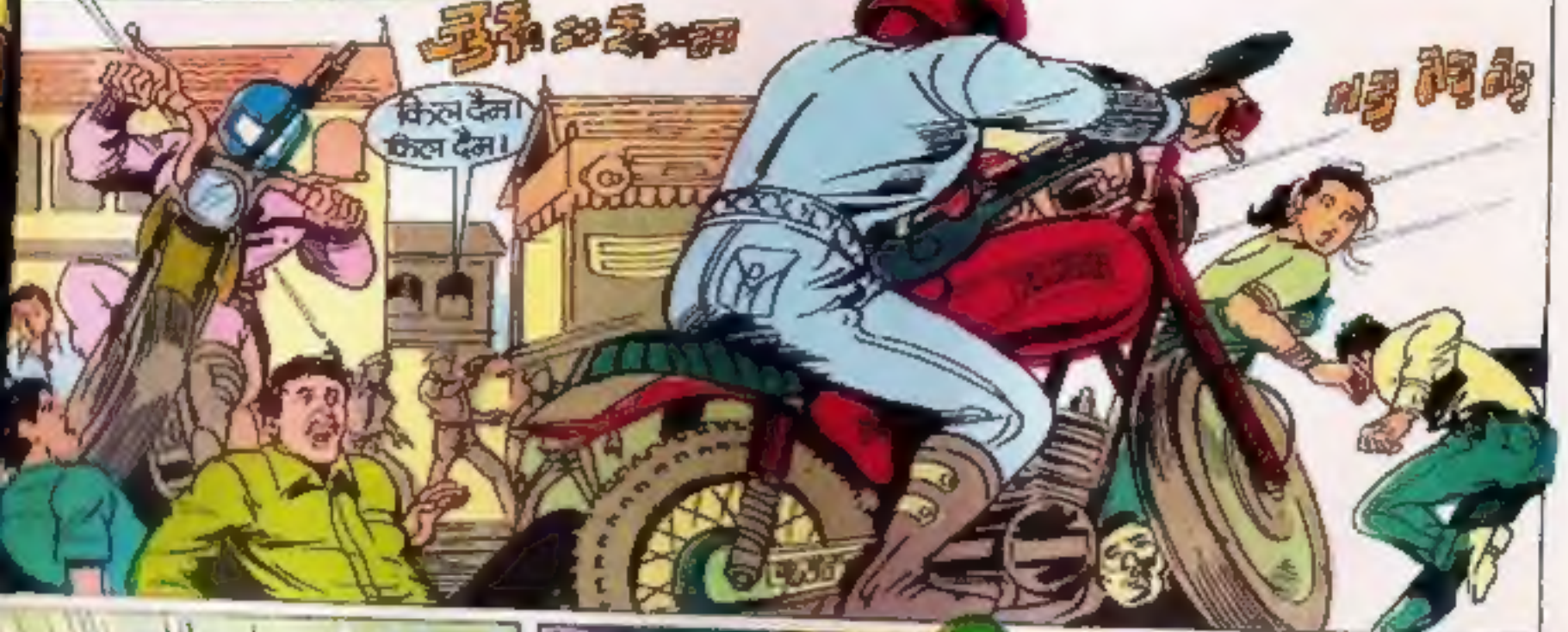


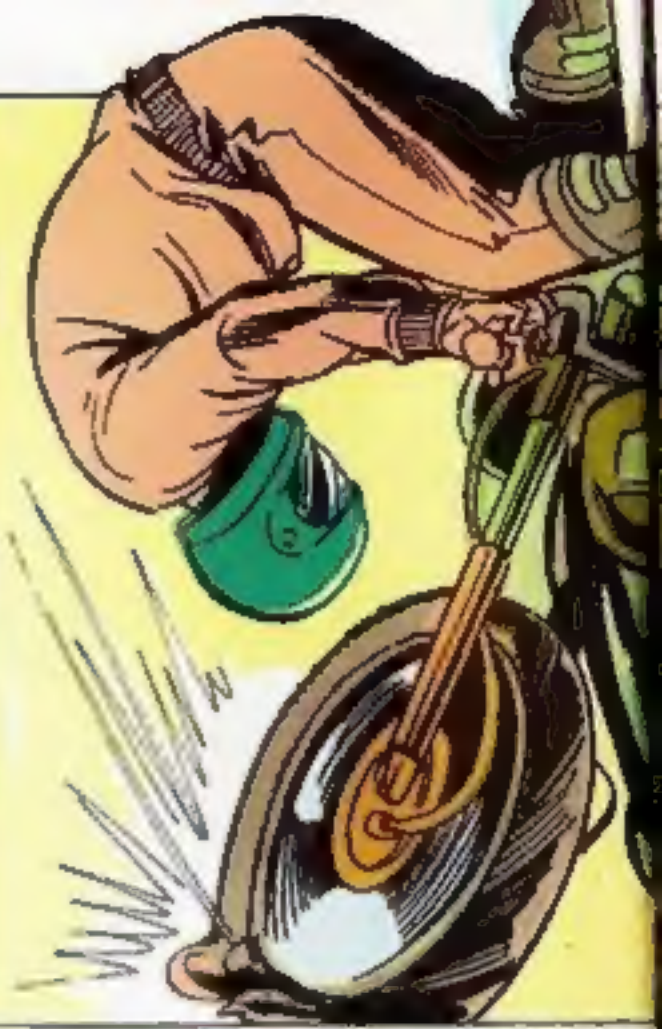
आल पर खेलने के लिए इधर से उधर दौड़ रहे थे कमाण्डोज़, लेकिन इस भयांकर भगदड़ में किस ओर से वो घुसकन पर गोलीयाँ चलाएँ ?



नागराज और कांवा

नूनी अवस्था में गोशियां बरसते हुए लोगों के झुंड से गुजर
एवं मोटरसाइकिल सवार —





पच्छिम मोटरसाइकिल सवारों सहित सैकड़ों निर्दोष के गलत से रंग कर मृत और अविचारता बल बन गया था वो मैदान—



मौत का अचानक सन्नाटा गिर गया था वहाँ।

नागराज और कांजा

और फिर इस दुश्मक के सबसे बड़े हुत्पा-
काण्ड के बाद थीस उठे विश्व-संचार के
सभी माध्यम—

जी. बी. सी. न्यूज—पूर्व रक्षामंत्री
मिस्टर रिचर्ड ऑर्थर की सुरक्षा हुत्पा।
परकी घटतीस हुत्पारे मारे गये। सैकड़ों
ग्राहक। और दिले हुत्पा लेने वाला ये हुत्पा-
काण्ड भिर्क छः निजद के अन्दर। हुत्पारे
यु स्वतैड के मेकर्स।



इस गद्यलय हुत्पाकाण्ड के बाद
परा विश्व स्वतैड हो उठा था।

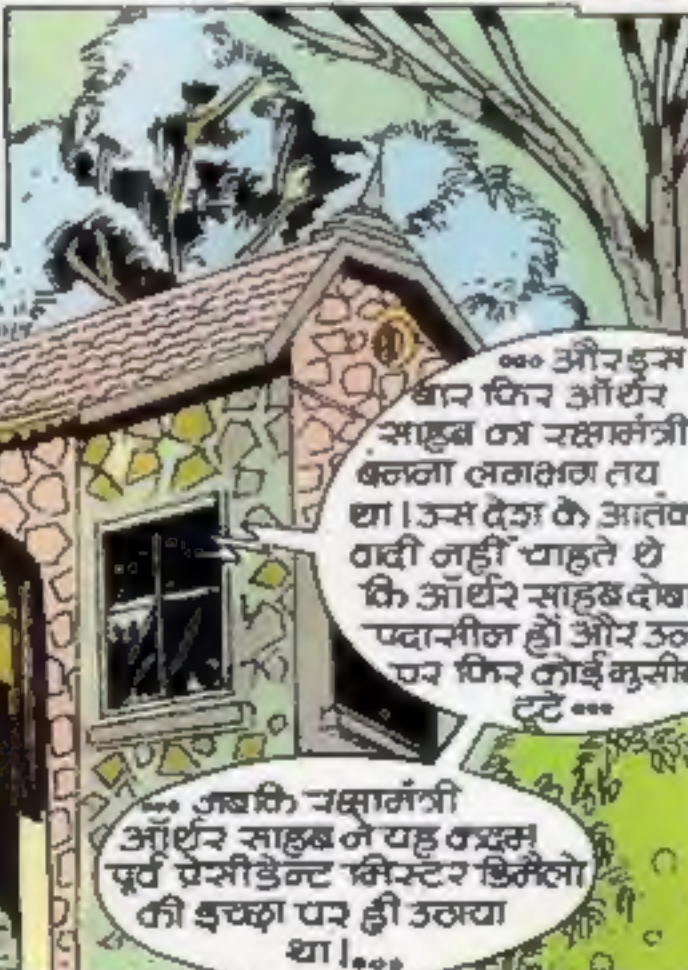
और विश्व आतंकवाद का पुष्पक काठाराज!

जिसके कदम पड़ चुके थे शोकाकुल
राष्ट्र की धरती पर—



डैथ स्वतैड
ने पूर्व रक्षामंत्री
मिस्टर रिचर्ड
ऑर्थर की
हुत्पा क्यों
की?

ऑर्थर साहब ने
अपने मंत्रीकाल में पड़ोसी
देश के आतंकवाद की समस्या
के हल के लिए अपनी सेलाएं
वहाँ भेजी थीं जिन्हें ऑर्थर
साहब के बाद आई दूसरी
सरकार ने वापस बुलवा
लिया था...



... काठाराज।
ऐसी आतंक व्यवस्था की
जा रही है कि ये कदम
आम उस आतंकवादी
ग्रुप टाइमर के इशारे
पर डैथ स्वतैड ले लिया
है।



... और इस
बार फिर ऑर्थर
साहब का रक्षामंत्री
बनना लगभग तय
था। उस देश के आतंक-
वादी नहीं चाहते थे
कि ऑर्थर साहब दोबारा
पदासीन हों और उन
पर फिर कोई मुसीबत
हूटे...

... जबकि रक्षामंत्री
ऑर्थर साहब ने यह कदम
पूर्व प्रेसीडेंट मिस्टर डिमेलो
की इच्छा पर ही उठाया
था।...

डैथ स्वतैड के विषय में उसे
बताते चले गये कांजीवर—

जी नहीं! किसी शत्रुदेश ने आक्रमण नहीं किया है। यह है प्रचार का नया तरीका --

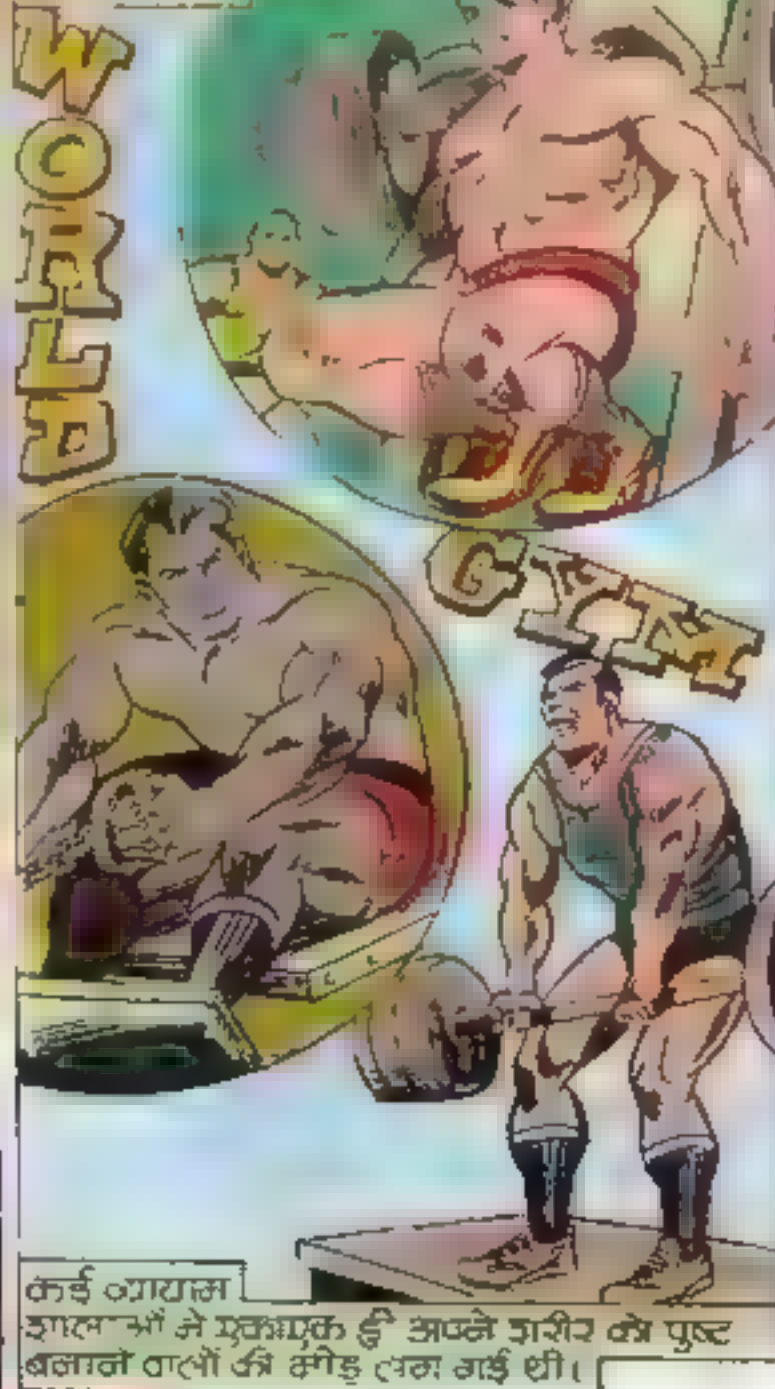
इस बार
बड़ी जबरदस्त
प्रतियोगिताएं
कराए जा
रहा है।
W.W.C.

मुझे तो
प्रचार से ही
रोकांच होन
लगा है

रोकांच के तम प्रचार में ही
मैंने P.T., योगाशास्त्र और
कैम्प की चंडे इलाकों की
| घोषणा की थी

और इस धुआंधार प्रचार के बाद बहुत से लोग
आपना शरीर बलान में
आ गए थे --

W.W.C. की
प्रतियोगिताओं के लिए नए लड़ाकों
की खोज W.W.C. के
आयोजन से शानदार
विजय
प्रतियोगिताएं
प्रत्येक विजेता को
\$ 5,00,000
डॉलर
आयोजक -- जी मैकर



कई व्यायाम
शास्त्रों ने प्रकाश डाले अपने शरीर को पुष्ट
बलाने वालों की कोइ चला गई थी।

पूरा आश्चर्यचकित
जाता है कि W.W.C. उर्फ
वैद्य स्वच्छ को हर तरह
खतरनाक हथकड़ी की जरूरत
पड़ती है और वह हम जैसे
खतरनाक हथकड़ी को प्राप्त
करता है ये भी ही खूबी प्रति-
योगिताओं के माध्यम से।
हा हा हा



नागराज और कांचा

नागराज क्यों पढ़ रहा था
विज्ञापन को ?

नागराज के अलावा उस
रहस्यमय सुन्दरी की भी
दिलचस्प किताबें जमी हुई
थी उस होर्डिंग पर -

पतले अक्षरों पर अर्धपूर्ण मुखान थी
जैसे -

बेहद सूजी और जबरदस्त
होती हैं ये प्रतियोगिताएं,
शहर में जड़
की होती हैं, मैं
जब्त
देखता हूँ।

तब तो ये
खूनी प्रतियोगिताएं
मुझे भी देखती
होंगी और किल्ला
पड़ेगा जूँसार
लड़ाकों से।



यह मे वहां लॉजबॉर्न स्टैडियम
भराना सच भर कराना था



1. W.W.C की शानदार प्रतियोगिताएं यहाँ नहीं होती थीं। यह होना था
जहाँ स्कीकों पर -

ये W.W.C ऐसी खतरनाक
लड़ाईयाँ क्यों आयोजित
करता है ?

कुत्ली में विलक्षण लड़ाई,
मैं कर अपनी भाक पेंडस
में जमाने के हरे।



आस आदमी शो-मेकर के शो के पीछे छुपे खूनी हरादो से अलजान था।

और अतिविशाल होतरी से होकर कन्दोल
रूम की ओर बढ़ रहा था शो मेकर -

लोथार !
क्या पोजीशन
है ?

शो मेकर
हमारे आदर्श
दर्शकों के बीच
पौन्य भाग
है।



“शो”
शुरू होते ही
जबरदस्त जमा
शुरू कर दिया
जायेगा।

और अभी -

ओह!

ओम्फ!

बुद्ध !
और आप में
जमा हुए
करोड़ों डॉलर
हमारे शो की
सफलता
निश्चि कर रहेगे।

अपनी “छड़ी” को बाज की
तल्ल दबोच कर आगे बढ़ती
छड़ी काई रहस्यमय सुनसरी -

अप ! वो उसके पास इतना
बड़ा हिरा ? इस लड़की पर
कजर उरकली
पड़ेगी।

लोथार !
क्या हुआ है
जल्दी आओ
शो का समय
हो रहा है।



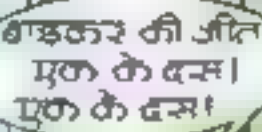
शो- मेकर विश्व की प्री स्टारल क्लसी का आयोजक, जिसे दर्शक बॉन बर्न स्टेडियम में
कभी उस विशाल स्क्रीन पर देख रहे थे -

शो मेकर
शो मेकर

झाकत हो जाइये।
झाकत हो जाइये।



इधर लॉन्गवॉर्क में शुरू हो गया अबरदस्त जुआ भी—

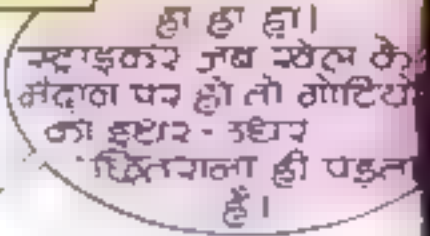


Page 2
10/1/77

बाह्य
जोड़ना

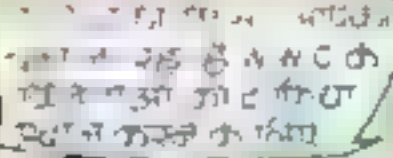
असुखान् ह्रीं श्रीं ॥

स्ट्रांगमैन और स्ट्राइकर की खुली जगहों से हिंसा कर रोक दिया दर्शकों को—



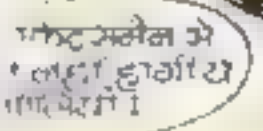
—مفتی محمد رفیع الرحمن

उत्तर WWC नया कार्डिनी पहें चूका ए
51 25 444, 46 25 1 10 10 2 -



कहो!

ਬੰਦਾਬੰਸ਼ੁ ਕਰ ਸਾਧੀ ਫੁਲ ਅੰਗਣੀ ।



ଶ୍ରୀ ଲକ୍ଷ -

अरे! क्या कर रहे हो?

॥ ॥ श्रीगुरुभक्त —

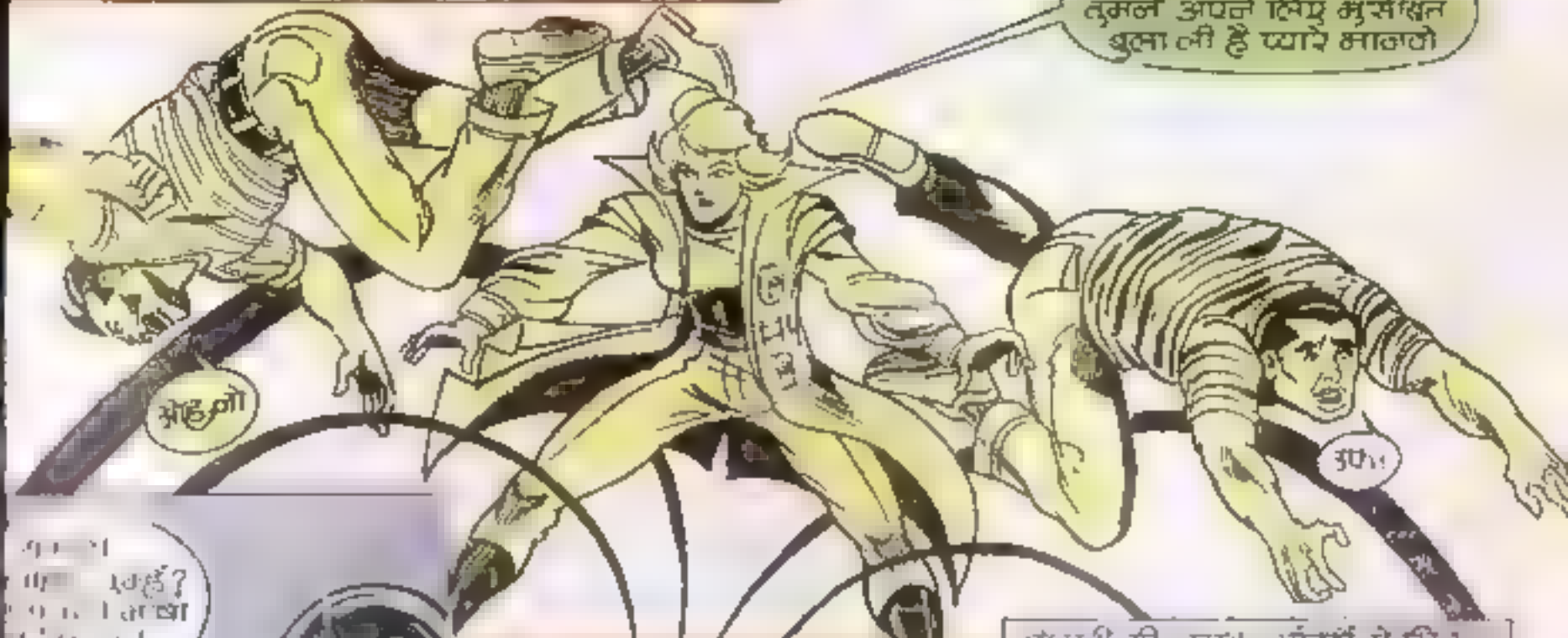


ਮੁਖੀ ਕੁਲ
ਭਾਗਮੁਖੀ
ਭਾਗਮੁਖੀ
ਭਾਗਮੁਖੀ
ਭਾਗਮੁਖੀ

नागराज और कांजा

11: उलकी मजा समझते ही आकस्मिक हो उठी सुन्दरी -

ओह! मुझे यहाँ लाकर तुमने अपने लिए मुसीबत बुला ली है प्यारे माताजी



क्या? यह? क्या? क्या?

होनाचना। घूमे की मुस्ताली का बंरा ही रक के आगे नहें समझाया है रे लो

लोकगी सी चमक अँखों में थी, मुरक मुरक हो रहस्यमय सुन्दरी -

चिरक की ओर आती कुदृष्टी उलाने वाले मानवों का अंजाम रही होगा। हा हा हा।

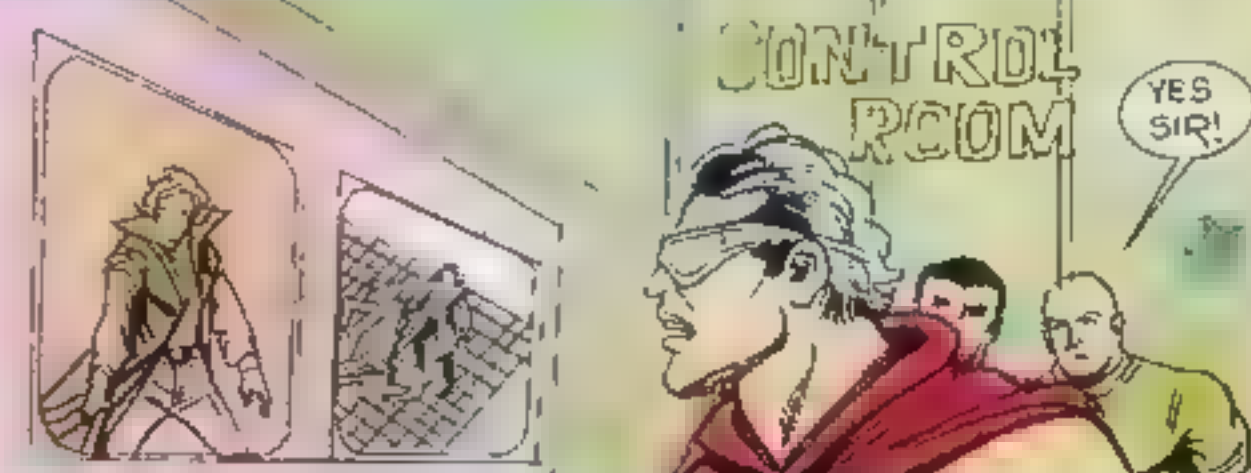


मजदूर के सावर में साँकड़ बुझा दो - मेकर देख रहा था उस कक्ष में भी अजीब प्रसारण -

ओह! क्या क्या है यह? क्या मुझसे क्या मतलब अतिरिक्त मरक भकर सा भी निकल गया।

CONTROL ROOM

YES SIR!



और यह तो क्षण था जबकि विजेता स्केट्स-
मेन अपने "सॉल" से वापस लौट-रुक्छ-

विजेताओं की जीत पर तालियों
से स्टेडियम गुंजाते दर्शकों के
लिए इसी समय प्रस्तुत
हुआ एक अद्भुत
दृश्य—



हा हा हा!
स्केट्स मैक
की जीत तो
आरम्भ से ही
निश्चित थी।



अरे
ये सॉल
से आ
वाप

सॉल यस्सी बजाकर जा लिपटे थे स्केट्समैन की टांगों पर, और



इस संभवकर रहा हुआ स्केट्समैन
तो हतप्रभ हो उठा तो भी—

यह दृश्य देना जो मेकर की आंखों विचित्र
अंश में गल गड़—



सॉल?

बचपु-छाउड मे
सॉल कहाँ से
आ गए?

हाँ...
काकराज!

हाँ।
सॉल को आइ लेकर जो
मूली प्रतिरोहितापुं रहो
सॉल जा रही हैं उसका
उद्देश्य मैं अच्छी तरह
से जान गया हूँ।



नागराव और कांजा

॥ गज अखोहित हुआ उस कीड़ो केसरे से—



॥ मेकर में तेरी
॥ मकत जात गया हूँ
॥ मे में तुझे तेरे उदैदश
॥ मरने नहीं होने दूँगा।

और इस के बाद एक और मूली जंठा आरम्भ करने को छिजली की सी तेजी के साथ आगे बढ़ा स्टैडसमेंत—

॥ परि ठोकर ले
॥ मरने नहीं होने दूँगा।

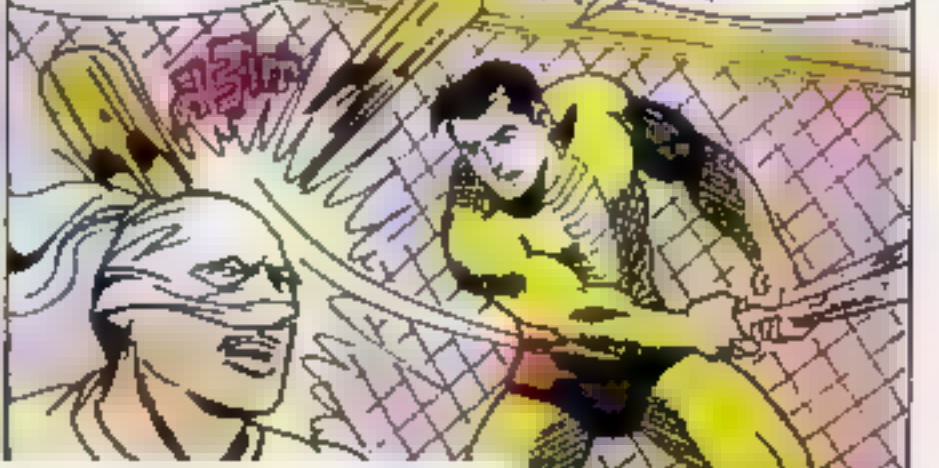


तीव्र मति के साथ स्टैडसमेंत पुल: नागराज पर झपटा, किंतु इस बार नागराज चुका नहीं—

तेरी तेजी को
भाप लिया है
अब नागराज तो।

खोपड़ी भी पत्थर
सी मजबूत है
इसकी।

॥ कांसेरी जरा सी
॥ मरने नहीं होने दूँगा।

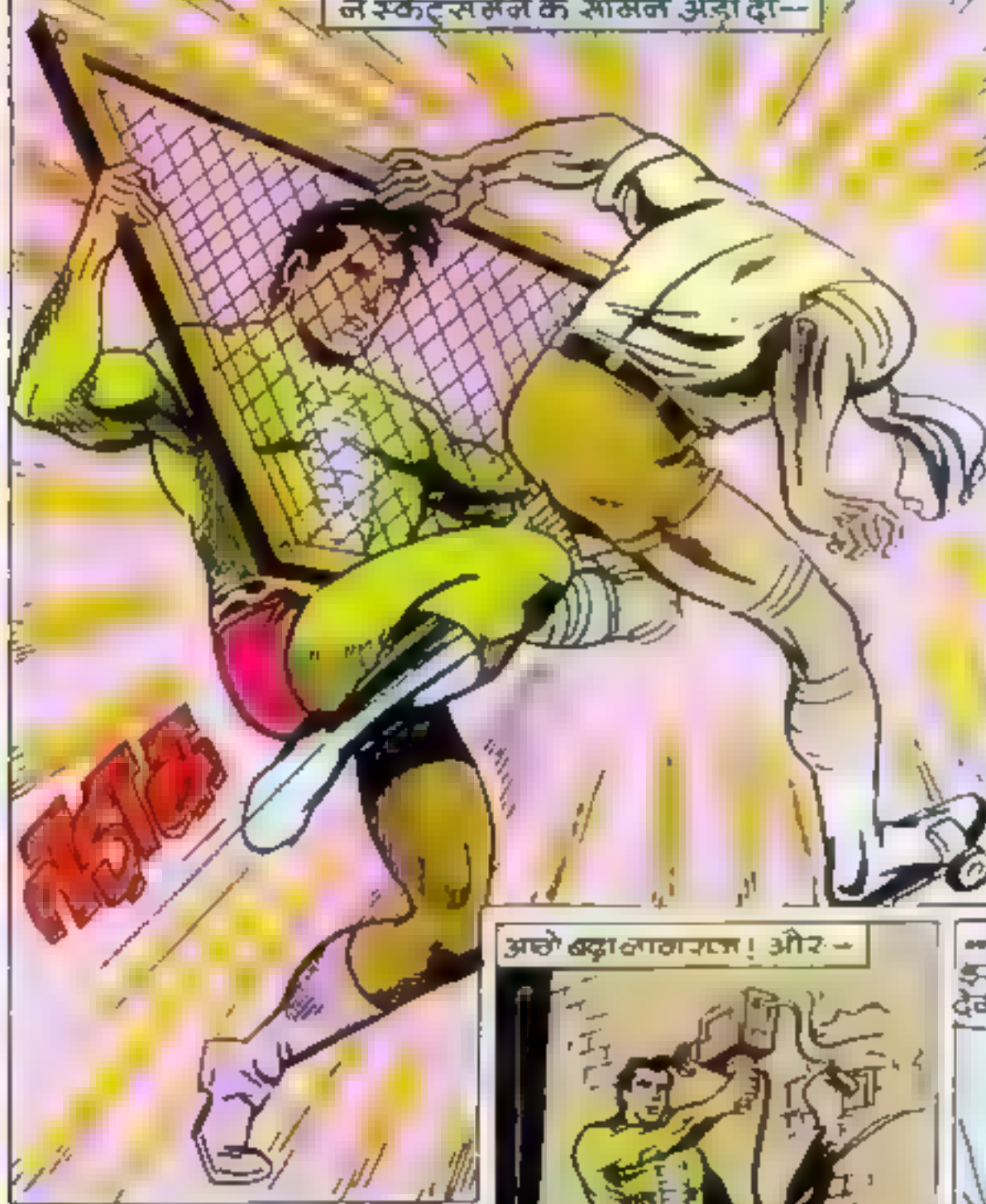


रॉकेट की तरह उड़ा स्टेडसमैन -



जागराज! तेरी मौत मेरे हाथों ही होगी!

मोहे की जाली उखाड़ कर उसी समय जागराज ने स्टेडसमैन के सामने अड़ा दी-



जागराज के स्लेक स्टाइल के इस प्रहार को ल सहु सचि उसचि छ्वा और ल जाले चित्तही पञ्चालियां ल उठी ही स्टेडसमैन की-



अच्छे बड़ा जागराज! और -



...उसचि धाडजियां इसी प्रकार उड़ा देगा जागराज।



इी-मेकर!
दुनिया भर में आमंत्रित किया
वीए स्वरूप हत्यारों के साथ
डैंग स्कैंड की जो टीम ल
बलांग चाहती था...

सब कुछ में तबही सचाले की जागराज।

नागराज और कंज
और उसका रास्ता
गैर इच्छित बाइकर
से —

हवा

खड़ा

तेजी बढ़कर जाती
है कि बाइकर के सामने
पड़ गया — उसके हाथों
मरने लगे। हा हा हा।

उठ भी न पाया था नागराज —

की हवा के झोंके के
माल पलट कर वापस
था बाइकर —

नागराज की परीक्षा देता
नागराज सड़के समान मरसस-
मोटर साइकिल के पहिये की
हद से बाहर हो
गया —

वाइरिंग

उक

बस आउठ में कंज रहा था बाइकर की
मोटर साइकिल का तेज गैर और तेज
था इस बार नागराज —

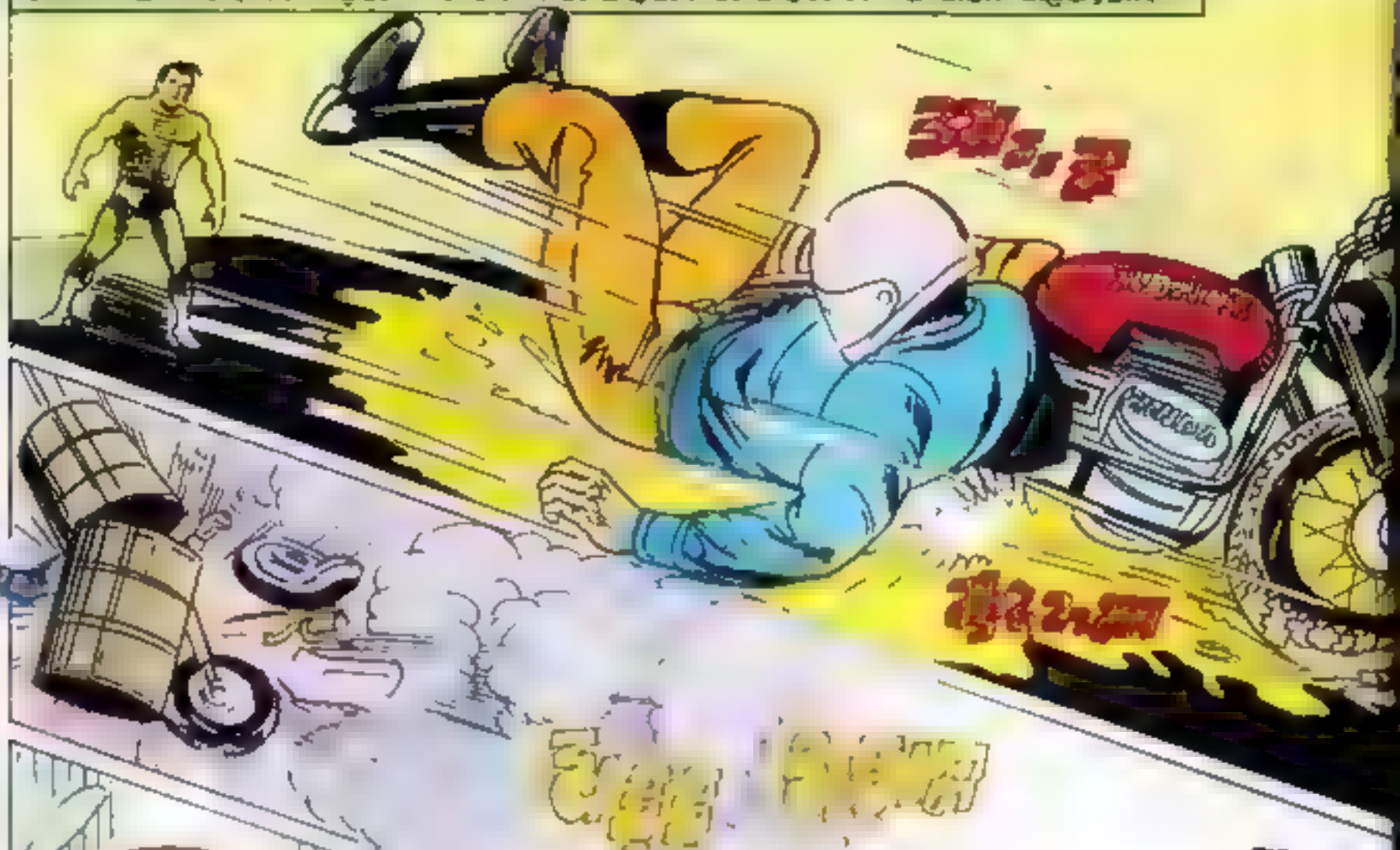
ज्यादा तेजी अच्छी
मही होती बाइकर!

वज्र

नागराज ने सारी इस को बाइकर
पर उछाल फेंका। नागराज के फेंके
इस में तो बच गया बाइकर —

हवा

लेकिन अभी तेम की मदद पर न उस सके बाइकर की बाइक के पांत वाली पहिरो, और-



हेतारा
बाइकर! मक्के
मारले का ज्योति
देखता हुआ बुरी
मौल मरा।

इधर वह सूचना
पाकर जोरोंजोर से
देहरे पर भूचाल के से
लक्षणा प्रकट हो गई थी।

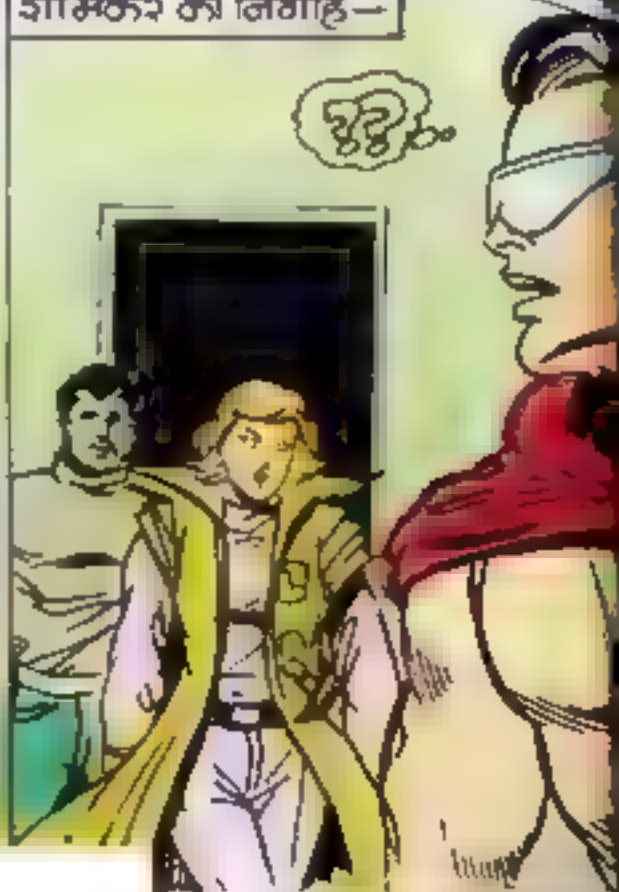
शो-मेकर। जागराज की
दो सफलताओं के बाद
जागराज की जी.आर. जमा
कर जुआ लगा हुआ
है।

अतः इस बार कि सी प्रकार
जागराज हार जाए तो
ऊपर की छत पर हमारी
छोटी से आ सकते
हैं।

उफा
जागराज

और उस
महसस पर टिक ठाई
शो मेकर की जिगाहे-

उह-उह



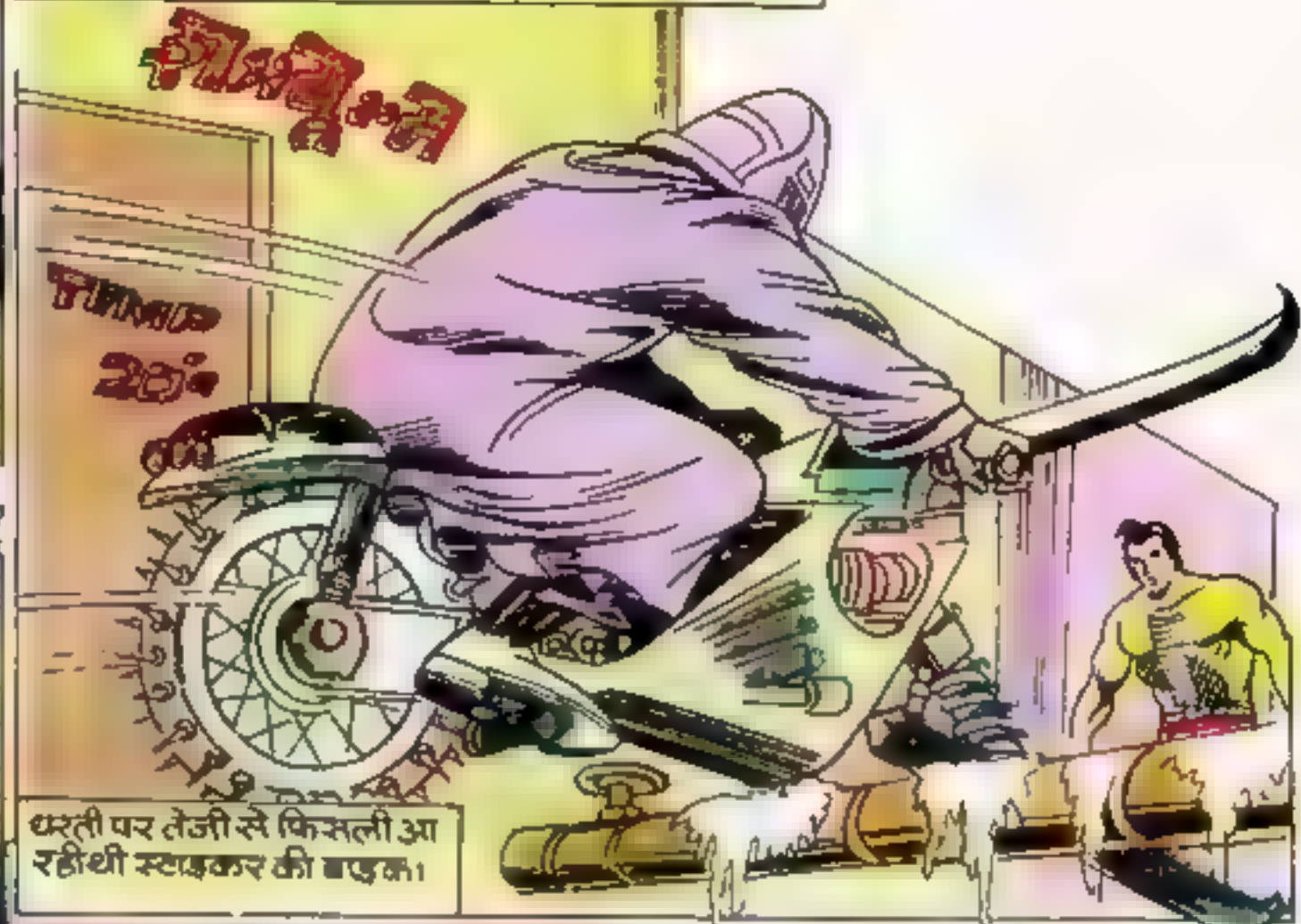
झड़झड़ा उठा जो-मेकर

उधर रूढ़ाइकर बह रहा था उस नागराज की ओर—

अगर ये तैयार हो जाए तो नागराज की पराजय निश्चित है।



अगर ये तैयार होती भी था नहीं।



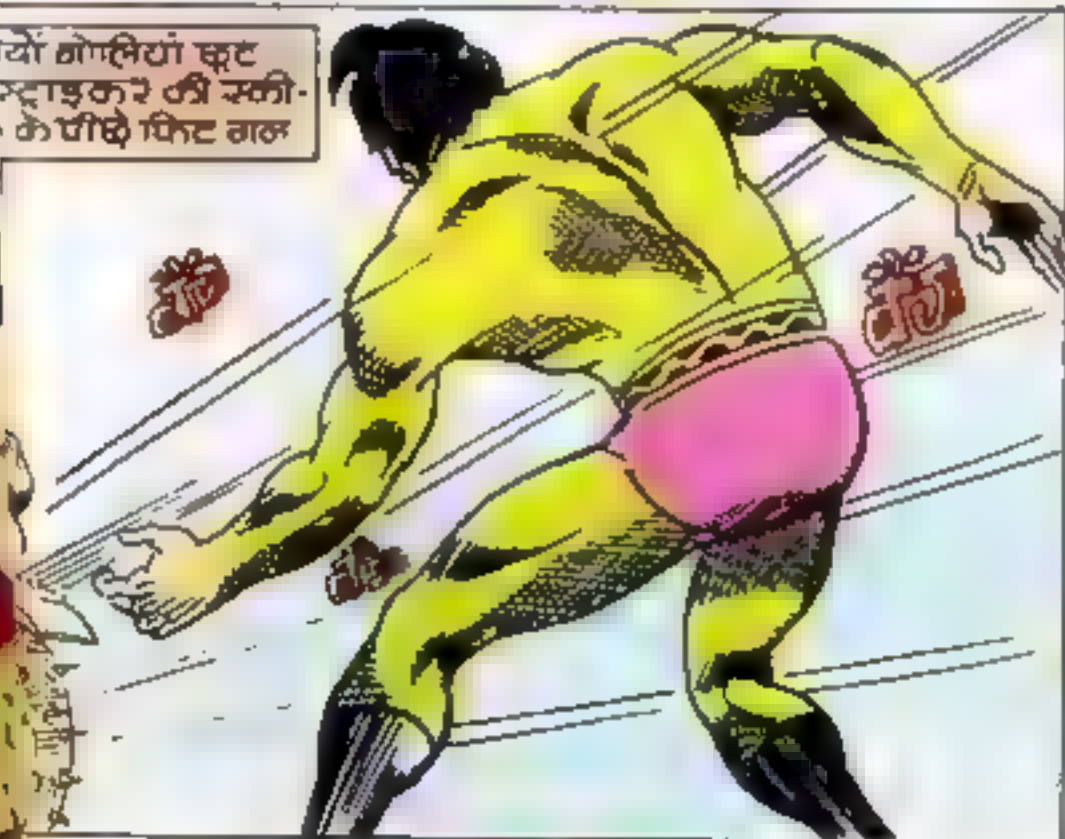
धरती पर तेजी से फिसली आ रही थी स्टाइकर की बाइक।

स्टाइकर की स्त्री-बाइक पर खरी तीक्ष्ण-ब्लेड से कू जाने का अर्थ नागराज भली-भांति जानता था—

उफ! आ पहुँचा है मुँह और हथियार।



यों गोमियां कूट स्टाइकर की स्त्री-के पीछे फिट गल



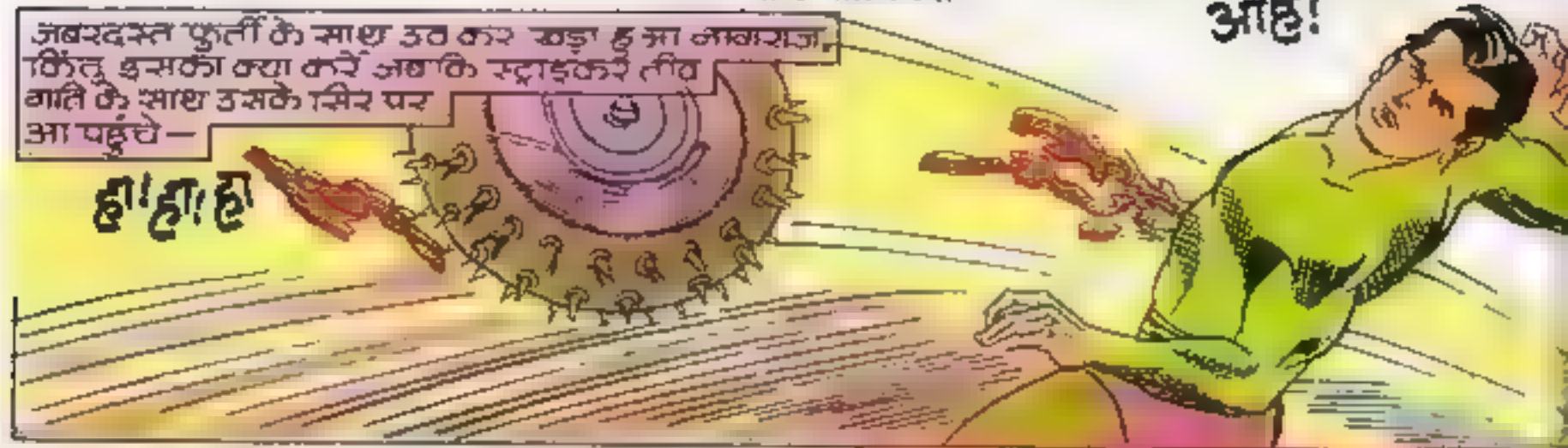
...इतना रास्ता मैं अच्युत करूँगा। उफ!

हा हा हा। नागराज स्टाइकर के हाथों ही मरेगा तू।



जबरदस्ती फुल्लों के साथ उठ कर खड़ा हुआ जागराज,
किंतु इसकी क्या करें जबकि स्टाइकर तीव्र
गति के साथ उसके सिर पर
आ पहुंचे —

हा! हा! हा

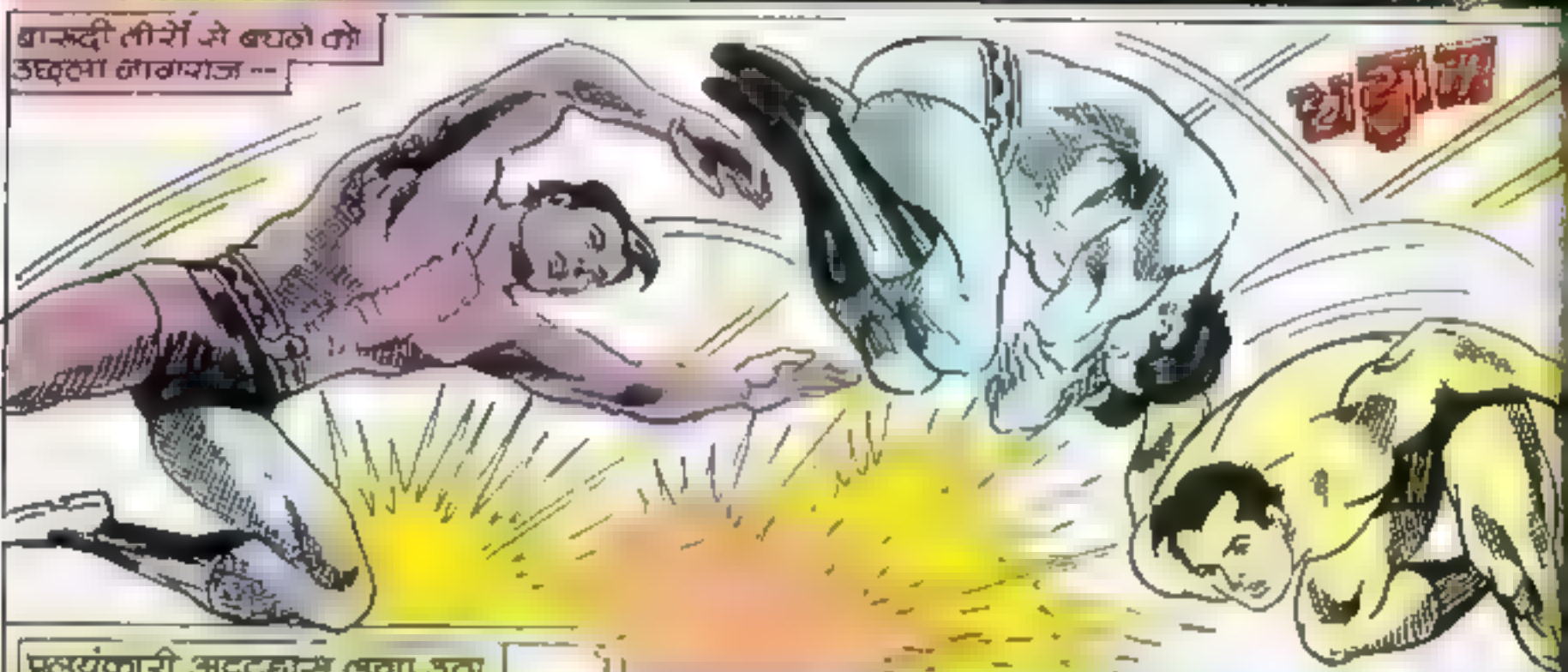


स्टाइकर की मक्खी धाड़क से छूट पड़े ठे बाजूदी तीर —

अधरे जाकर से लड़प उठा जागराज



बाजूदी तीरों से बचने को
उछलता जागराज —

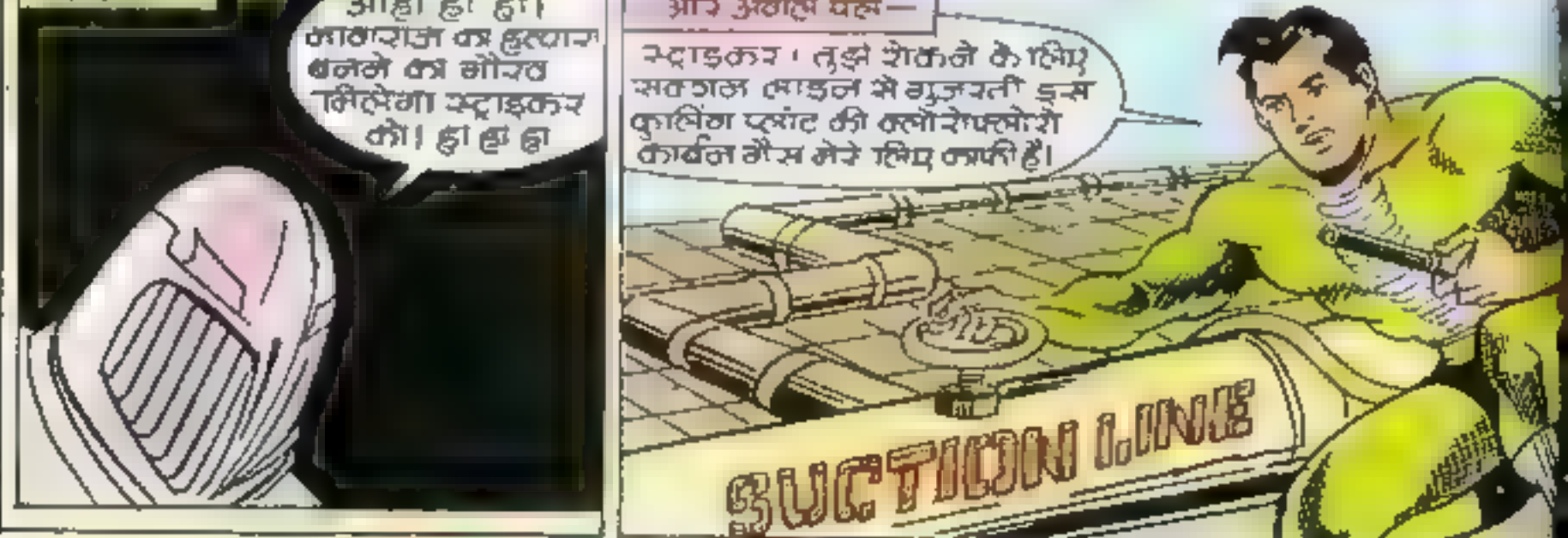


प्रहारकारी अदृष्टि से लगे उठा
स्टाइकर —

आह! हा हा!
जागराज का हल्ला
बनने का गौरव
लियेगा स्टाइकर
को! हा हा हा

और अगले घण्टे —

स्टाइकर। तुझे शेरों के लिए
सकल साइल से गुजरती इस
कालिदास की कल्लोरेफ्तोरी
कार्डिन में से मेरे लिए काफी है।



ओह नो!

नागराज और कांजा

वैस की जबरदस्त ठडक से
स्टाइकर के हाथ स्प्रिङ्कलर
के हैण्डिल से ही जुड़ गए। बर्फ
का टीला सा लजर आले लगा
स्टाइकर -

छबरा मत
स्टाइकर! अभी बहुत
वैस बाकी है।

आह

सजीव प्रमाण देखा खूली स्तर में बड़बड़ा
उठा डोलकर -

नागराज!
मौत अब तुझसे
ज्यादा दूर
नहीं है।

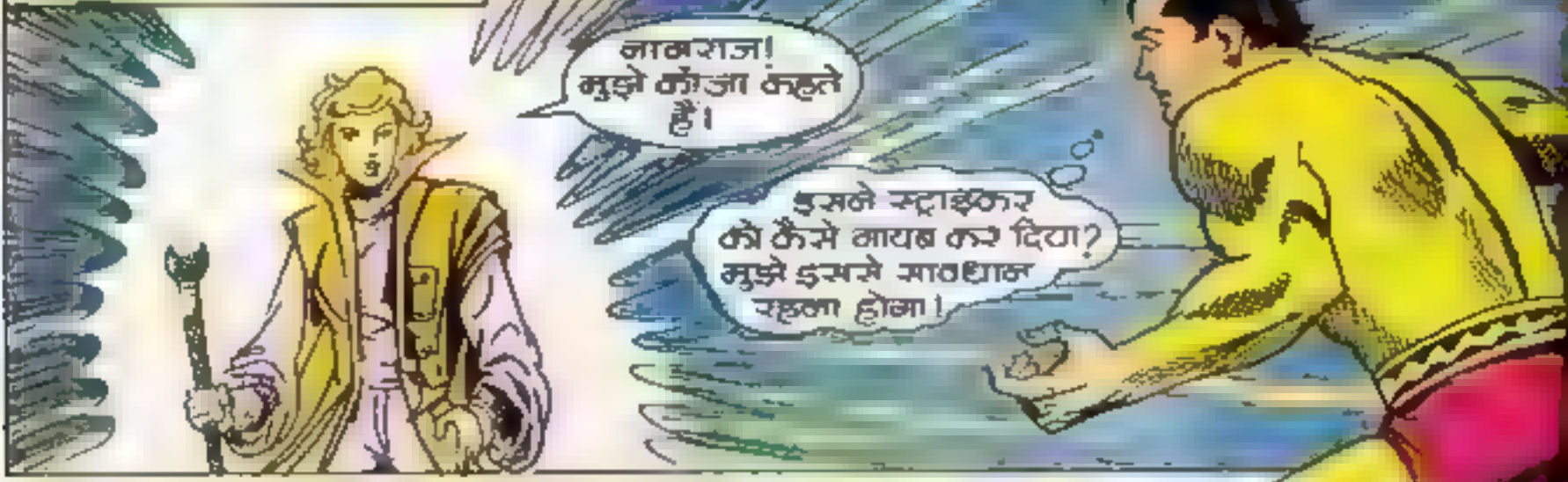
इधर पाइप की मारी वैस जलन होने
के बाद ही नागराज ने छोड़ा उस
पाइप की -

हल्लाहारे की रंगों
में दौड़ता लड़
तक जल करा
होगा।

इसी पल चौंक पड़ी नागराज की आंखें -

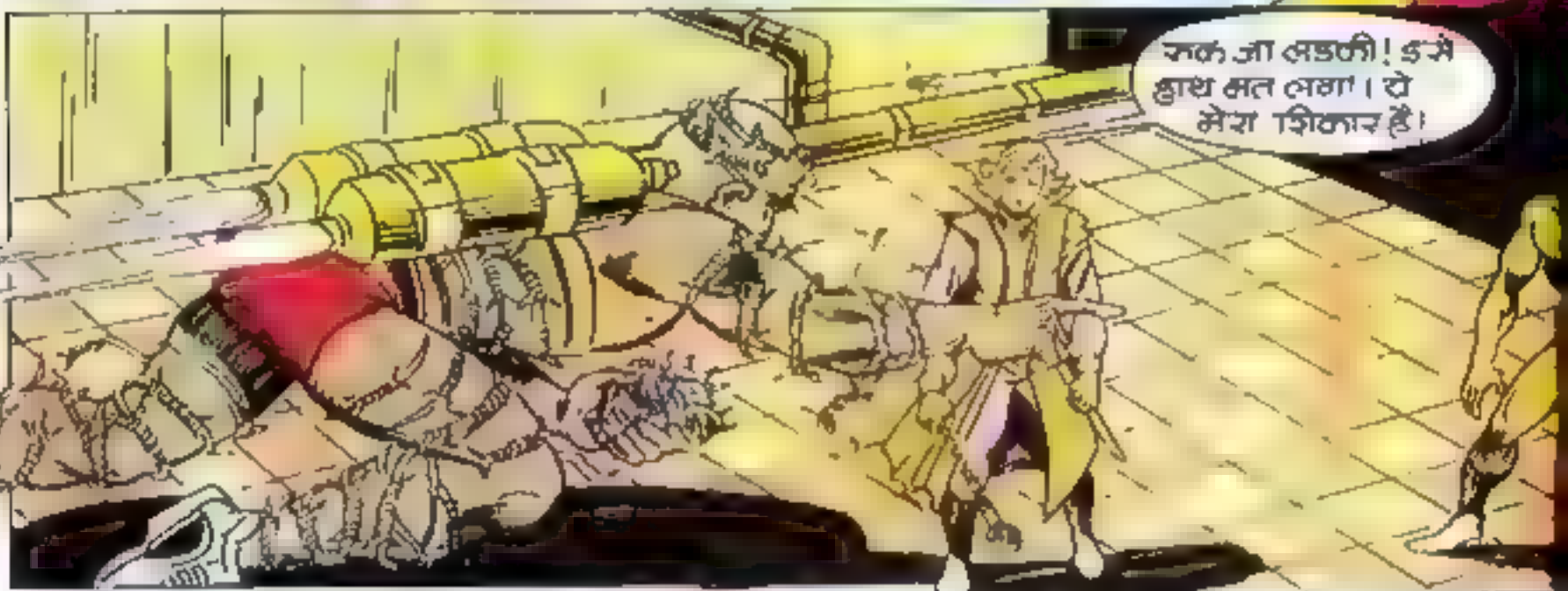
??

स्ट्राइकर सहित कारगु हो गया बर्फ का टीला और पीछे जंगल आई सुन्दर बत्ती -



जाकराज!
मुझे कांजा कहते
हैं।

इसके स्ट्राइकर
को कैसे कारगु कर दिया?
मुझे इससे सावधान
रहना होगा।



रुक जा लडकी! इसे
हाथ मत लगा। ये
मेरा शिकार है।



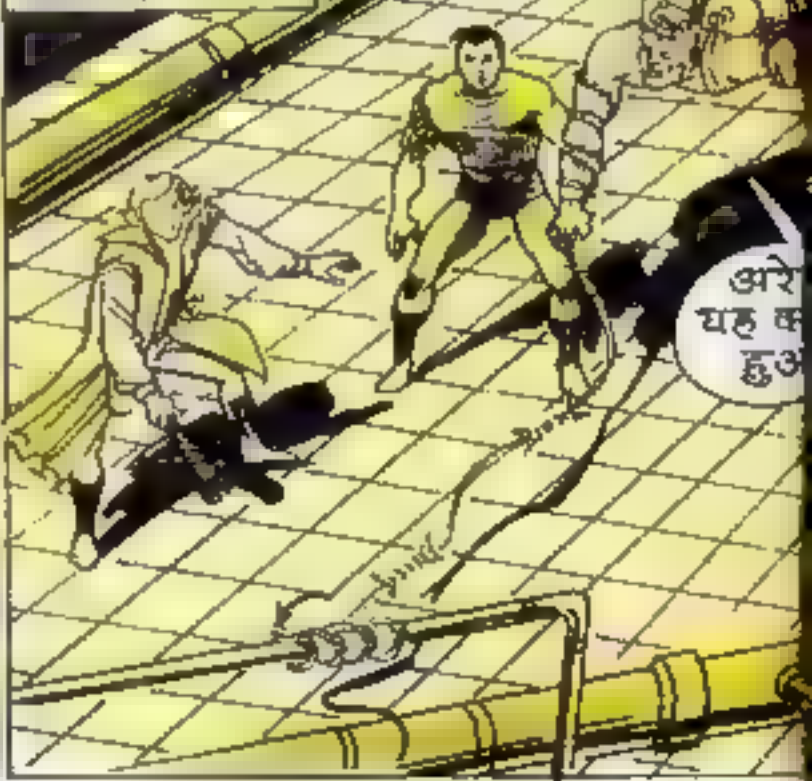
कैसा
करना

कांजा झुक कर बच गई उसके वार से-



कांजा को
बदतमीजी घमण्ड
नहीं बच्यो!

इधर कैसा के हाथ में धमा तार जा लिपटा
उस पाइप पर -



अरे
यह क
हुअ

अबले पल कांजा ने हाथ में धमा
हीक छुआ दिया फोर्सों से -

चौंक उठा नागराज कांजा की शक्ति देख कर -

तुरन्त ही कांजा उसकी
और पलटी और इस
बार उसके हाथों में थी
तलवार -

नागराज तुझे गायब
नहीं करना तुझे हराया
है जिससे शौ मेकर
जुआ जीत सके।

हा हा
हा

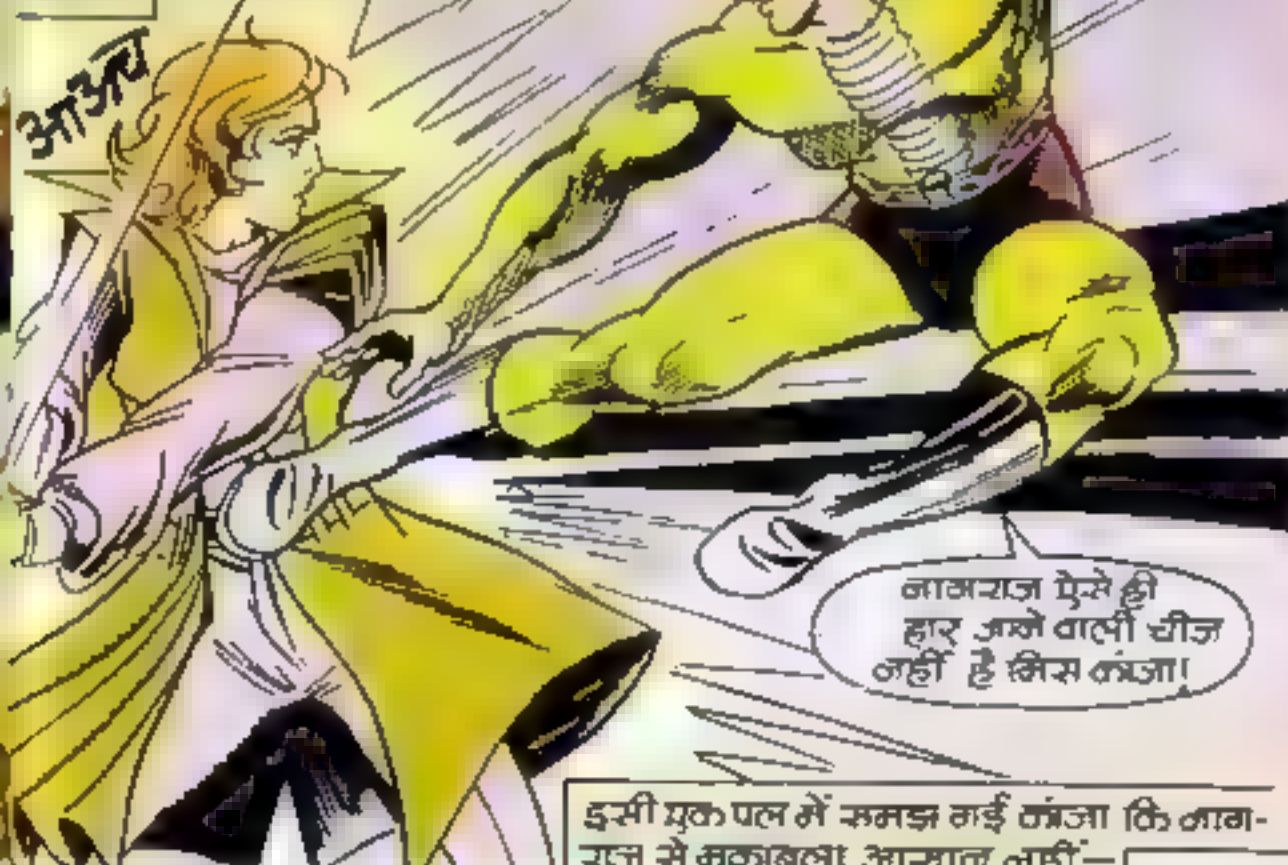
हा हा हा।
बुस्लाखी का यही
दाण्ड देती है
कांजा।

म
रक



नागराज ने नागिर्क फुर्ती के साथ
पतार की ही खुद से छुआने से बचाया,
कि कांजा की भी अड़ी दो ध्यारी सी
शक्ति -

नागराज! अब देखूगी
कि तुझमें बचने की फुर्ती
अपना है या मेरी निक्का
में काटने की।



नागराज ऐसे ही
हार अने वाली चीज
नहीं है किस कांजा!

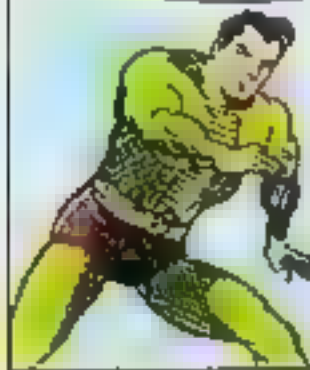
इसी एक पल में समझ गई कांजा कि नाग-
राज से मुकाबला आ-जात नहीं -

जागराज की कलाई से छूटे सपों को गाजर-
मूली के सजावत कजदनी चली गई ॥

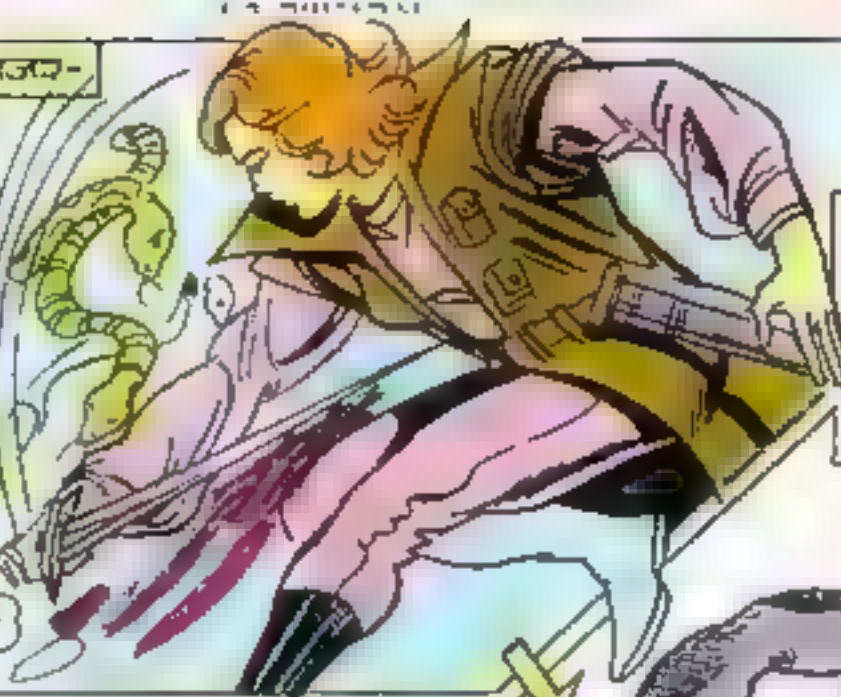
काजा—

हा हा हा हा!

इस हे जुबान प्राणियों को काटने
क्यों से जला है जागराज! खुद
सामने आ, खुद!



ओह!
क्या फुटी है।
तलवार चलाने में
माहिर हैं ये।



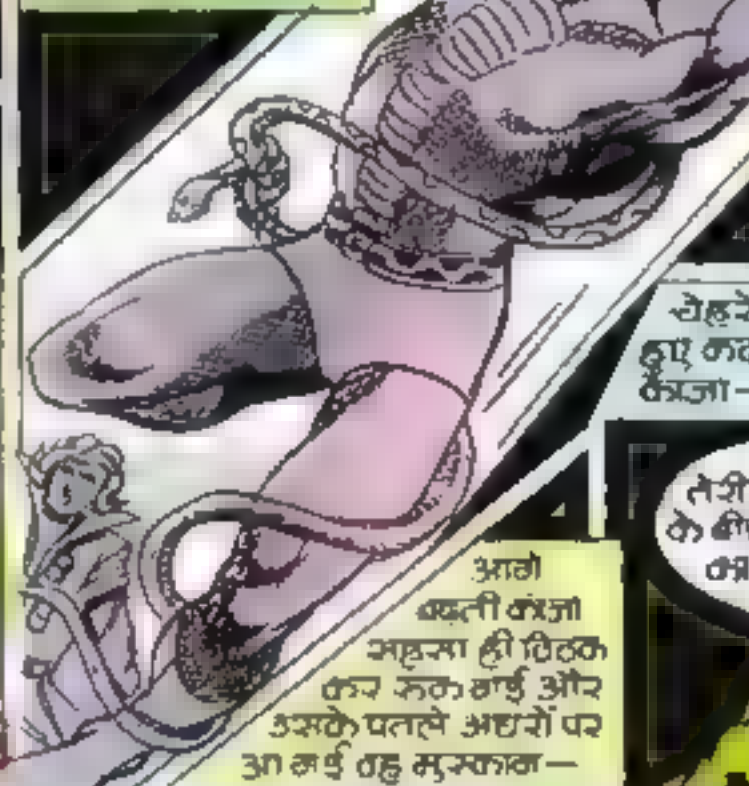
किरजा से शिजाहियां
सी गिरती दूट पड़ी थीं
काजा जागराज पर।
और जागराज को
पसीने छूट गये वार
बचाते-बचाते।

फिर अचानक सेटकराए जागराज के कदम।
और इसी पल खतरे का प्रहसन हो गया
उसे—



यह क्या? मेरा
एक पांव किसी शिकंजे
में फंस गया है।

सर्पशरीर पर उठता
चला गया जागराज—



उफ! एक
क्षण भी निरज
से निगाह हटाने
का मतलब होना मेरे
किसी अंग का कट
कर अलग हो
जाना।

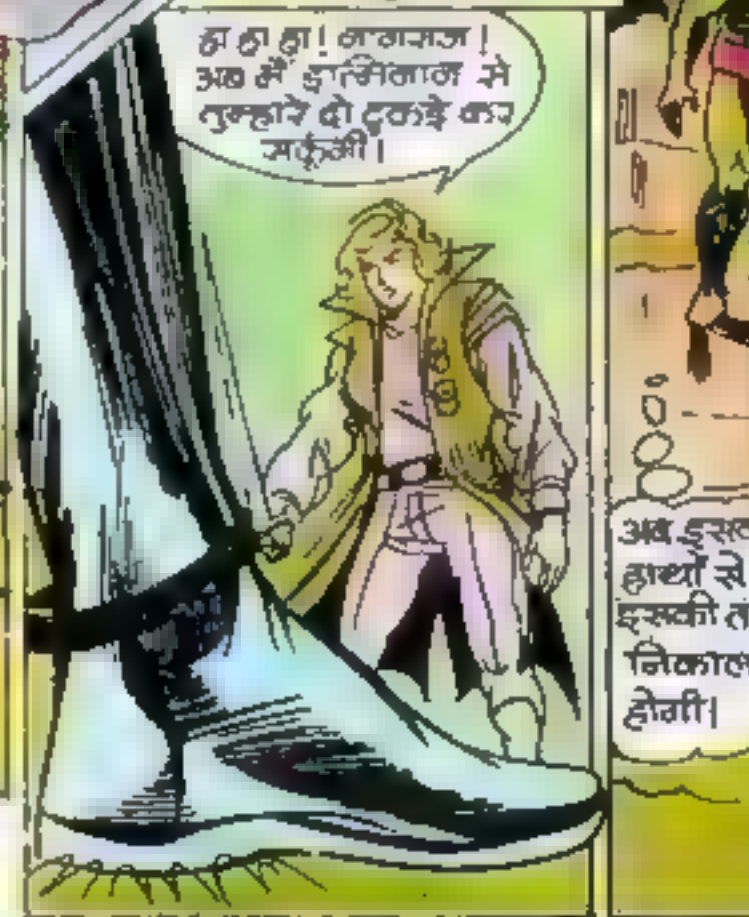
रोहरे पर मुस्कान लिए सही
हुए कदमों के साथ आगे बढ़ी
काजा—

जागराज!
तेरी जिवदगी और मौत
के बीच मेरे कुछ ही कदमों
का फासला यह बना
है।



अब इसकी
हाथों से
इसकी तलवार
निकालनी
होगी।

दिवार से निकल आए रुक शिकंजे,
ने कस लिया जागराज का रुकपेरा।



हा हा हा! जागराज!
अब मैं शिजाहियां से
तुम्हारे दो टुकड़े कर
सकूँगी।

सर्पसैनिक उसकी तलवार से उड़ें और फुलीं से कांजा ने हीरक निकाल ली—

हीरक को भी झपटने के लिये आगे-सर्पों की फुलीं से हीरक छुआकर गांधर्व करती चली गई कांजा—

कांजा! तुझ पर मैं विषफुंकार का प्रयोग नहीं करना चाहता था। किंतु तूने मुझे इसके प्रयोग के लिए विवश कर दिया है।

नागराज! मैंने अपना इरादा बदल दिया है।

विचित्र ढंग से मुस्कुरा उठी कांजा!

नागराज! जोकेकर की निगाहों में तूम मारे जा चुके हो। यह रहस्य अब केवल कांजा जानती है कि तूम ज़िंदा हो। हा हा हा हा!

हा हा हा! अब मैं तुझे भी तेरे सर्प सैनिकों के समान ही काट डूँगी।

इसी पल हीरक को नागराज के कंधे से छुआ दिया उसने—

तरी विषफुंकार भी मरने न छू पायेगी नागराज!

विषफुंकार से बचकर नागराज के ठीक पीछे आ पहुँची कांजा—

भूँक!

काट डूँ गया नागराज का अंशपूर्ण अस्तित्व—

रहस्य से बोल रही थी कांजा की आँखें—

इधर नागराज और उस सूबेसुरत बच्चा की जगह का सजीव प्रसारण देखते जो-मेकर की आंखों भयानक अंदाज में चमकने लगी थी—

मैं जानता था !
मैं जानता था कि कंजा के पास जो शक्ति है उससे नहीं लिफ्ट पायेगा नागराज। हा हा हा। खत्म हो गया आर्य-वाद के सिर पर से नागराज का आतंक।

और अब ये दूसरी स्वास्तबनी मिली उसे—

जबरदस्त स्वागत किया जोमेकर ने—

WEL COME!
WEL COME!
KANJAI!

कमाल हो गया जोमेकर! कंजोड़ों डोलने लगे थे नागराज की जीत पर सबके सब अब हमारी झोली में आ चुके हैं।

गुड।
गुड।

कंजा!
तुमने केवल मेरे ही शत्रु को खत्म नहीं किया। बल्कि सम्पूर्ण विश्व अपराध जगत पर तुमने संहसन किया है।

कंजा! नागराज के क्रोध नेरा विश्व के सूंसार हथारों की डेरा खटौट बगाले का सपना तो टूट गया...

... किंतु आज तुम मुझसे डरो जाओ तो मेरा तो सिंगल कागयाब तो हो सकता है, जिसके लिए जरूरत थी गुडो उन हत्ता में की

इस तरह स्वागत हुई वे खुली प्रतियोगिता में

नागराज और कांजा

जोसेकर! अपने मिशन की सफलता के लिए मैं तेरे मिशन को कमजोर बनाते की चेष्टा भी कर सकती हूँ।

क्यों तुम अपने साथ और अपना मित्र ही बनाओ जोसेकर!

यह कह कर तुमने मेरे दिल से एक बोझ हटा दिया है कांजा।

किर झीरा ही उस शाहदार कक्ष में—

कांजा! अब मैं तुम्हें बताता हूँ अपने उस मिशन के बारे में।

मंजालें क्या किरा जोसेकर को...

...कि दीवार के एक हिस्से के सफाई के बाद वहाँ मजदूर आने लगी एक 16 MM. की स्प्रिंग, और--

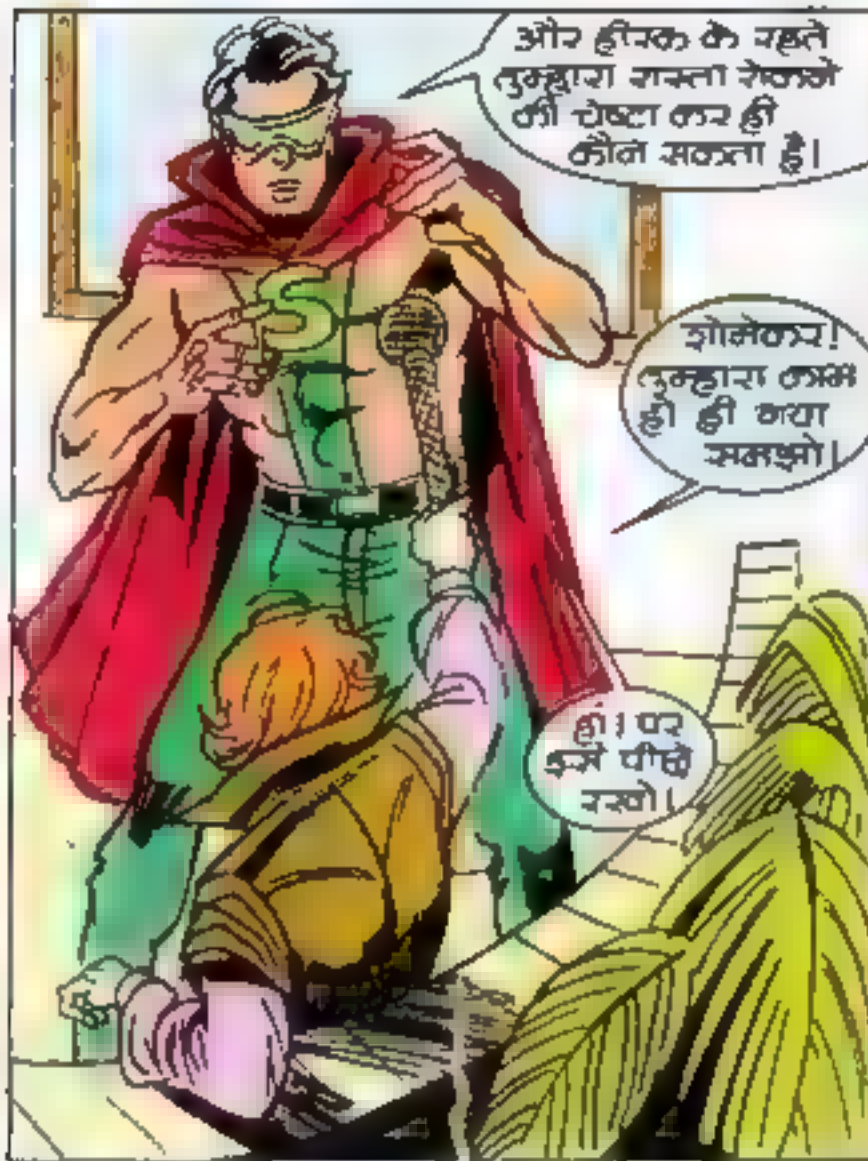
कांजा! इन्हें पहचान लो। ये हैं हमारे देश के सर्वोच्च पद प्राप्त भूतपूर्व प्रेसीडेंट डिमेलो। अगर इन चुनारों के बाद इनका दोबारा गण्यपती बनाया गया

और यही हमारा मिशन है। यानी हमें दो दिन घड़घड़ा साथ ठीक घाँघ बजकर पैंतीस मिनट पर इनको कत्ल करना है।

ओह!

और यह काम तुम्हें करना है। तुम सीढ़ी में जाकर बनाती हुई मीस्टर डिमेलो के निकट पहुँचोगी और उन्हें गायब कर दोगी।

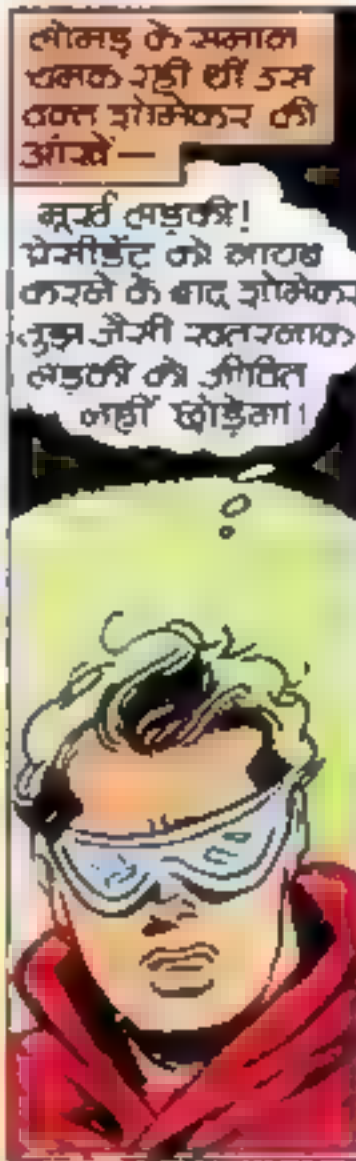
...ठीक इसी क्षण डेथ-स्क्वैड यहाँ छाता बोल्सवार मिकरूरेटी का स्थान भरा कर देगा और उस भगवद् का लाभ उठाकर तुम आसानी से वहाँ से निकल सकती हो।



और हीरो के रहते तुम्हारा शस्त्रा रेखाओं की चेष्टा कर ही कैसे सकता है।

शोमेकर! तुम्हारा काम ही ही क्या सकता है।

हां! पर इसे पीछे रखो।

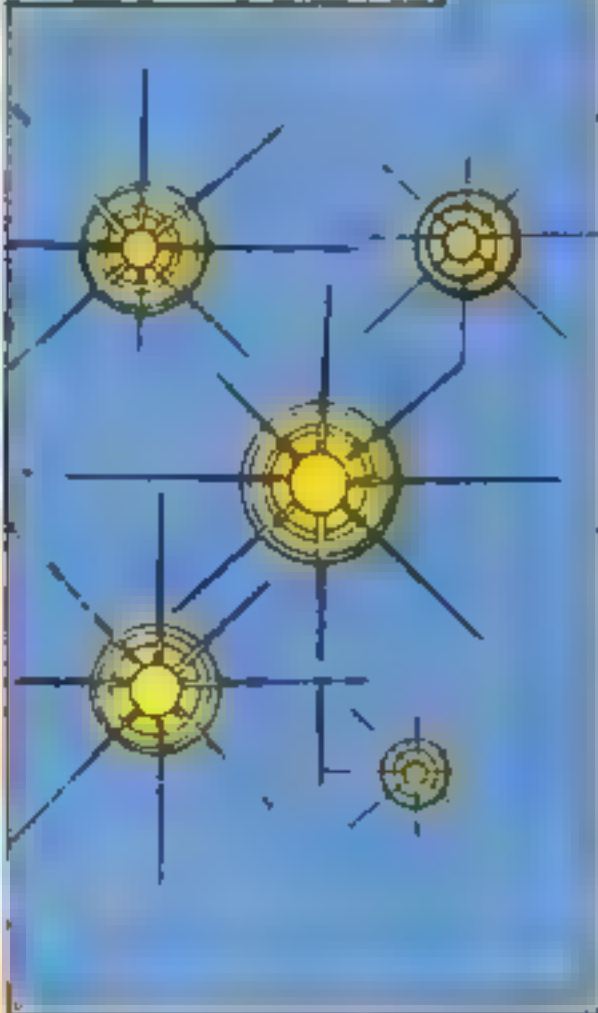


लोमड़ के समान चलक रही थी उस वक्त शोमेकर की आंखें—

बुरी लड़की! प्रेमीडेंट को काट कर ले के बाद शोमेकर कुछ जैसी स्तरलाक लड़की को जीवित नहीं छोड़ेगा।



... जहाँ कोय, अत्याचार, अराजकता, हिंसा और अपराध एक का नाम भी नहीं जानते वहाँ के लोग—



इस ब्रह्म पर कभी मत नहीं होती, क्योंकि हवा में तेजसे प्रकाश पिंडों से उत्पन्न होती रहती है मूल ब्रह्म की शक्ति.



और ऐसे में अब ब्रह्म की शक्ति पर आ पड़ने जोंक व जोंकी।

जोंक मेंदा! ब्रह्म हवा कहीं आ काय ?

पता नहीं, उस कम्बरला ले कहा ला पटक है।

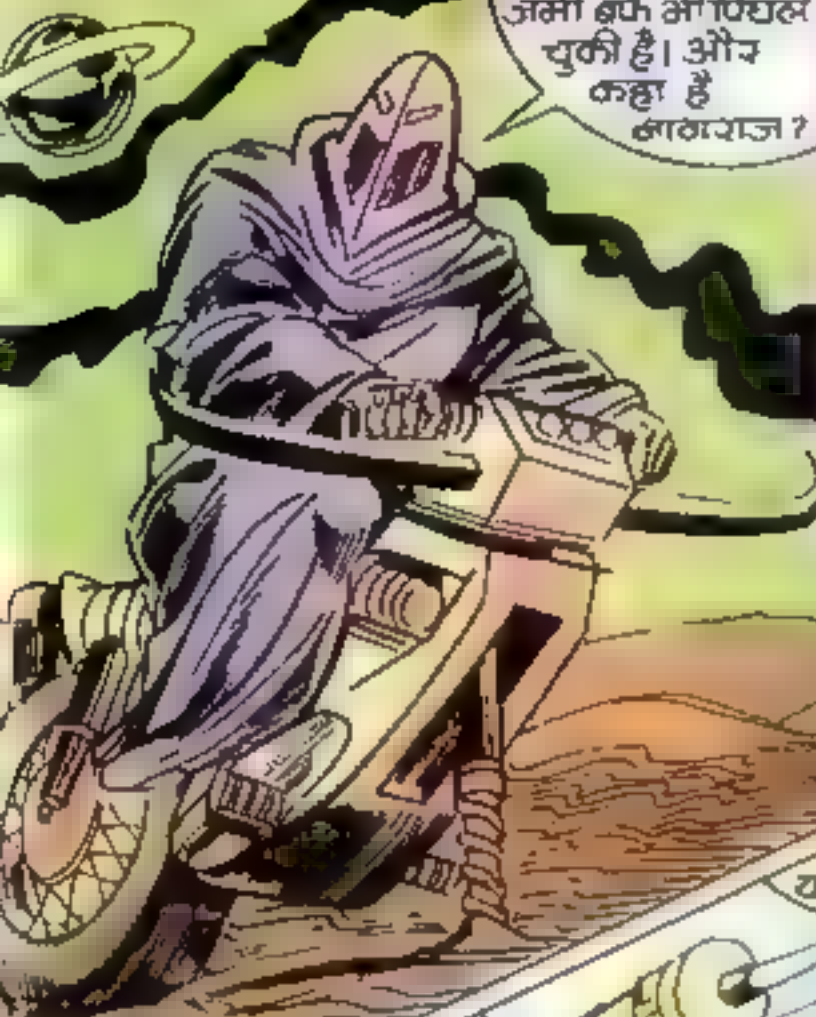
नागराज और कांजा

और ऐसे में जब वह की धरती पर आ पहुँचे स्टाइकर भी-

ओह! यह कहाँ आ पहुँचा मैं। मेरे आस-पास जमी बर्फ की पिघल चुकी है। और कहाँ है नागराज?

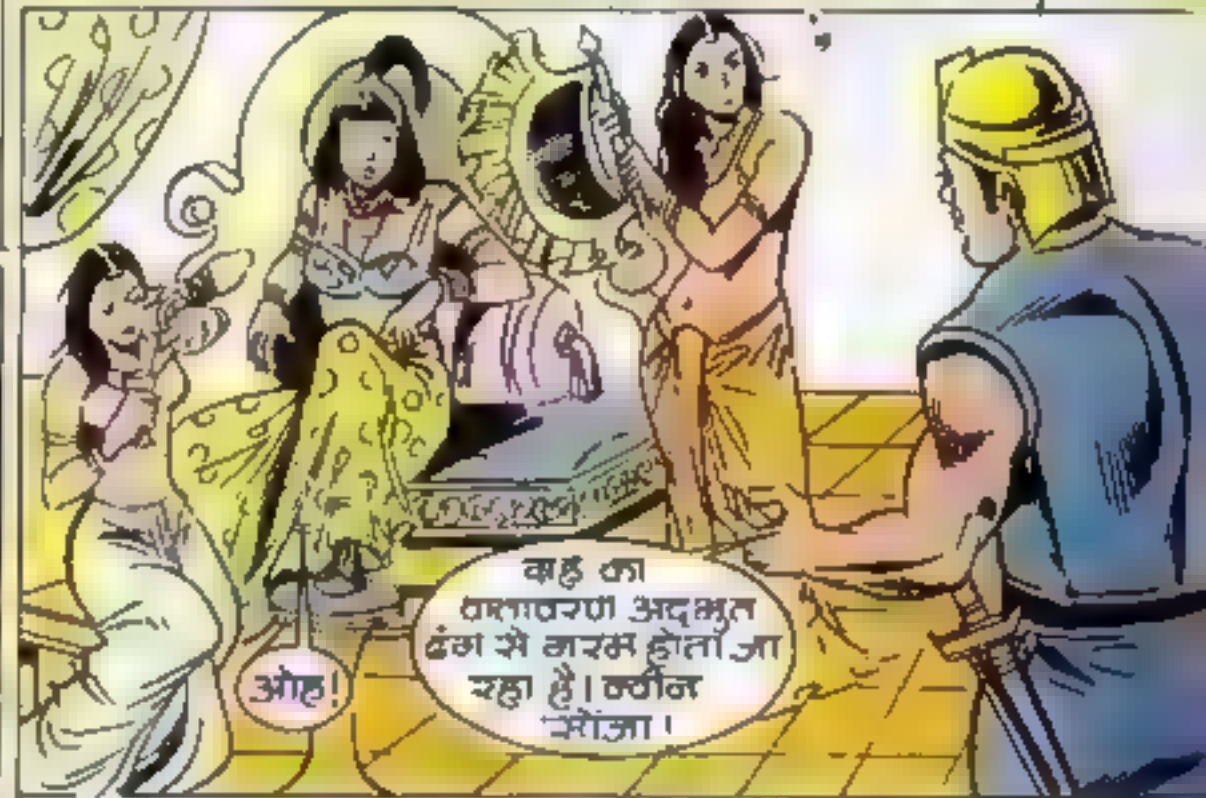
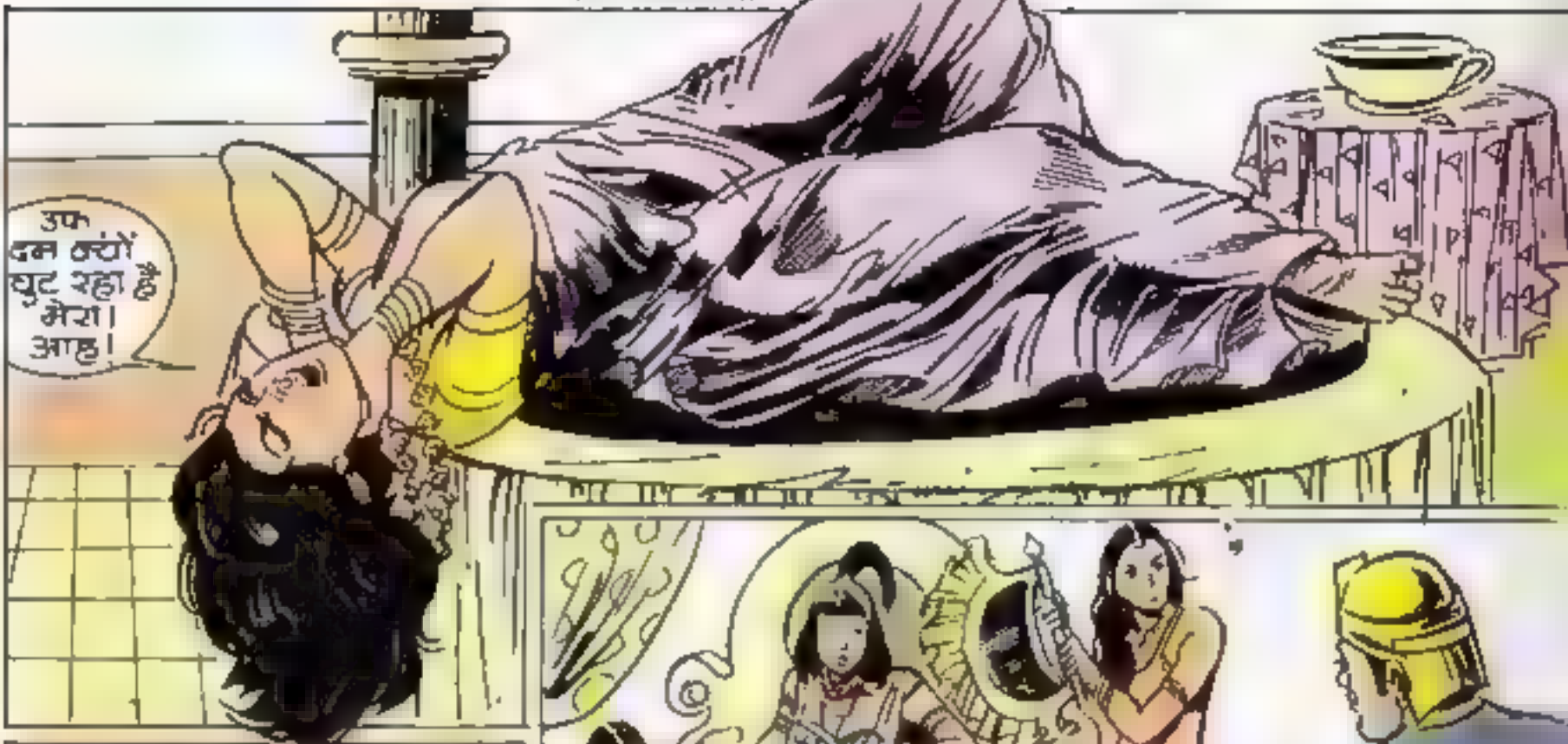
पृथ्वी का एक और इलाका मौजूद था वह के दूसरे हिस्से में-

उफ! कांजा के हाथों काटब होकर यह मैं कहाँ आ पहुँचा?

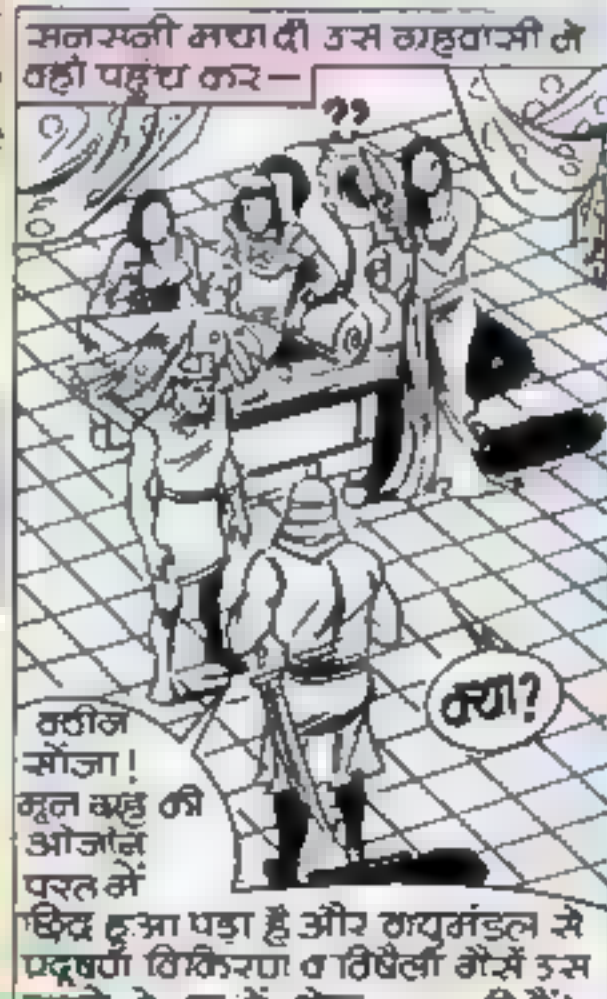


इकट्ठे हो गए पाँचों आर्य-





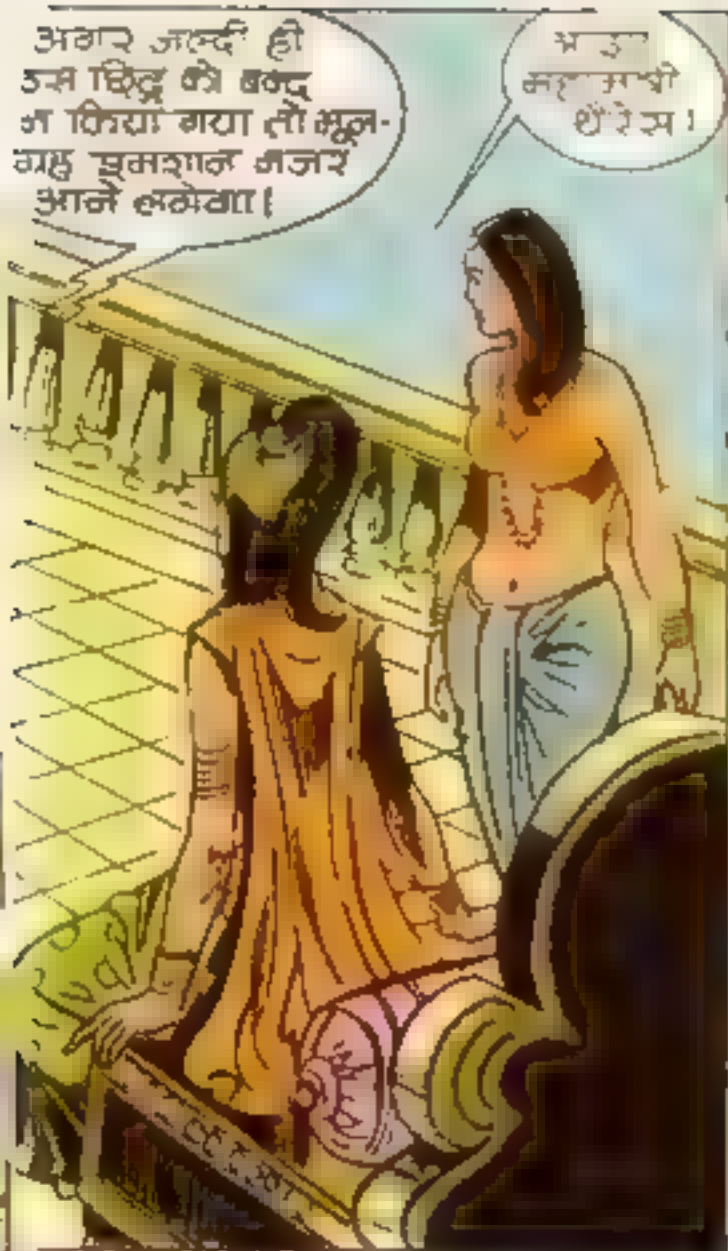
पलायक ही बेहद काभीर होता चला गया कहीं मौजा का चेहरा—



कहीं मौजा! मूल कह की ओजल परत में छिद्र हुआ घड़ा है और कायमंडल से प्रदूषण विकिरण व विषैली मौसम इस



नागावत्र और काजा



अगर जल्दी ही उस हिंदू को बन्द न किया गया तो मूल-ग्रह प्रमथान नजर आने लगेगा।

भडा महामन्त्री धरेस।



सेना कमांडर बकलर को हथार उस स्थान तक पहुँचाने की तैयारी का आदेश दीजिए। हम अभी पहुँचते हैं, उस हिंदू को जो रन ही बन्द करना आवश्यक है।



और उस विडोष कक्ष में पहुँचकर भींचकरी हो उठी कठिन सोजा—

दूसरा हीरक बाण्ड है। हीरक की डाढ़ से ही सम्भट ध मूलग्रह को प्रदूष से बचाने वाले र आवरण में छे, करना।

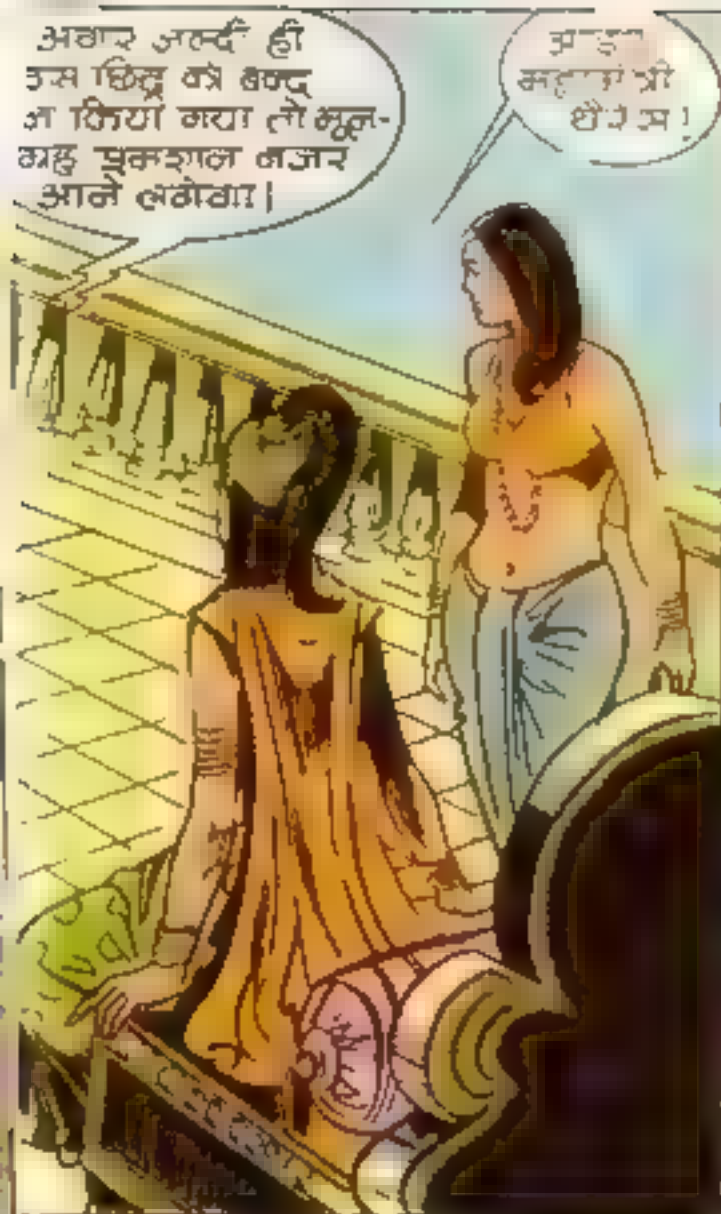
मूल-ग्रह की वहु ओल, इसमें आज तक केवल एक ही अपराधी रहा था, वह खाली थी—

काजा कैद से पसार हो चुकी है। उफ! हीरक को भी वही ले गई है।



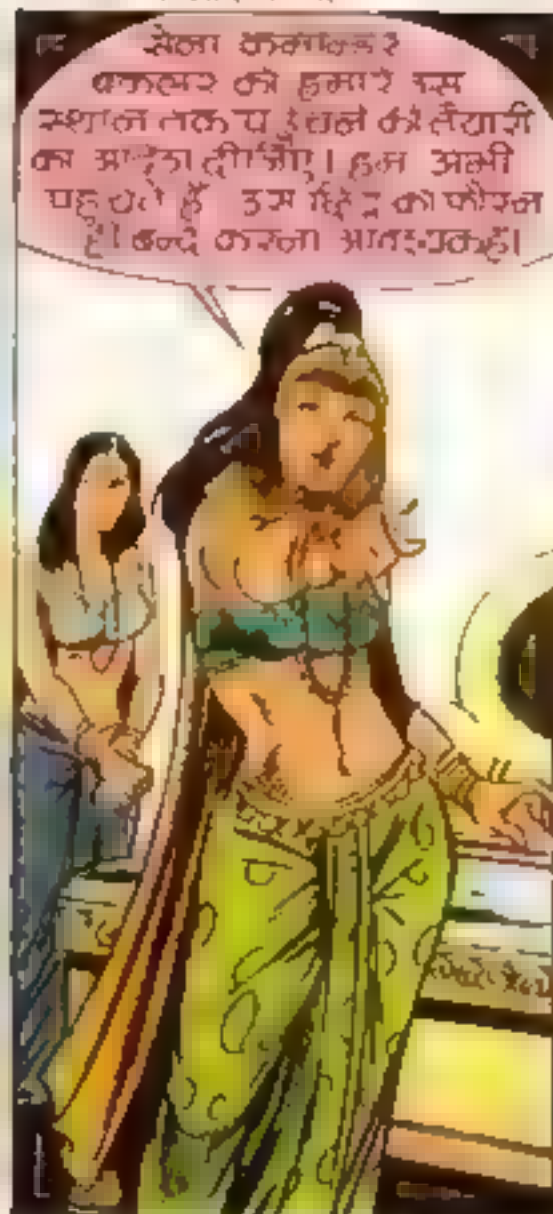
कठिन सोजा के नेतृत्व में उस पक्ष को दस्ता उस हिंदू को बन्द करने के लिए—





अगर जल्दी ही उस छिद्र को बन्द न किया गया तो मूल-ग्रह प्रकाशल नजर आने लगेंगा।

अब कहानी श्री धीरे में!



मेला ककालक? ककालक को हमारे कम स्थान तक पहुँचने के लिये ही का आदेश दीजिए। हम अभी पहुँचे हैं उस छिद्र को पौरन ही बन्द करना आवश्यक है।

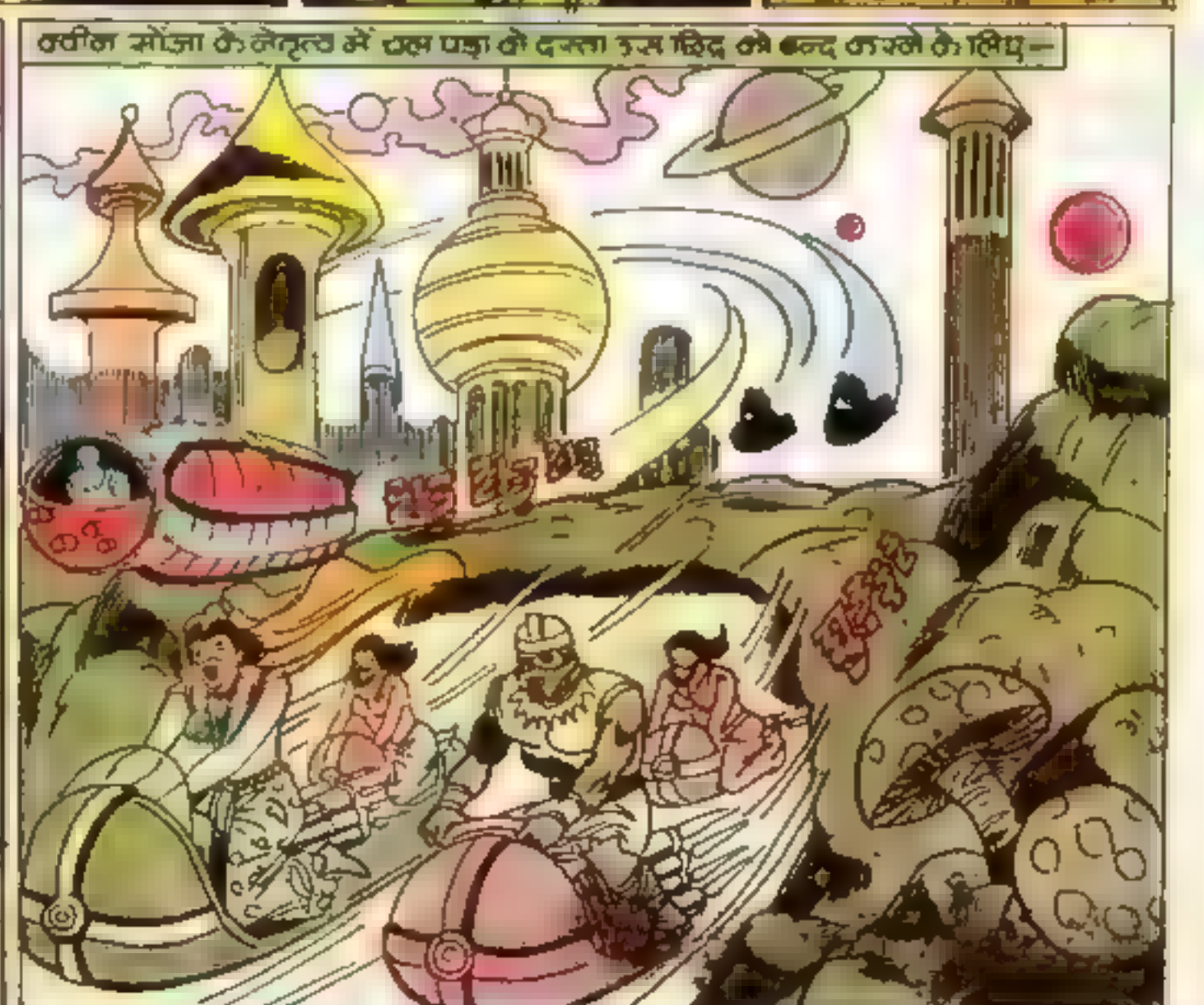


कौर इस छिद्र को बन्द करने में पहुँचकर भीचकरी हो उठी वहाँ सोजा—
दूसरा होरक कायब है।
होरक की शक्ति से ही सम्भव था मूलग्रह को प्रकाश से बचाने वाले आवरण में छेद करना।



मूल-ग्रह की वह ओल, जिसमें आज तक केवल एक ही अपराधी रहा था, अब खाली ही—

कांजा कैद से पसार हो चुकी है। उफ! होरक को भी वही ले गई है।



वहाँ सोजा के नेतृत्व में उस पक्ष के दस्ता उस छिद्र को बन्द करने के लिए—

ग्राह के बाहरी आवरण में छिद होने की बात जंगल में आठ की तरह फैली थी—

कांजाले फरार होने के लिये ओजोन
स्त में छिद्र कर दिया है और इस ग्राह
के आस पास वातावरण इतना अधिक
प्रदूषित है कि प्रदूषण के हमारे वातावरण में
प्रवेश के साथ ही हमारे जिस्म पर कफोले
पड़ने शुरू हो गए हैं।



किंतु अब कठोर सौजा जा रही
हैं उस छिद्र को बन्द कराने।

उत्तर गगर में प्रवेश कर चुके पाँचों शैतानों की आंखों में उस वक़्त
शैतानीयत गगर आने लगी, जब —



उफ!

करोड़ों में
होती इसकी
कीमत।

आह!

???

कैसे बड़े-बड़े समकदार व
आलीशान हीरों से लदी हैं
यहां की स्त्रियां।

अरखों भी
हो सकती हैं।



लेकिन ये हमें
क्या हो रहा है? हमारे
जिस्म में जलन क्यों
मच रही है?

गोली मारो लड़कने
को। और लूट लो
जितने चाहे हीरे।

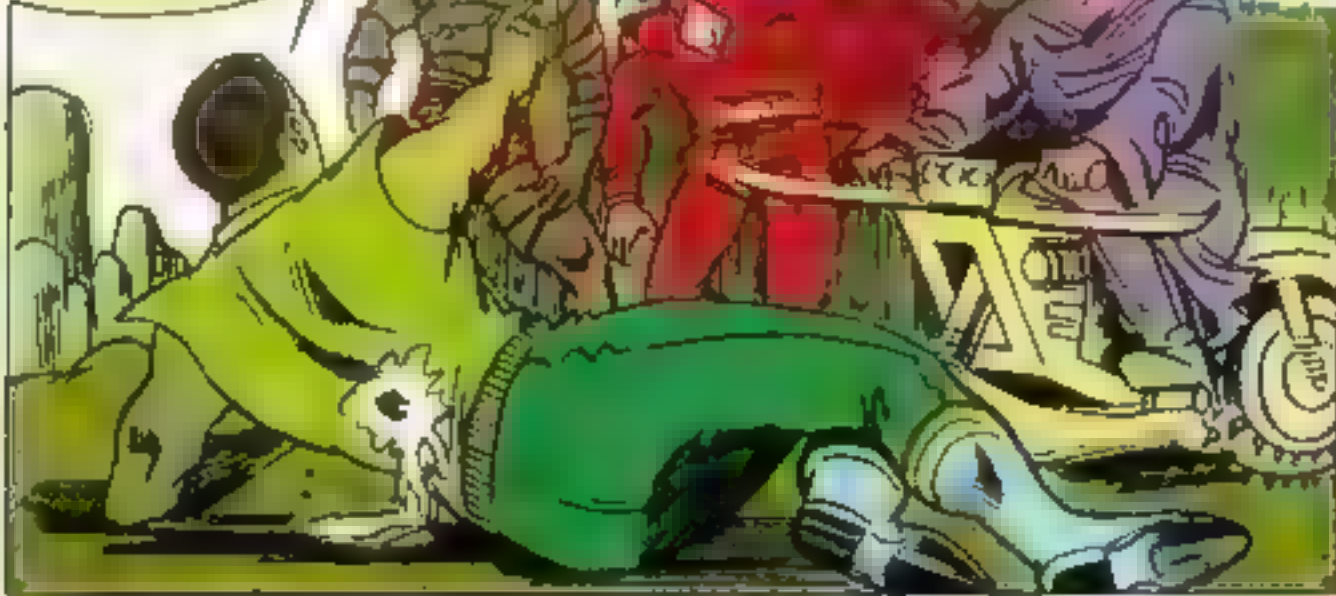
ओछार ठीक
हला है। फफोले
डूपाज लो बाद
में भी हो
लाएगा।

पुल ठेका से आने बड़ी स्ट्राइकर की
अनोखी स्त्री-बाइक, वो कैसी
भी जमीन पर फरार के समान
दौड़ सकती थी—

हा हा हा। लाखों डॉलर लो
अब पता नहीं मिलेंगे या नहीं,
पर ये करोड़ों का माल हाथ
से नहीं आने दूंगा
मैं।



झोलाओ! कहीं सोंजा
बाहु के इस हिंद को बंद करने
जा रही हैं जिससे तुम भीतर प्रवेश
तो कर आओ। किंतु अब भीतर
बाहर नहीं निकल पाओगे।
क्योंकि इस हिंद के बंद
होते ही तुम हमेशा के लिए
यहां कैद होकर रह
जाओगे। आह!

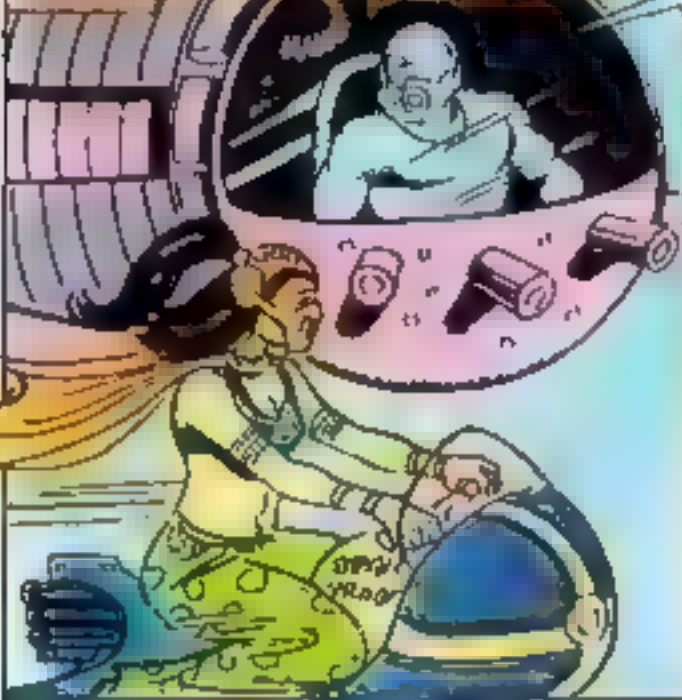


तीनों के जिस्मों की रक्त उस
से झोलाए गए फूटने लगी रक्त
सुनकर -

वह हिंद भरने से रोककर
होगा कहीं सोंजा को, कहीं
कि अगर वह हिंद भर सा
तो हम यहाँ से बाहर नहीं
निकल पाएंगे और इतनी
विनाश दौलत हमारा
कफल बन जायेगी।



इधर जैसे जैसे आगे बढ़ रही थी कहीं
सोंजा -



क... कहीं सोंजा! जैसे-जैसे हम आगे
बढ़ रहे हैं प्रदूषण मापक यंत्र पर प्रदूषण
की मात्रा बढ़ती आ रही है।

लक्ष्मी उस दृश्य देखकर वह शत उभर
आई कहीं सोंजा की आँखों में -

उफ! सोंजा कसाफ़ बकलर! अपने
वाहल की गति बढ़ाओ। अगर दूसरों
से एक को भी कुछ हो गया तो मैं खुद
की कभी माफ नहीं कर पाऊँगी।

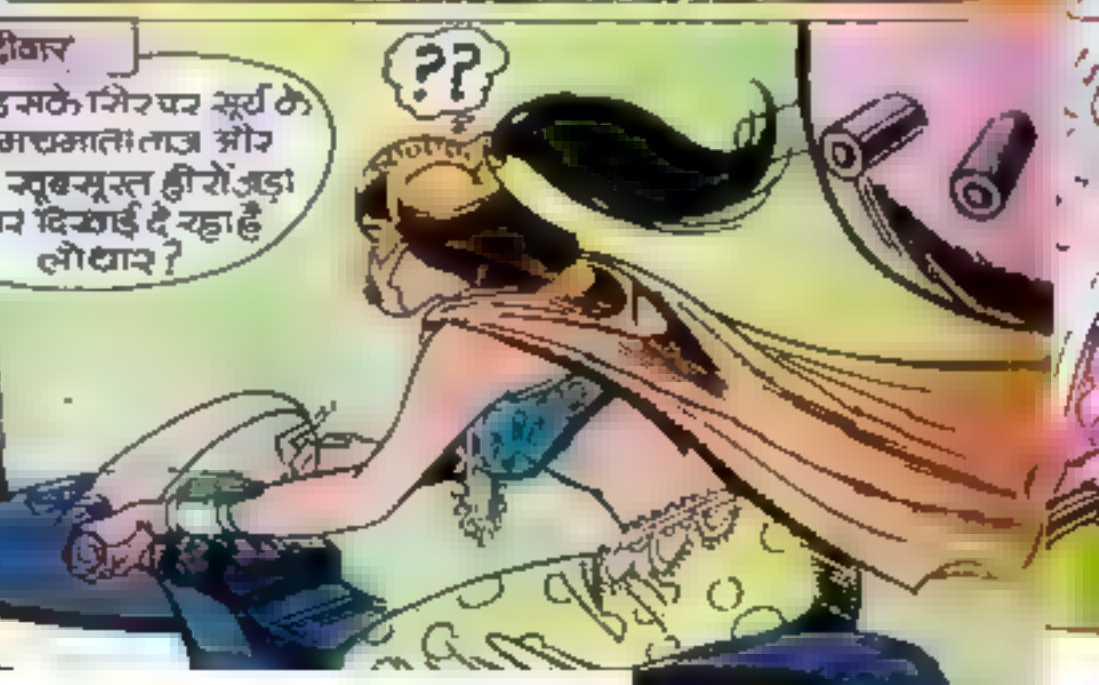
यह वाहल की
अधिकतम गति है
कहीं सोंजा!



किंतु तभी उन्हें रुक जाना पड़ा क्योंकि सामने ही दीवार
बनकर खड़े थे वो तीनों शैतान-

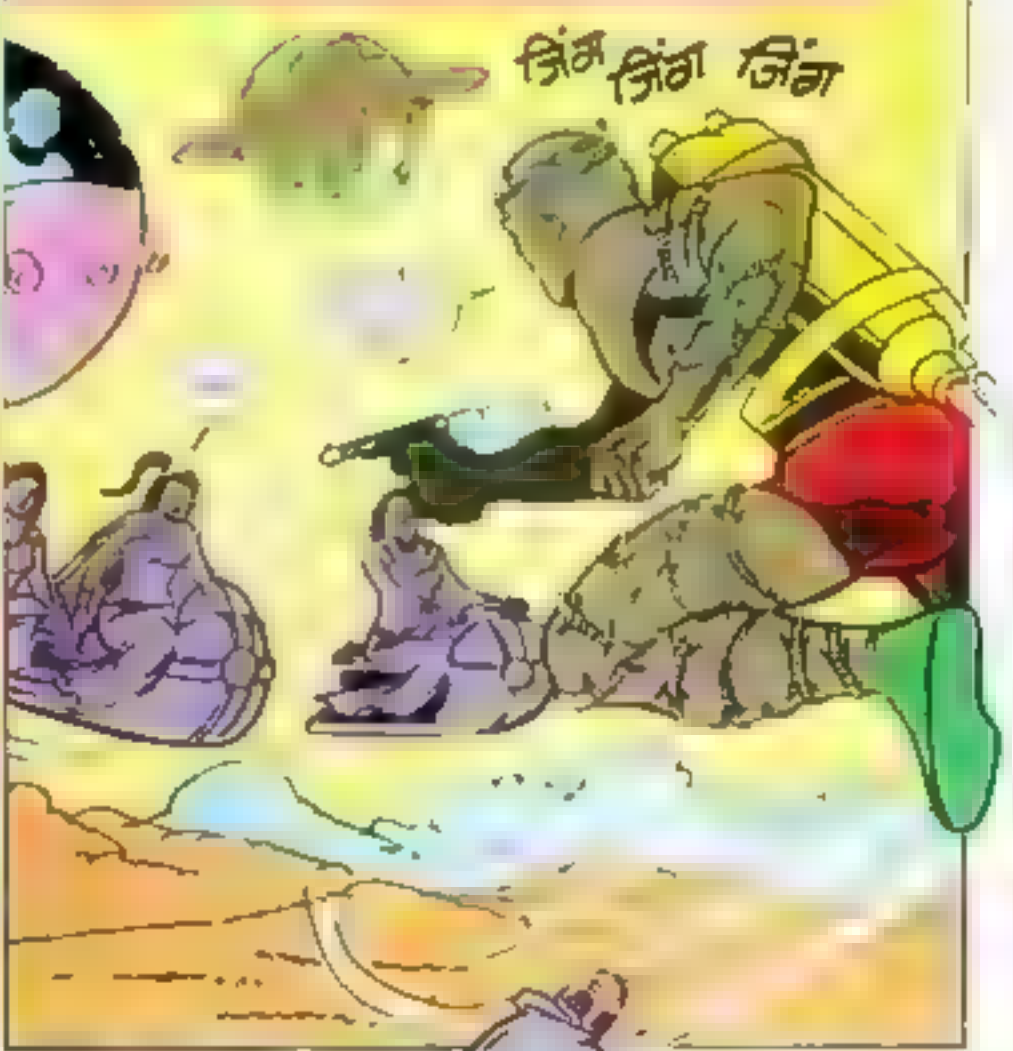
तो तुम हो
कहीं सोंजा!

तुम्हें इसके भीतर पर सूर्य के
समाल चमकता तारा और
गर्मे में वो सुबसूत हीरो जड़ा
जड़क कर दिखाई दे रहा है
लो धार?



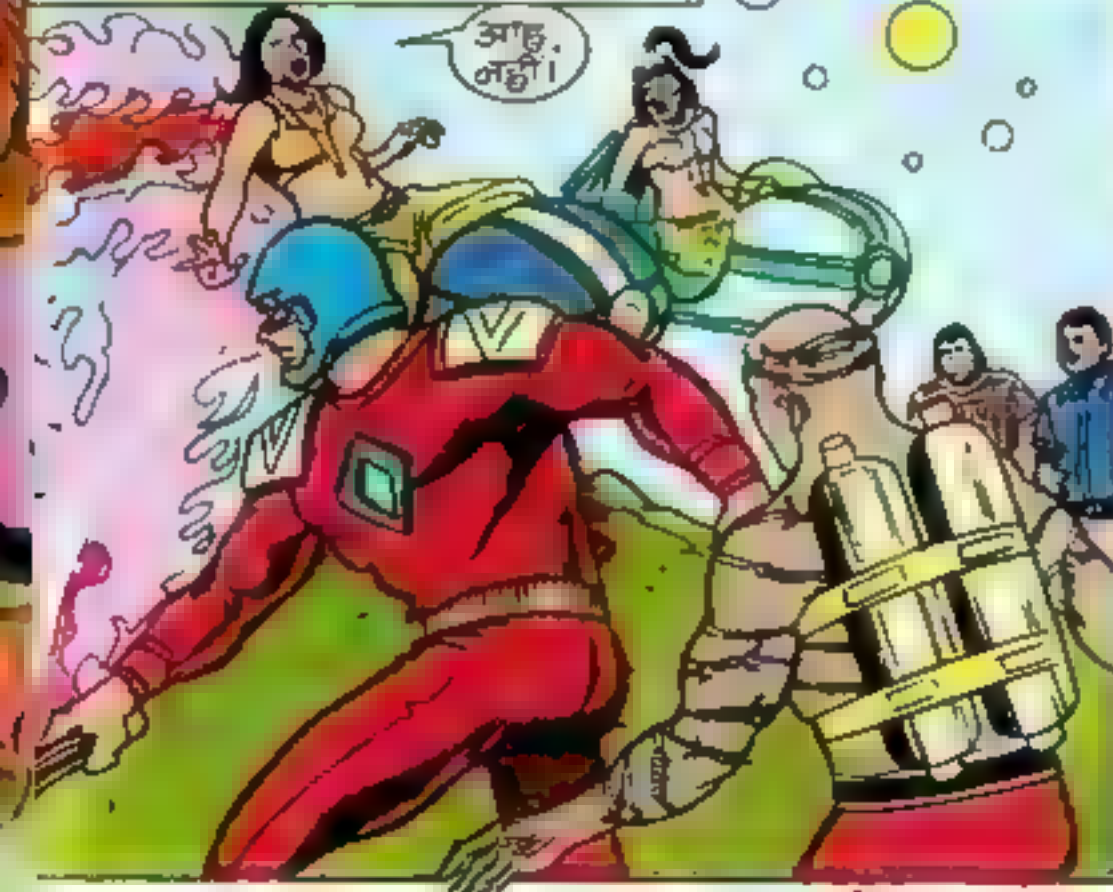
मैं की कम हुरकत से कुछ ही उठी थी वहीं गा...

जिंम की कम से धुंने शोले ले वहां भगदड़ मचा दी—



लोधार व जौन-जौनी की जड़े ल रहे थे—

आंखों से शोले बरसते हुए चीख कर आदेश दिया वहींल मौजों—



हुट्स
हुट्स



उस विशेष ठाँव पर
सवार बहुरालीकला
सैना कलामंडर
बकलर और -

बकलर!
इसे जीवित
नहीं छोड़ेंगे
जहाँ
सोंगा!

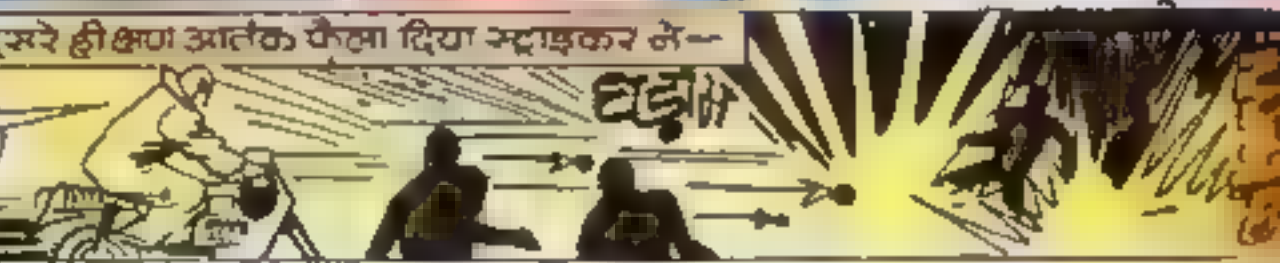


और उछल पड़ा लोथार-

तुम्हारी वजह से
कूलगाह पर लबाही
हो सकती है डीताऊ!
तुम्हें इसी ही समाप्त करना है

आगे बढ़े लक्ष्यारबाज और दूसरे ही क्षण आतंक फैला दिया म्दाइकर ने-

लक्ष्यारों की शक्ति
से कुकाबला करीबो खोली-
बाकल कर। हा हा हा।

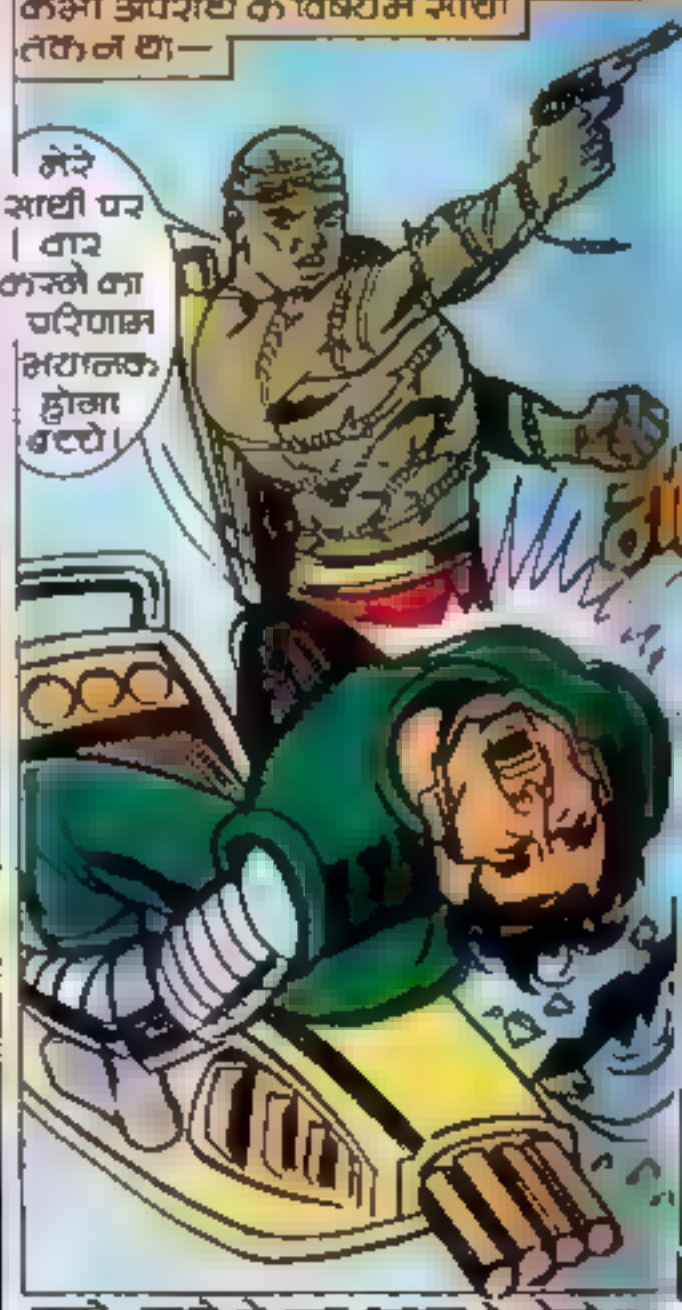


हड़क

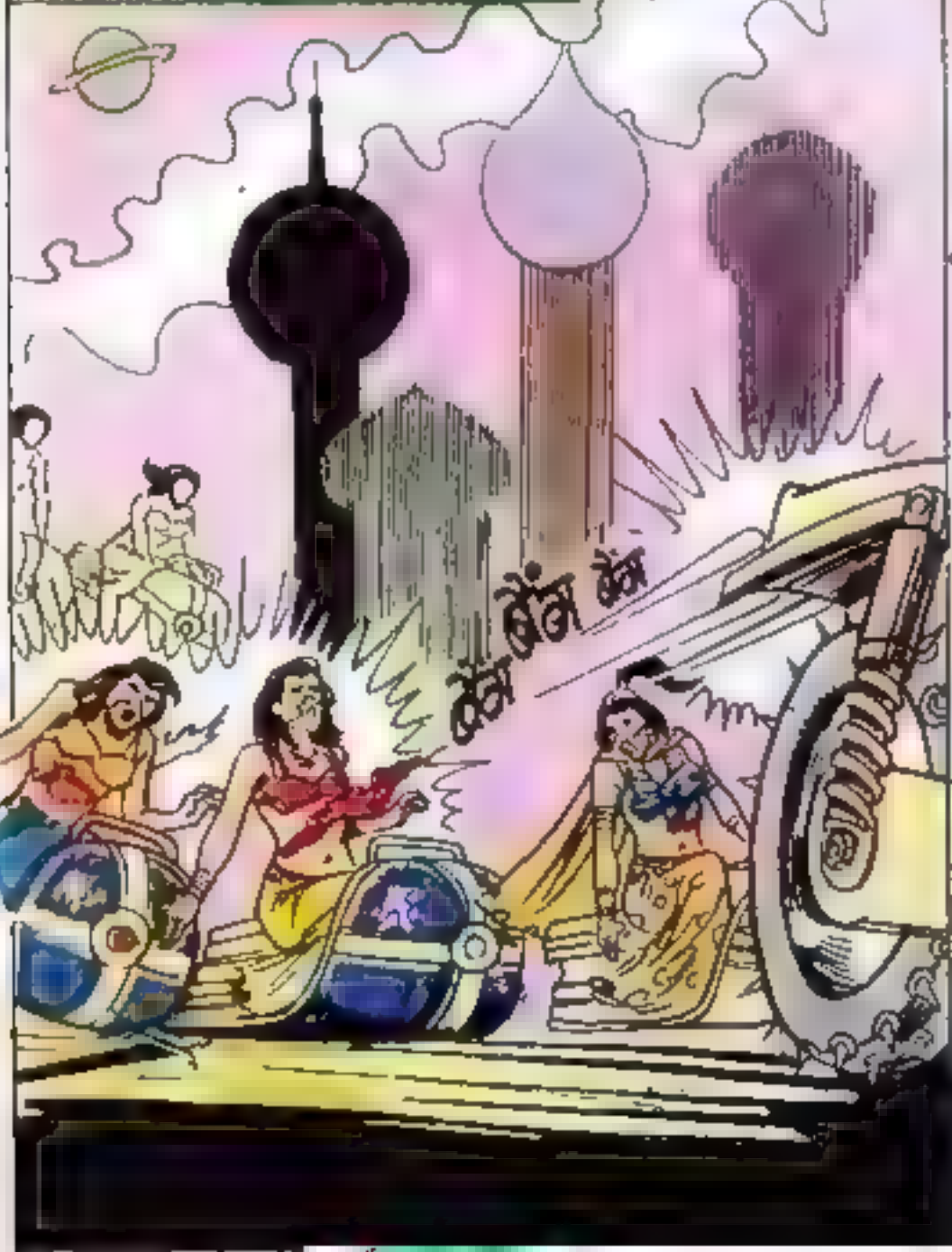
रकी-हाइक से छूट पड़े मौल के झोले-

मूल से रोक नहीं थी वो धस्ती! जहाँ किसी
कभी अपराध के विषय में सोचा
तक न था-

मेरे
साथी पर
वार
कल्ले का
परिणाम
भयानक
होका
बट्टे।

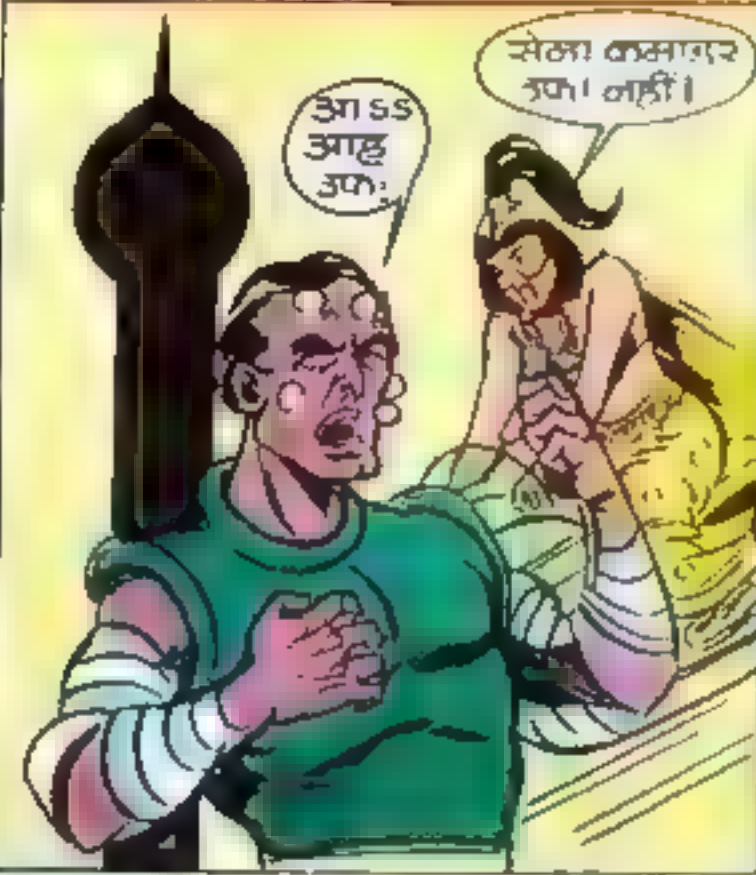


दुकड़े-दुकड़े हो गया बकलर के चेहरे पर
लगा प्रदूषण कायक-



रकी-हाइक से छूट पड़े मौल के झोले-

अगले ही पल उसके कंठ से चीखें उठने लगीं—



आ SS
आह
उफ!

सेला कसावर
उफ! लगीं।

पूरी डाकिले के साथ शस्त्र का फिर काट लाने को
करीब सौजा की लम्बाई घूमी, फिर—



हा हा हा! वह छिद्र अब तो
कभी बन्द न कर पायेगी करीब
भी जा। क्योंकि अभी हमें यहाँ
से बाहर जाना है।

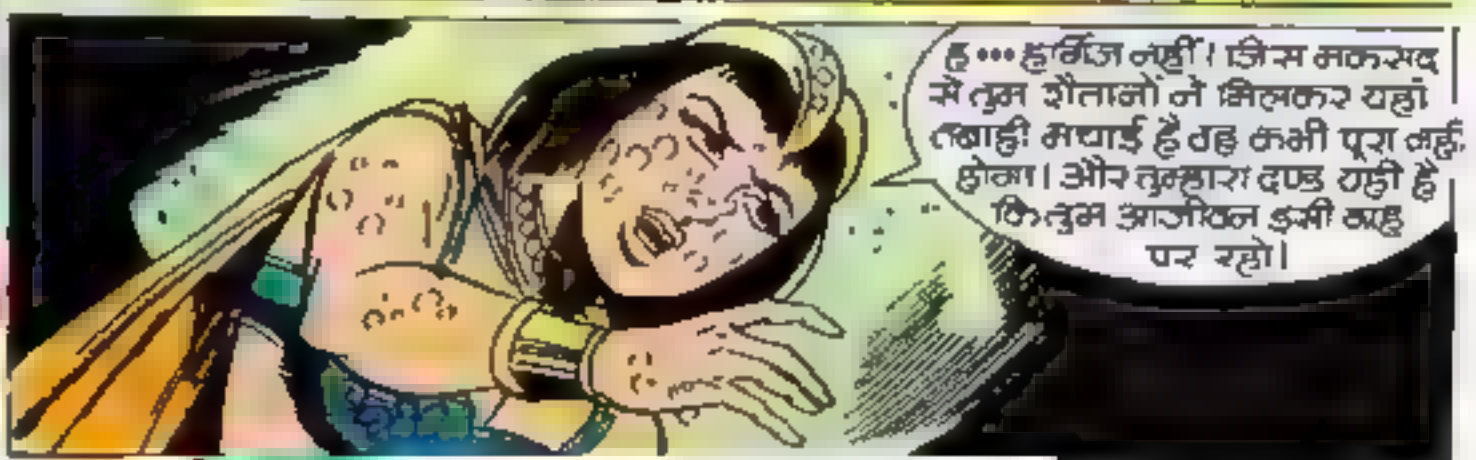


लड़क उठी
करीब सौजा—

हा हा हा!
स्ट्राइकरों से लोग
यहाँ बढ़ रहे प्रदर्शन को
सह नहीं पा रहे
हैं।

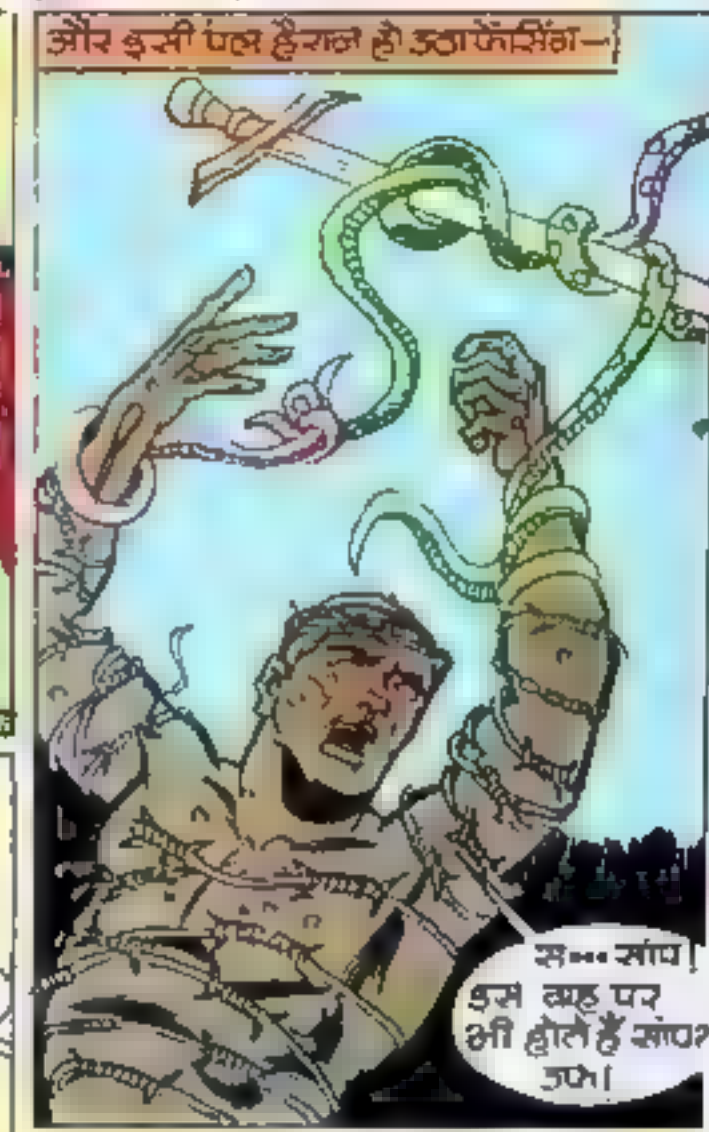
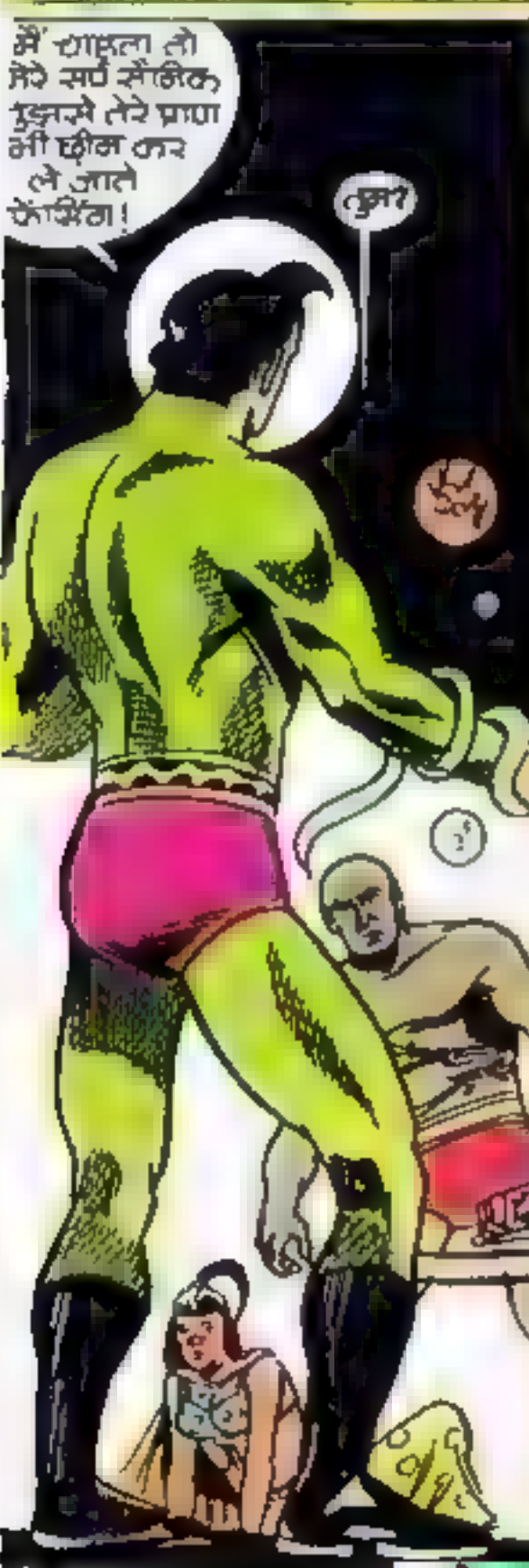
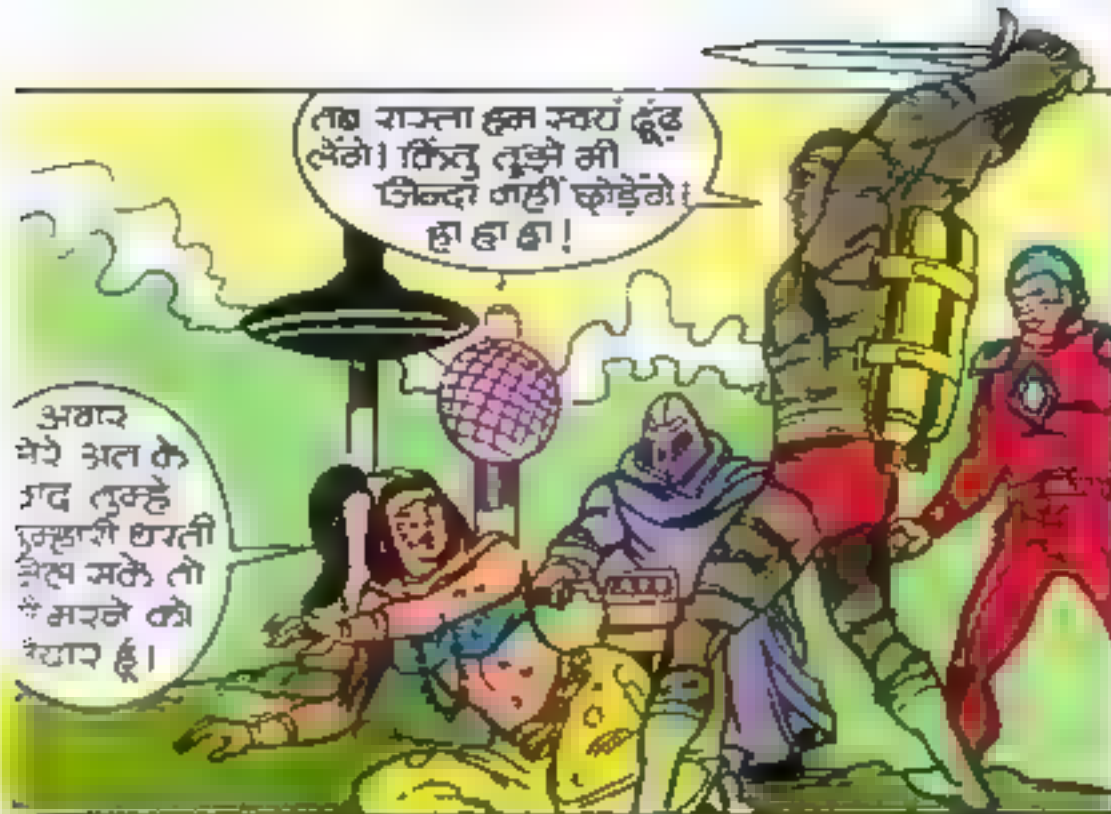
आह!

करीब सौजा, अगर तुम
अपनी और अपने ब्राह्मणों
की घण्टा बजा करोगे चाहुसी
हो तो पहले हमें यहाँ से
पृथ्वी पर भेजने का
रास्ता दिखाओ।



ह... हर्षित नहीं। जिस मकसद
से तुम शैतानों ने मिलकर यहाँ
लगाई मचाई है वह कभी पूरा नहीं
होका। और तुम्हारा दण्ड यही है
कि तुम आजकल इसी तरह
पर रहो।

जि की भीषण लपटों
शुष्क करवा करीब
का मास्क—



तब रास्ता हम स्वयं ढूँढ लेंगे। किन्तु तुझे भी जिन्दा नहीं छोड़ेंगे। हा हा हा!

अगर मेरे अल के मद तुम्हें लुहारी धरती देस सके तो मैं मरने को तैयार हूँ।

मैं चाहता हूँ मेरे सपने सैलिक, तुझसे मेरे प्राण भी छीन कर ले जाते कैप्टेन!

क्या?

नागराज!

तुम अपनी हस्तियों से यहाँ भी बाज नहीं आए तो मुझे ये हस्तियाँ कसली ही पड़ी।

अह! तो ये लुहारी हस्तियाँ हैं।

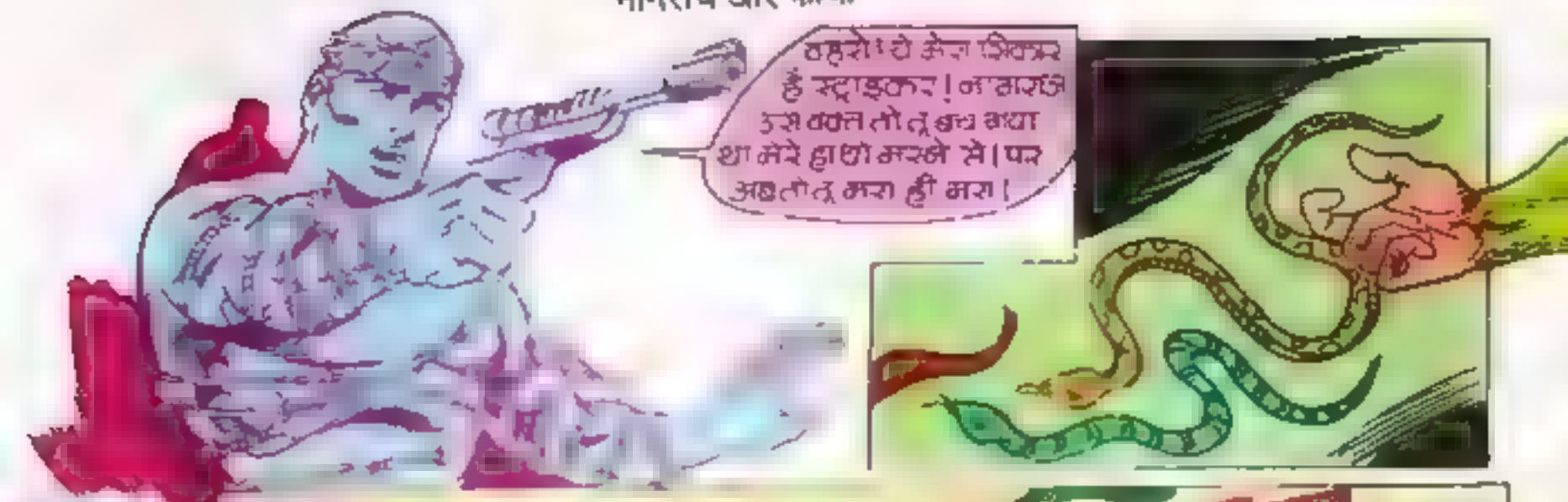
आह!

जलील जोजा। मेरा नाम नागराज है। लुहारी धरती पर अब और अधिक लड़ाई व बर्बादी मैं इन्हें नहीं फैलाऊँ दूँगा।

ज... नागराज

नागराज ने एक सत सैलिक का मानक सौंप दिया जलील को-

नागराज और काजा



लाकराज के साथ बेहद ऊंचाई पर
जड़ रहा था पैसाँक —

जरा सोच, लाकराज कि अब इतनी
ऊंचाई से गिर कर तेरी हड्डियों का
क्या हाल होगा ? हा हा हा।

हा हा हा।
पैसाँक उसे
समाप्त करके
ही लौटेगा।



अह! इस
कटीली तार के काँटे
मेरे हाथों में धंस चुके
हैं और अब ये तार की
इच्छा देख कर मुझे
बिगलने का प्रयास
कर रहा है।

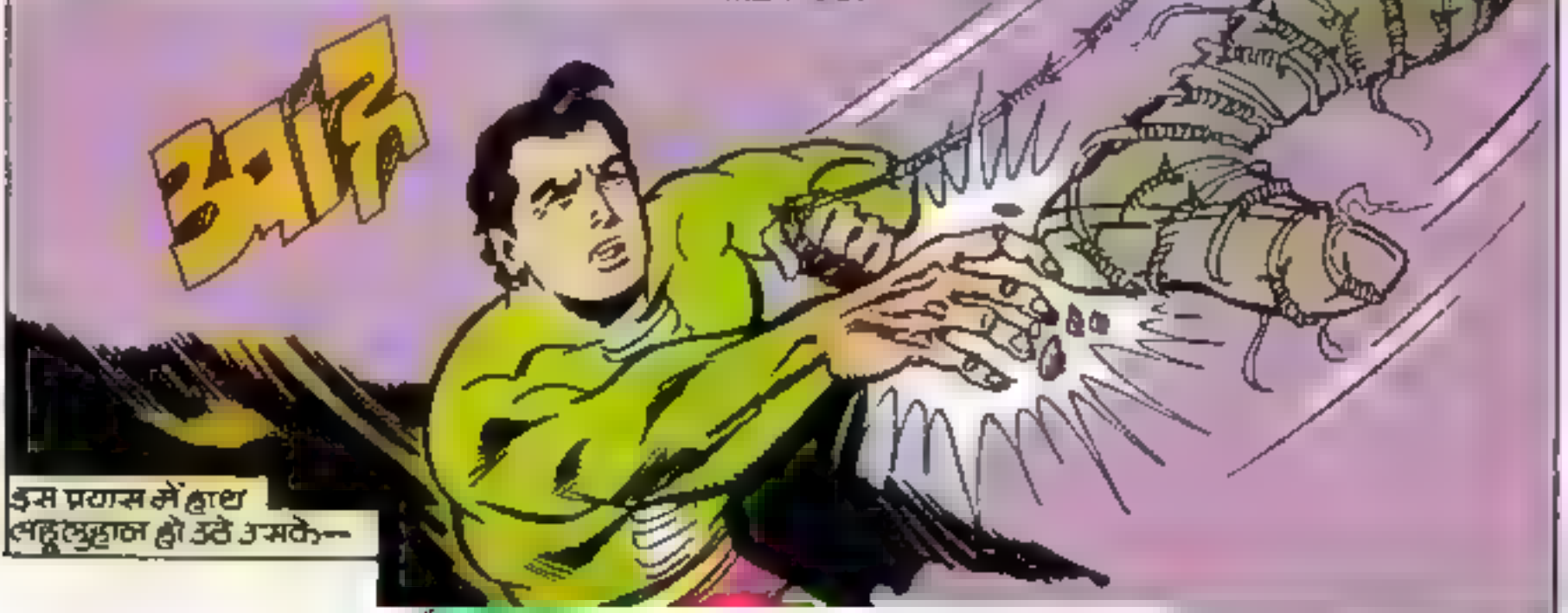


इसके
बदन पर
कोई ऐसा
स्थान दूँगा जो
सर्प सैनिकों के प्रयोग
के बाद इसकी हार
और मेरी जीत
निश्चित कर सके।



लाकराज के चेहरे पर भरपूर ठोकरें
जड़ रहा था पैसाँक —

उसकी ठोकर को पकड़ने का प्रयास किया लाकराज के किंसु —



आह

इस प्रयास में हाथ
सहजसहज ही उठे उसके—

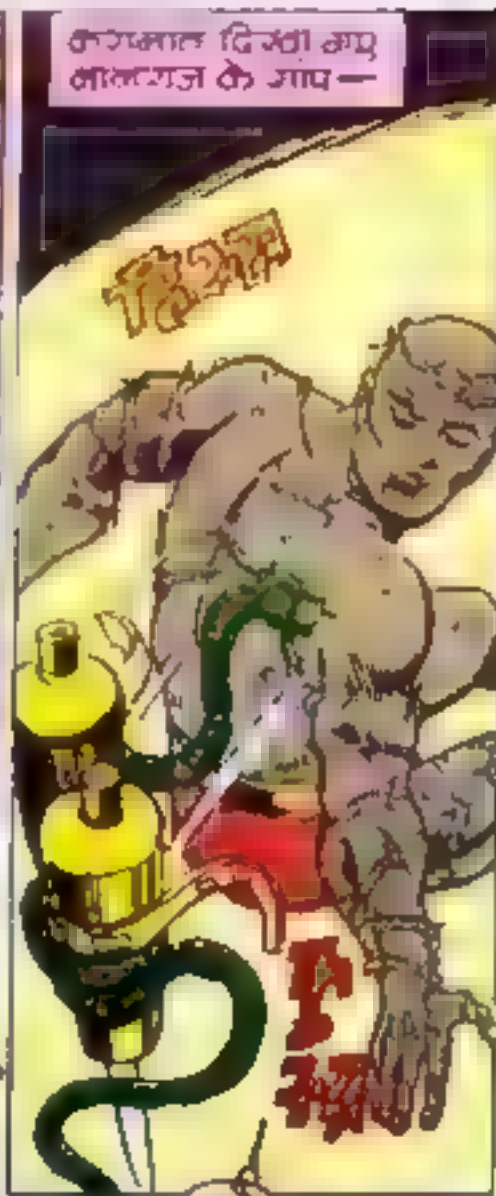
और तब नागराज के
किया वह सिन्धु—

कण्ठगत दिखी काबा
नागराज के गाय—

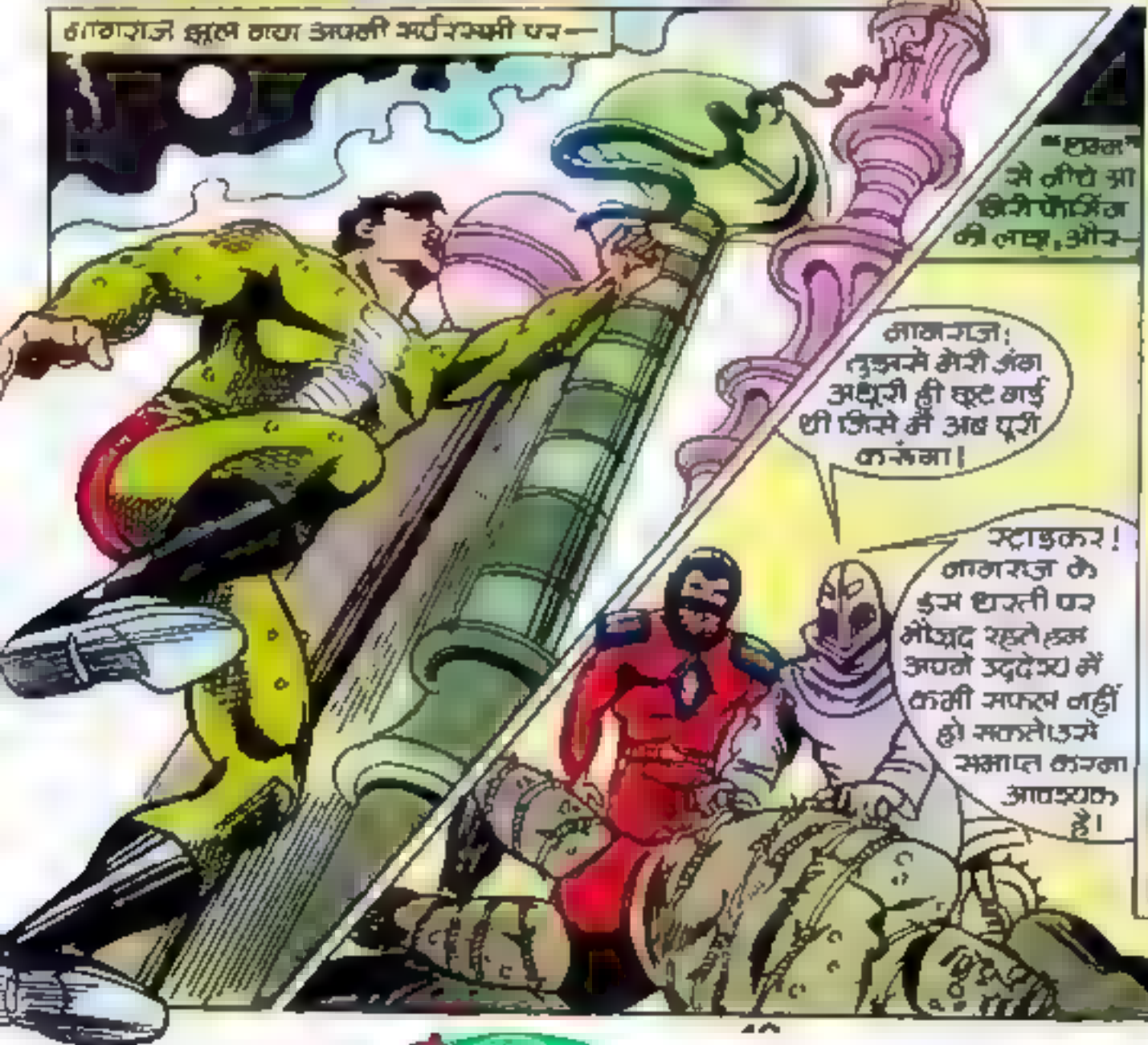
धरी उठा पेसिंग—



अगर
इसकी पीठ
पर बैठे
जैसे ही जगति
इससे छीन ली
जाए तो मैं कण्ठगत
भी नहीं कर सकता
कि किसी कण्ठगत
मौत होनी
इसकी।



नागराज झूल रहा अपनी मर्त्यस्त्री पर—



“एकल”
से नीचे आ
जिरी पेशिंग
की लक्ष, और—

नागराज:
तुझसे मेरी अंका
अधारी ही कूट गई
थी जिसे मैं अब पूरी
करूंगा।

स्टाइलर!
नागराज के
इस धरती पर
मौजूद रहते हूँ
अपने उद्देश्य में
कभी सफल नहीं
हो सकते। उसे
समाप्त करना
आवश्यक
है।



पेशिंग!
कभी-कभी अधिक
समझदारी भी सेहत
के लिए हासिलप्रद
होती है।

स्ट्राइकर! जैगल!
पै सिवा के अंग के दाढ़ अब
तेरी बारी है।

उहा 2 भाग राज के पांती ओ
3 भा धरती छुई ही छी कि
भा पहुँचा शौतल स्ट्राइकर—

भाग राज!
कैसी लंबियत है तेरी?
ह हा हा हा

स्ट्राइकर अकेला
नहीं है भाग राज। लोथार
भी उपस्थित है



न इच्छा ली आ पहुँची कहीं ली भी—

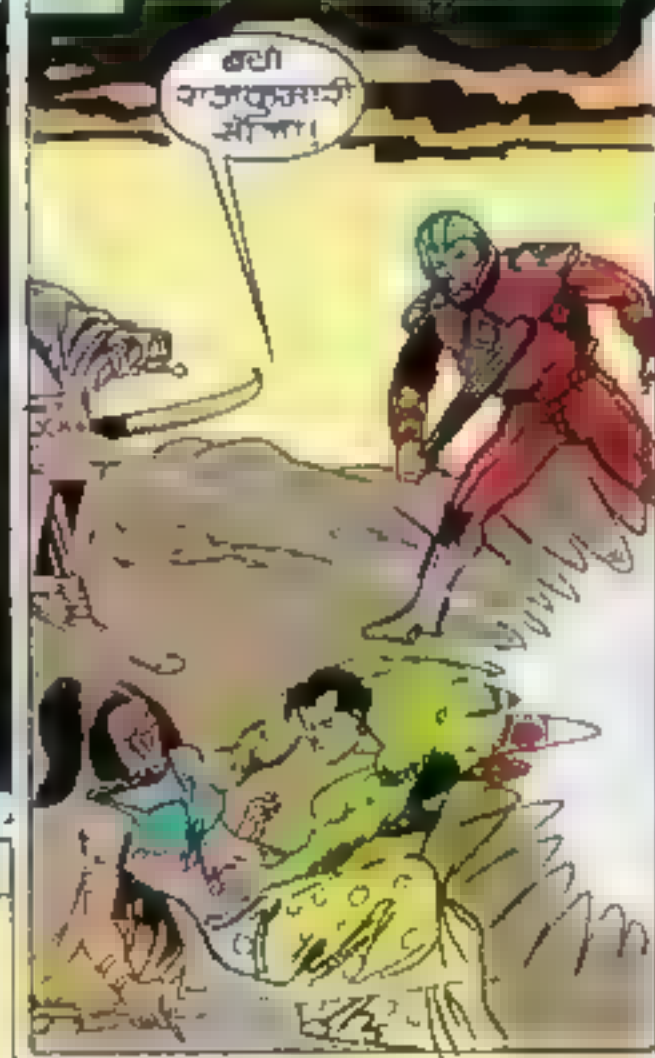
शायद ली है मैंने कि मूठ बा,
पर अपराध की कठिनी जरूर
लेने नहीं दूँगी।

तुम्हारी शायद दूँगे
न पायेगी कहीं
सोना।



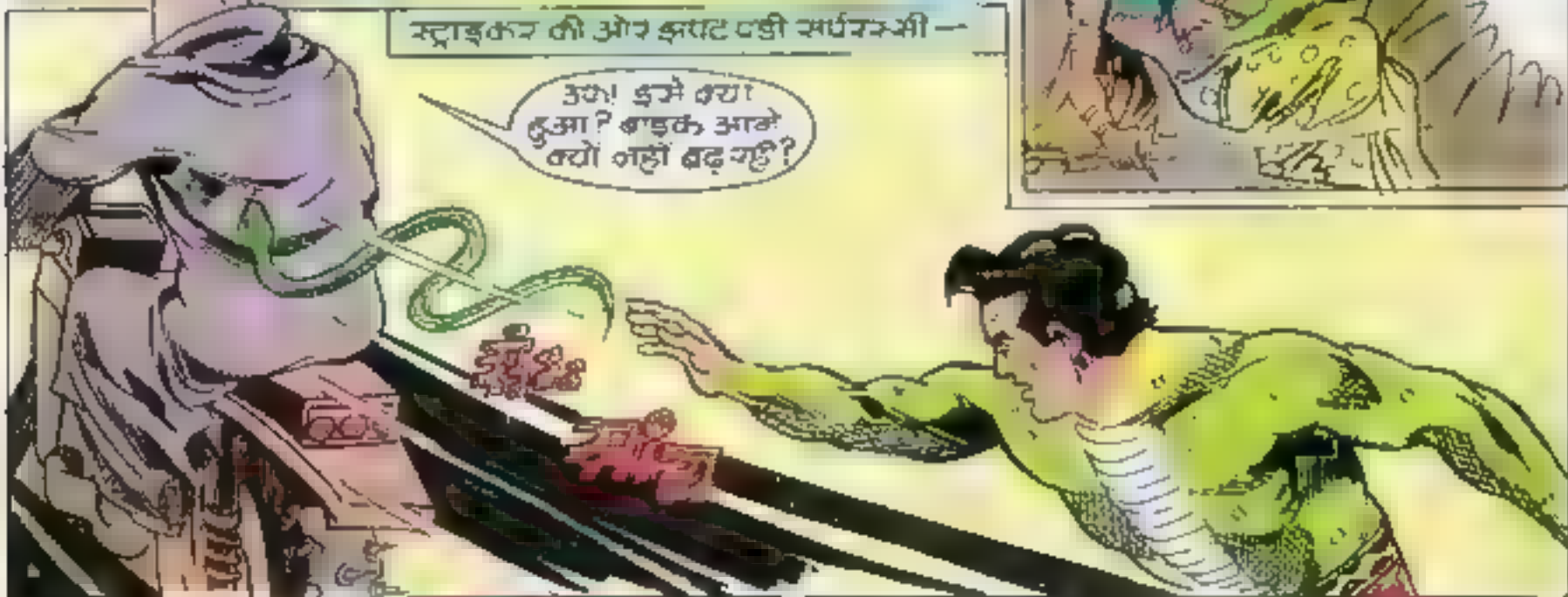
स्ट्राइकर की कालक में छूट वह बस
वर्तमान साँज के थिएड़े उड़ा देता, अगर
भाग राज को एक क्षण भी मी दे रहे हो भागी
तो—

बड़ी
राजकुमारी
सैना।

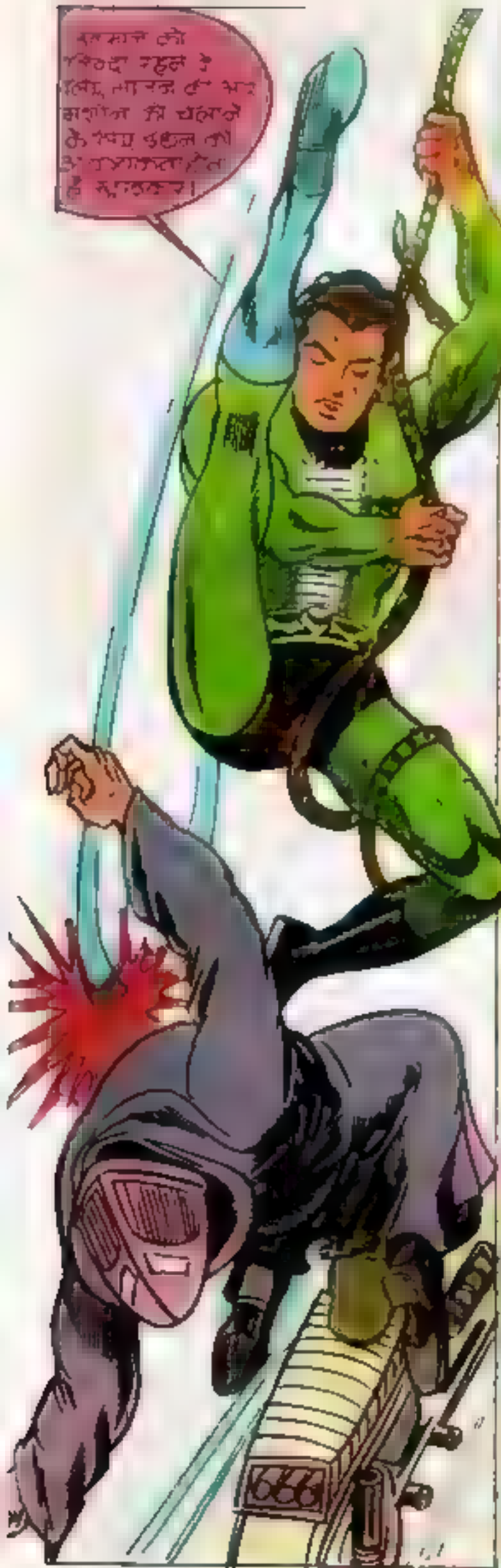


स्ट्राइकर की ओर झपट पड़ी सर्पारभी —

उहा! इसे क्या
हुआ? बाइक आके
क्यों नहीं बंद रही?



इस सैनिक को
जिन्होंने मार डाला है
इसलिए, लोभ के भाव
मार्गों में चलने
के लिए उठने को
आज्ञा करता है
है सारांश।



इस सैनिक को
मार डाला है
इसलिए, लोभ के भाव
मार्गों में चलने
के लिए उठने को
आज्ञा करता है
है सारांश।



साम्राज्य की उम्र लेकर से
मरने के बाद लोभ के भाव
मार्गों में चलने
के लिए उठने को
आज्ञा करता है
है सारांश।



साम्राज्य की उम्र लेकर से
मरने के बाद लोभ के भाव
मार्गों में चलने
के लिए उठने को
आज्ञा करता है
है सारांश।

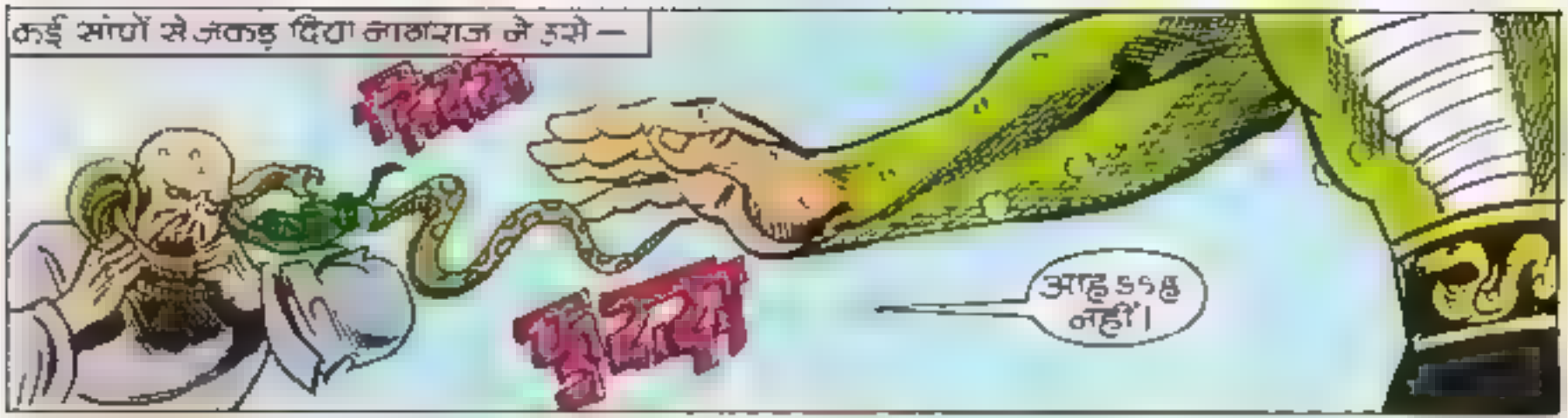
साम्राज्य की उम्र लेकर से
मरने के बाद लोभ के भाव
मार्गों में चलने
के लिए उठने को
आज्ञा करता है
है सारांश।



अब सारांश देकर से उठने के लिए साम्राज्य की उम्र लेकर से

आह!

कई सांघों से जकड़ दिया जागराज ने इसे —



जागराज के उस भयंकर झटके के साथ चीख पड़ा स्ट्राइकर। और दो दुकानों में कट गया उसका जिस्म—



लेथर के खून से लहलहाई

प्रेसिडेंट डिमेंलो
जी हत्या में लू बाधा बन
सकता था। लेकिन आज
नू अजकल हो जायेगा
प्रेसिडेंट डिमेंलो को
बचाने में नागराज,
क्योंकि आज पांच
गजकत पचपत मिनट
पर वह अठरा कारा
नयेगा हा हा -- और
-- तेरी -- हार होगी
आह!



सी के साथ आंखें खुली की
रुमी रह कई लोहार छि। सर
जि हा हो।

मोंजा दीपी नागराज की ओर--

नागराज!
वह पर कैल
प्रदूषण के प्रभाव में
लू हारे निस्स पर
की जलस्थल
जलपन हो रही
होती।

फर्न १३
गल पर
गोमते के गोप
वही मे वही
सत्यता वहाउन
नस्ते निताकन
भा हो जाती
है।



नागराज!
तुम फिरसे
बलक २ का
भार तो नाले
रहा होना
मूजकल
था।

कहील मोंजा! मैं
कूलकल पर खुद नहीं
आया, बल्कि मेजा
करा हूँ। और मुझे
यहाँ भेजने वाली
है काजा।



काजा?
ओह!

काजा ही एक
अकेली नागराज है,
जिसे कूलकल पर बनाएं
वाप मेरे कूलकल परमल
नहीं आय।



काजा!
उसकी लस-लस
से वाकिफ हूँ
मैं।

आप उसे जानती
हैं मोंजा?

मूल गृह के सीधे सादे लोगों को सतारकर उसे अद्भुत आनन्द मिलता था—

हा हा हा! तुम्हारे सुन्दर बाल तुम्हारी धोड़ के पूर पर ज्यादा अच्छे लग रहे हैं।



मूल गृह पर किसी वस्तु की सुरक्षा के लिए पहरेदारी नहीं की जाती। एक दिन इस बात का लाभ उठाकर वह गैरान हीरक लक आ पहुँची—

अब मैं इस गृह पर नज़र रखूँगी, लेकिन अभी से पहरे हीरक की अपने साथ ले जाऊँगी।

ठीक समय पर जा दबोचा मैंने उसे—

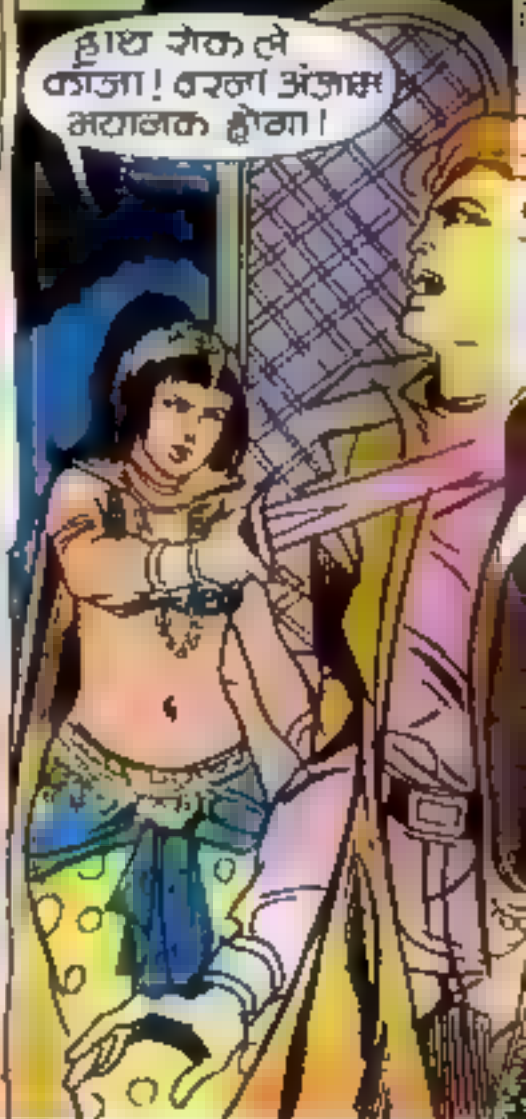
क्या ज़ा! मूल गृह के काबजानुसार तुम्हें इस अपराध की सजा का कड़ा दण्ड दूँगी मैं।

किंतु इतनी आसानी से हार मानने वालों में से तो नहीं थी—

ठीक सों जा! मूल गृह की शक्ति को धिक्क-ठिक्क कर देगी अब काजा! हा हा हा।

किंतु मैंने एक न चमत्कार की उससे—

हाथ रोक ले काजा! वरना अंजाम मरालक होगा।



नागराज और कीजा

प्रथम बार कोई कैदी लाया गया था उस जेल में—

तुम्हारी सजा यही है कि तुम आजकल इस काल कैदरी में पड़ी रहो।

ओह!

खतरनाक बात थी उस समय उसकी आँखों में—

मुझे इस कैद में जगहा दिनी तक नहीं प्यार अकेली व तभीक सी जा!

और एक दिन अचानक पाकर वह हीरक की पापल करले में सफल हो गई, और हीरक की मदद से ग्रह की ओजोन धरत में छिद्र करके वही से भाग निकली—

जिससे भीतर आए प्रदूषण के कारण यहाँ के नागरिकों की जान पर आ बनी है नागराज—

वहील सौजा ने अपनी बात समाप्त की—

नागराज! इस प्रकार कीजा उस यंत्र सहित पृथ्वी पर चली गई और मुझ से बदला लेने के लिए उसने बुरे लोगों को पृथ्वी से कलकल पर भेजना शुरू कर दिया है। ताकि वो यहाँ की शांति को भंग करके मेरे बनाए करगुलों को लजाकर उड़ा सकें।

किंतु वहील सौजा, पहले तुम मुझे यह बताओ कि उस छिद्र को कैसे भरा जा सकता है? ताकि यहाँ की वायु को यही ही प्रदूषण मुक्त करके इन निर्दोष लोगों के प्राण बचाए जा सकें।

नागराज! मेरे साथ आओ।

जागराज के साथ उस स्थान पर आ पहुंची कवील सोंजा —

जागराज !
हीरक की शक्ति से
यह छिद्र ज़ीदा भर
जायेगा।



दूसरा हीरक दिखाई
पड़ने लगा कवील सोंजा
के हाथ में।

किंतु इस छिद्र को
भरने से पूर्व ही उन्हें वहां
से पृथ्वी पर भेजना होगा,
अन्यथा तब वहां कभी न
पहुंच पाओगे। और उन्हें
पृथ्वी पर भेजने के लिए
मैं यह रंत्र तुमसे छुआ
रही हूँ।

कवील सोंजा !
मैं वापस करता हूँ।
कंजा के पास अब
हीरक शक्ति नहीं
रहने देगा।



हीरक के स्पर्सिमा से
जायाब हो गया जागराज—



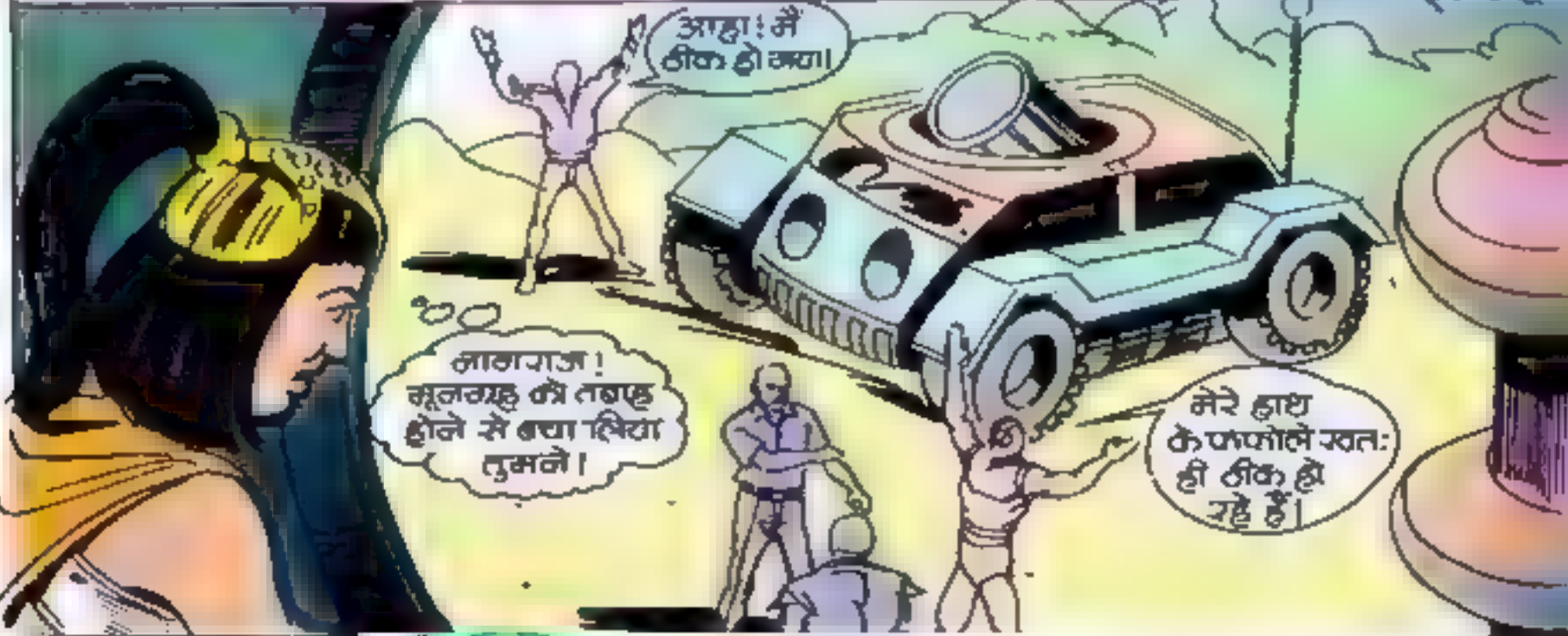
अलविदा
जागराज !

अलविदा
सोंजा !

और अगले ही पल
हीरक से छूट पड़ी वो विचित्र
मुलहरी किरणों ओ भरती
चली गई उस छिद्र को—



मूल लोगों के सुरक्षित पाकर तब बेहद गहृत की सांस भरी ही कवील सोंजा ने—



आह ! मैं
ठीक हो गया।

जागराज !
मूलराह को तबल
होने से बचा लिया
तुमने।

मेरे हाथ
के फफोले खतः
ही ठीक हो
रहे हैं।

नागराज और कांजा

और उधर पूर्व प्रेसीडेंट की मरणाशयियों को अलगा के लिए बंद रहे थे मंच की ओर—

वसु अब कुछ ही कण
जो मर रहे मरने ही सही उसे
बाहर निकालना का प्रयत्न
प्रेसीडेंट की मरणाशयियों से
रुका था।



मंच की पूर्वी के साथ बाहर आया
हिरक —



सी अलहोली की आज्ञा से
गल्ल हो उठे थे सभी लोग —

और इसी पल कांजा की कलाई
को धक सिधा उस सड़कत हूथ ले



कांजा। नागराज
तुझे हीरक डालित कर
और गल्ल प्रयोग नहीं
करके देगा।

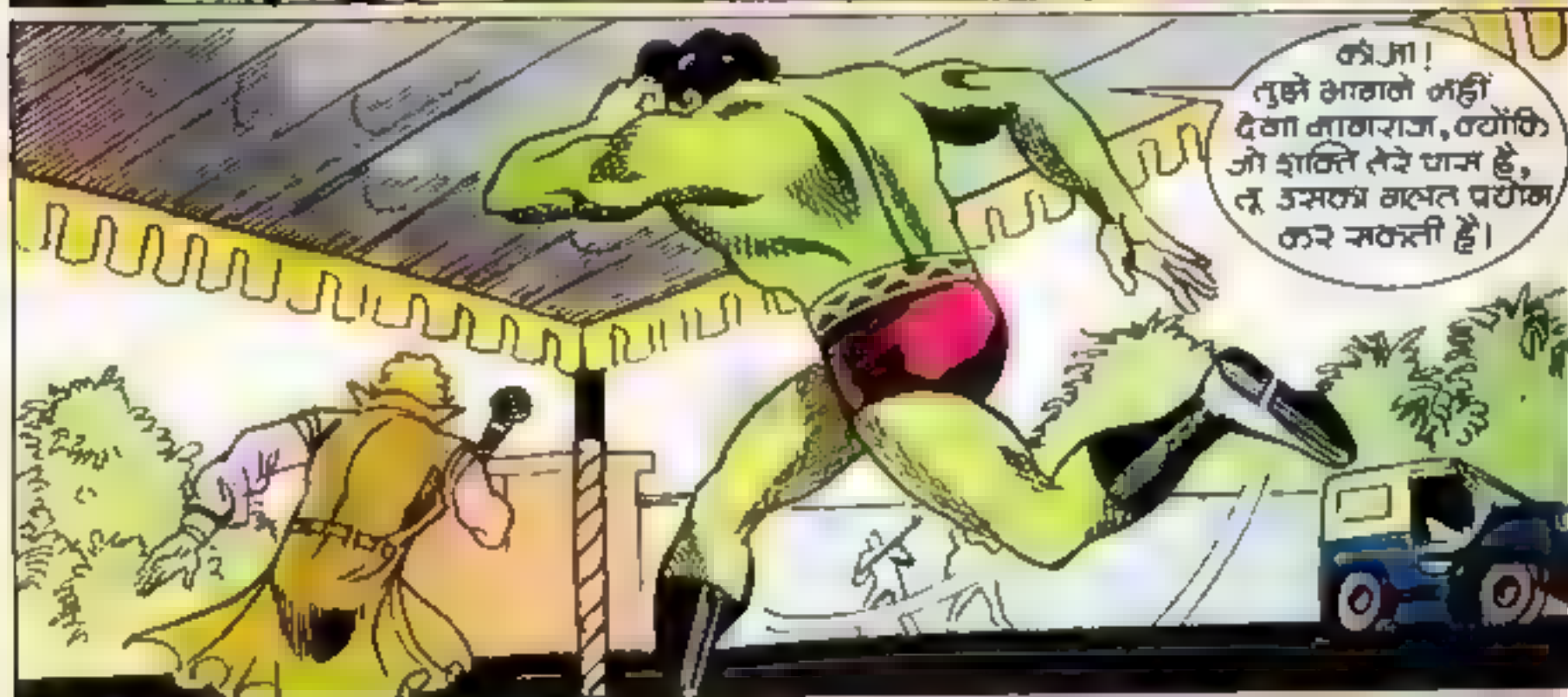


जो बड़ी पूर्वी के साथ नागराज के पेट में जड़ी वो टलकर—



धीरे की तरह ऊपर उठाकर
भागी काँजा —

अफ! डैड स्क्वैड
अभी तक क्यों नहीं पहुँची?
डोमेकर ने मेरे साथ
छोड़ा किया है।



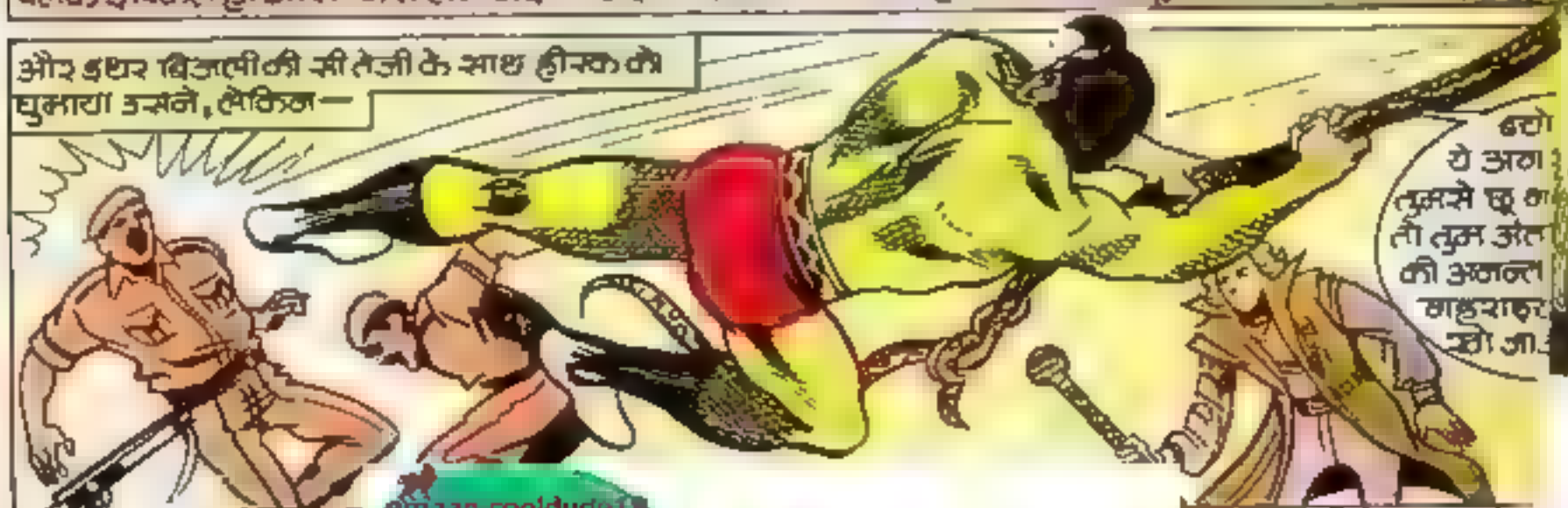
काँजा!
तुझे भागने नहीं
देना काका राज, क्योंकि
जो शक्ति तेरे पास है,
तू उसका बहुत प्रयोग
कर सकती है।

काँजा का गस्ता रोक बैठे दो कमाण्डोज —

रुक जाओ!
वरना
मारी जाओगी।

पलक झपकते ही आस-पास लगे कई पण्डाल आलाओं में जगहों होते चले गये।

और इधर बिजली की सी तेजी के साथ हीस्क की
घुमाया उसने, लेकिन —



हरो
ये अफ
तुमसे छु
तो तुम अंत
की अकाल
बाहरा
हो जा

कांजा तभीक ही नाथ के
मैंने कहा दिया है कि, एकादश
पात्र भव ही अब, शांति
नहीं रहने देगा।

ओह! तो
कौन सांजा की
मदद में तुम यहां
आ पहुंचे। पर
नागराज! मैं तुम्हें
अब हीरक द्वारा
अंतरिक्ष में भेज
दूंगी। हाहाहा!

उसी पल नागराज के शिरा दिया की कत्तू -

अब तू
हीरक शांति का
इस्तेमाल मुझ पर
कही कर पायेगी
इंसान कांजा!

सांघ की तरह सरसराकर शिरास का नागराज
उस कत्तू के बीच में से -

नागराज के पीछे-पीछे ही सरसरा कर शिरास
जाताकत -

शांखाश नागालन्द!
मैं जलता था कि तुम
हीरक को उस दुष्टा से
छील लाओगी।

उसी पल कई कत्तों उस कहीं कांजा की ओर। चीख पड़ा
नागराज -

नहीं। कोई गोली न चलाए। उसे जिरादा
पकड़ना होगा, उसका डोमेकर उर्फ शिरा
आफ डेय स्कैंड कली हमारे हाथ न लगे
सकेगा।

जागराज ने उसका चेहरा चूम

कंजा !
अब मैं तेरी
आंखों के सामने
ही हीरक को
लपेट कर
दूंगा ।

नहीं !
उसे लपेट
सत करना
जागराज !



हीरक को जमीन पर
दे मारा जागराज ने—

जमीन से जा को
दिया अपना कपड़ा पूरा
कर दिया मैंने ।



जागराज पर बार बार
कैलिघु उठी उस जागुरक
कन्हाई को पकड़ कर
पीठ की ओर उमोठ दिया
जागराज ने—

कंजा ! मुझे डोमैकर उर्फ
किंग ऑफ डेथ स्क्वैड
का पता बताओ, जिसकी
गह पर तुमको पूर्व प्रेसीडेंट
सहस्र को बाराब करना
चाहता ।



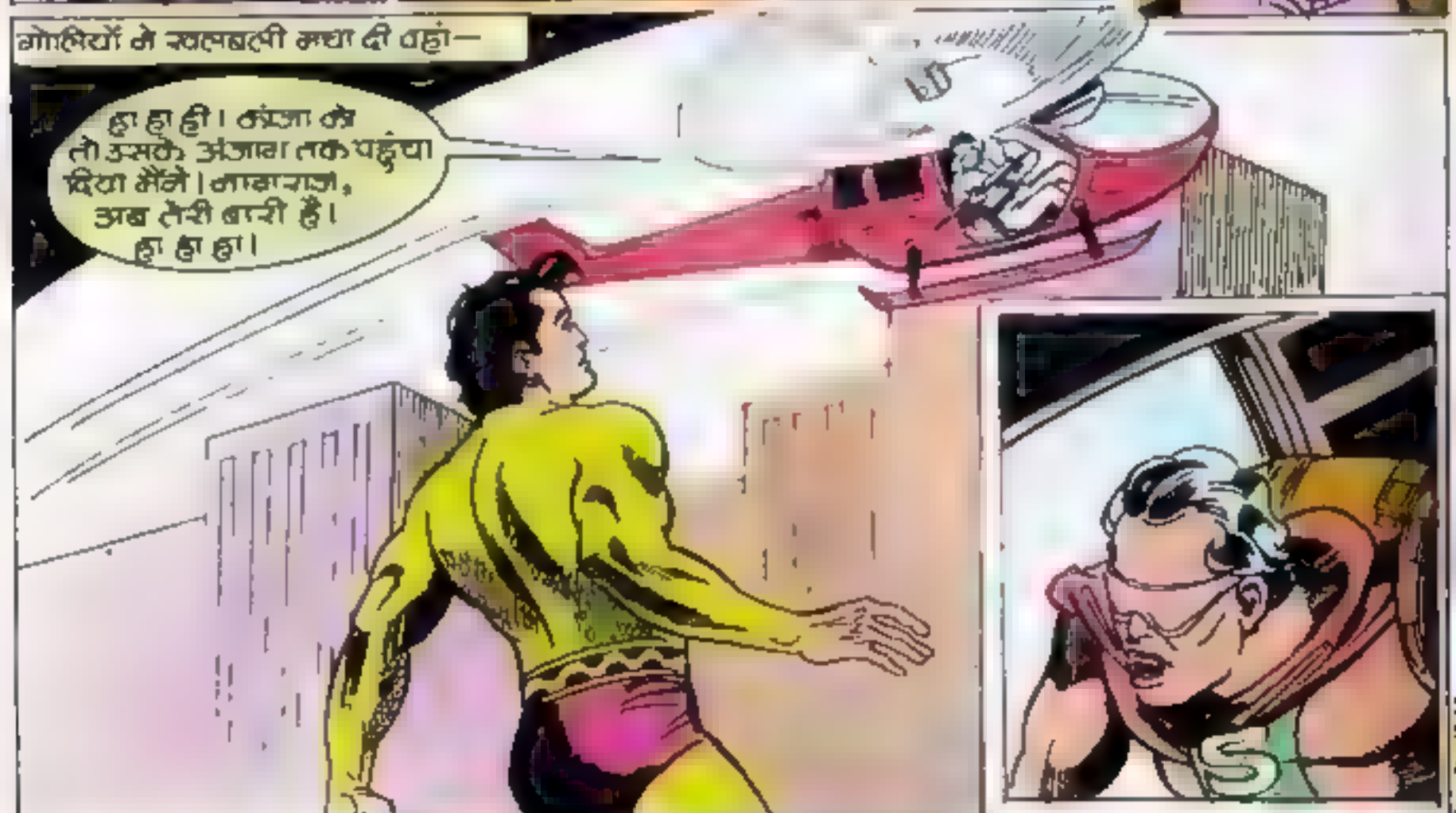
इसी पल आकाश में
उठा हेलीकॉप्टर के
धोर से—

और लाइड-लौड कोहियों
ने छुरमली बला कर रक्त दिव
कंजा के शरीर को—



गोहियों ने खलबली मचा दी वहां—

हा हा हा ! कंजा को
तो उसके अंजाम तक पहुंचा
दिया मैंने । जागराज,
अब तेरी बारी है ।
हा हा हा ।



जादू-मन्त्रों की कृपा से
सब-सब की सहायता—

डोमेकर !
तेरी ही तस्माद
धी मुझे ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः

माझले देख। तेरी
जीव तेरा इतजार
कर रही है।

ओह!
वे टॉवर मुझे
घातक छोट पहुंचा
सकता है।

जिं
जिं
जिं

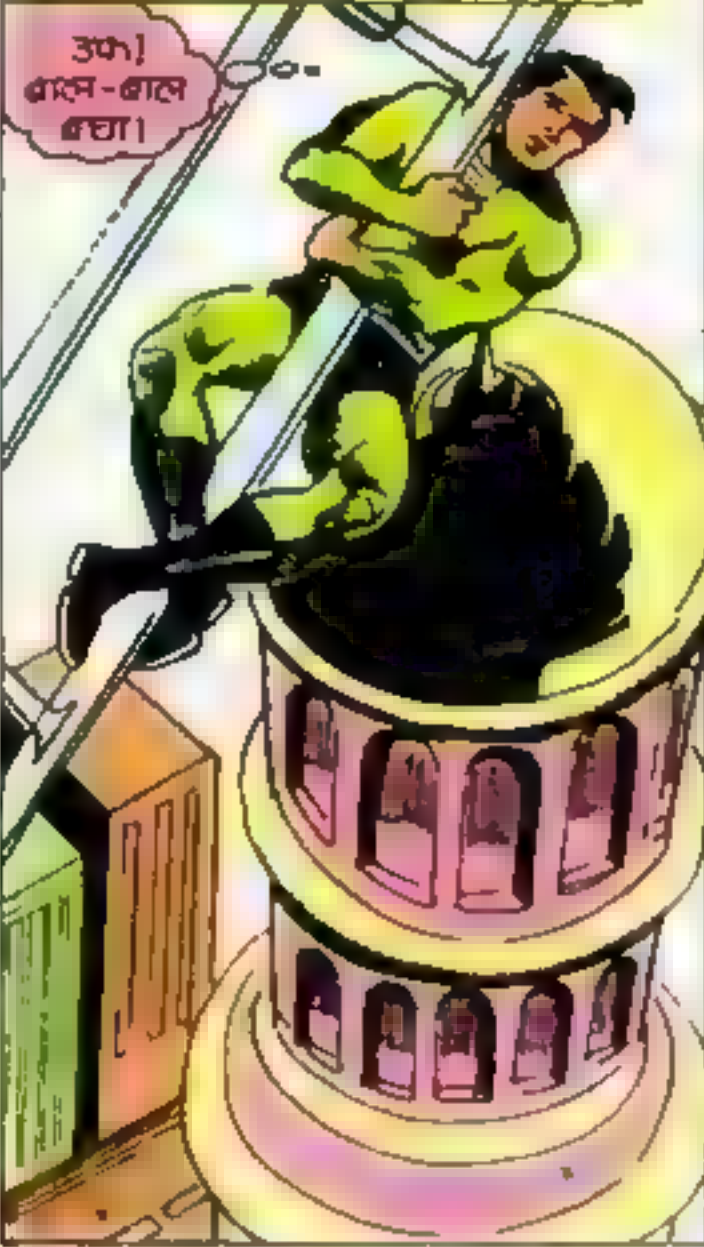
* कई गोपियों
जब राज के जिस
में समा गई।

किन्तु राजा पर खोशियो का असर नहीं होता है।

राज कॉमिक्स

ऊर्ध्व-रज्जु पर लटकता कामराज तेजी के साथ हेलीकॉप्टर की ओर उड़ता चला गया —

उफ! बाल-बाल बचा।



कामराज। तुम मेरे काम में बहुत बाधाएं खड़ी की हैं। आज मैं तुम्हें छोड़ूंगा नहीं। हा हा हा। यहां से गिरकर तेरा अंतिम कई दुकड़ों में बदल जायेगा।



अस्थिर क्रोध से, रींठा कामराज —

तेरा अंत आ गया है जोमेकर!



खर के लड़के के समान हवा में लहराता कामराज उस रींठा की सीट से उछल पड़ा जोमेकर —



लेफ्टिन बिजली भरी थी उसके जिस्म में —



तेरी मौत मेरा मिशन है कामराज।

ओह!

मिस्त्रो के साथ ही नागराज को बच पाया
ये उसका पैरों अपनी छाती पर रखे और नागराज
को -

मौनी छात्र नागराज को -

अब नागा
(अपनी मर्ज)



उगेकर
अकेला नहीं
जायेगा
नागराज।

उफ!

और उस सीलार से टकराने से न बचा सका तो
हेलीकॉप्टर को, परिणामस्वरूप -

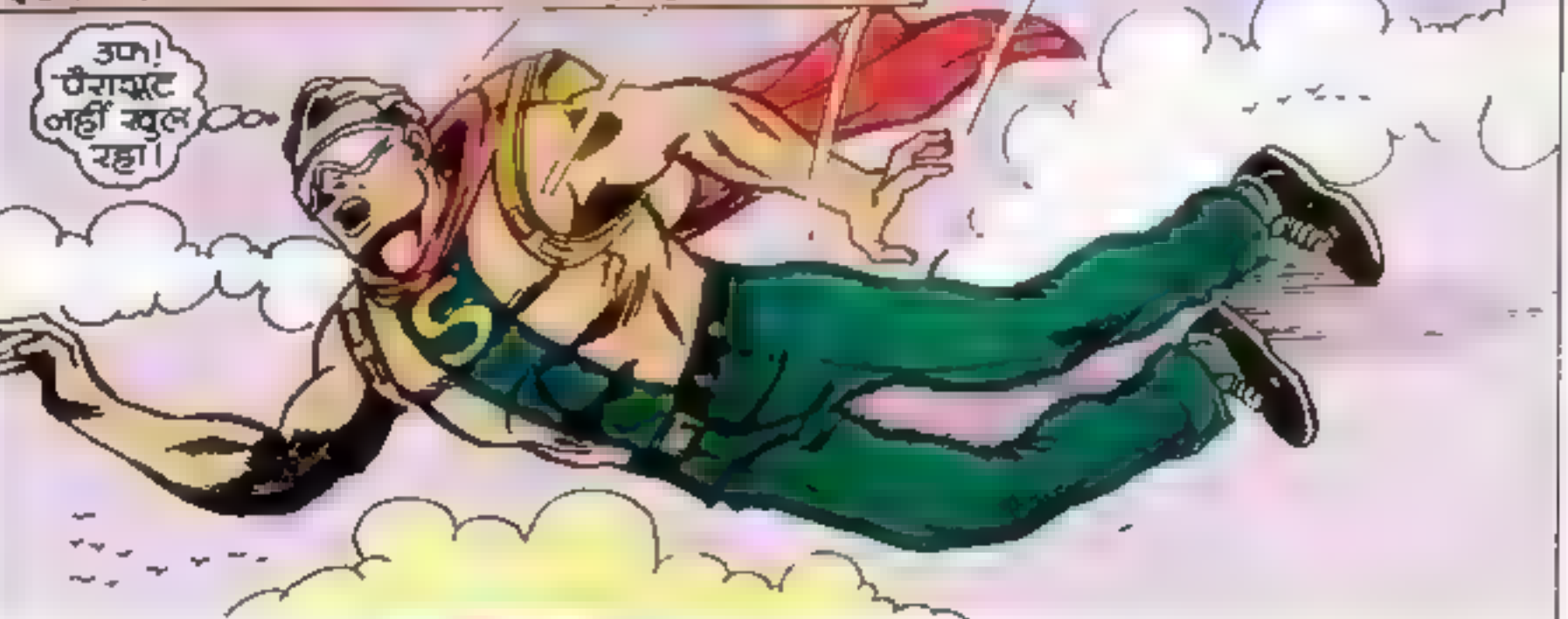
छाड़ना

आह

परखटो
उड़ गए
हेलीकॉप्टर और
पायलट के भी।

इधर तीव्र गति के साथ अमील की ओर बढ़ रहा था डोमेकर -

उफ!
पैराशूट
नहीं खुल
रहा।



शोमेकर के पीछे था
नागराज—

सर्कस का पण्डित चीरता
घरवा गया शोमेकर का छिस्म

पूरी बस्ती के साथ नागराज भी
संभा गया उसी क्षि में—

लचीले जाल पर उछल कर
नागराज शोमेकर से
टकराया—

ओह! अगर इस समय
मैंने अपने सर्व पैराशूट का
प्रयोग किया तो शोमेकर मेरी
पहुंच से बहुत दूर निकल जाएगा।
मुझे इसी गति से नीचे गिरना
हैगा।

उफ!

तुम्हारा अंत
नागराज के हाथों
लिखा है शोमेकर
शायद इसलिए तुम
अभी भी जिन्दा
हो।

फट्वा के

किस्मत के धनी लिखने दोनों—



और झुक हा कि समय "शो"
का नहीं था—

नागराज और कांबा

जहाँ जहाँ भी वह लड़ता नागराज—

शोमेकर! उसका के
जाल पर लड़ने की प्रणति
भी कर ली होती।

नहीं...



और चबरा उठा शोमेकर —

मैं
नागराज से मुकाबला
नहीं कर सकता। मुझे
यहाँ से भाग निकलना
चाहिए।



नागराज की इस जबरदस्त ठोकर से शोमेकर
कई फुट आगे उछल गया —

तेरे ही खूनी कारनामों
पढ़कर मैं यहाँ आया था
शोमेकर और अब तू बचकर
भाग निकलना चाहता
है।

शोमेकर की खूनी जिंदाहूँ जा अटकी उन पिंजरों पर —

नागराज!
तू मुझे नहीं पकड़
सकता।



एक-एक करके आजाद करवा दिया गया वह उन पिंजरों में बंद जानवरों को।

मित्राहो! बाहर निकलो और फिर कर रख दो कागजात को।



अह! इस डौलाल ने पिंजरों में बंद उन मर्यादक सहस्रक प्राणियों को आजाद कर दिया है।



शेर चीतों की मर्यादक दहाड़ों व शोर से मदद भय गई सर्कस के जांबाजों में—



कागजात के समक्ष मुस्ताजी नहीं चलेगी सिंहराज!



कण प्राणियों को अकड़ने को बड़ चली सर्प-राक्षसों—

सर्कस के सभी और इराए वाए ये जीव भी स्वतन्त्रता की सांस पाकर फूल उग हो सकते हैं। और इन्हें स्वतन्त्र करने का मेरा कोई इरादा नहीं।



आह! आह!



और —

कागजात ने वीर ही नियंत्रण पा-लिया उस संकट पर —



